THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 178 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.2 2082 मंगलवार, 23 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीबीआई निदेशक की याचिका पर सुनवाई 26 को

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। तिरुपति प्रसादम विवाद से जुड़े मामले में सीबीआई निदेशक की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 26 सितंबर को सुनवाई करेगा। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सीबीआई ने याचिका दायर की है। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा था कि सीबीआई ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम में प्रसादम तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे मिलावटी घी की जांच करते समय शीर्ष अदालत के निर्देशों का उल्लंघन किया था। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ से सीबीआई निदेशक की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अनुरोध किया कि इस याचिका पर 29 सितंबर के बजाय 26 सितंबर को सुनवाई की जाए।

पूर्वोत्तर के राज्य हमारे लिए अष्टलक्ष्मी : पीएम मोदी

* अरुणाचल को दी 5100 करोड़ की सौगात

ईटानगर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 5,100 करोड़ से ज्यादा रुपये के महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। समारोह इंदिरा गांधी पार्क में आयोजित किया गया। पीएम ने शि योमी जिले में दो बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट्स और तवांग में एक कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी।

पीएम ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए कहा कि ये हमारे लिए अष्टलक्ष्मी हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां इन राज्यों के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए हैं। उन्होंने पिछले कई वर्षों में पिछली सरकारों द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विकास की अनदेखी की तुलना में केंद्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और कहा कि नेक नियत के सही नतीजे अब दिख रहे हैं। पहला, नवरात्र के शुभ अवसर पर हिमालय की गोद में स्थित इस भूमि पर आकर मां शैलपुत्री का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। दूसरा, देश में नेक्सट जेन जीएसटी सुधार लागू हुए और जीएसटी बचत उत्सव की शुरूआत हुई, जिससे त्योहारों के मौसम में जनता को डबल बोनस मिला। >14

हिमालय की गोद में आज माता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ

उन्होंने आगे संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में जब देशवासियों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया तो उन्होंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्त करने का संकल्प लिया। मोदी ने स्पष्ट किया कि उनकी प्रेरणा किसी राज्य में वोट और सीटों की संख्या से नहीं, बल्कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना से आती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित ही उनके हर फैसले की नींव है। मोदी ने अपने अरुणाचल दौरे को तीन कारणों से विशेष बताया।

‘सीएम रहते विरोध, अब मसीहा बन रहे’

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस और भाजपा के बीच एक बार फिर जीएसटी को लेकर राजनीतिक जंग छिड़ गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो जीएसटी का विरोध करते थे, लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने ‘यू-टर्न’ लेकर 2017 में खुद को इसका मसीहा घोषित कर दिया।

एक दिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर कहेगा–मैं भी भारत हूं : राजनाथ सिंह

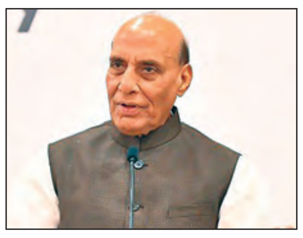

रबात (मोरक्को), 22 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भरोसा जताया कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को बिना किसी आक्रामक कदम के वापस हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि अब वहां के लोग खुद ही मौजूदा शासन से आजादी की मांग कर रहे हैं। राजनाथ सिंह मोरक्को में भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा, पीओके तो अपने आप हमारा हो जाएगा। आपने सुना होगा कि वहां अब आवाजें उठ रही हैं, नारे लग रहे हैं। रक्षा मंत्री ने बताया कि उन्होंने पांच साल पहले भी ऐसी ही बात कही थी, जब वह जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, मैं पांच साल पहले कश्मीर घाटी में सेना के एक कार्यक्रम में बोल रहा था। तब भी मैंने कहा था कि हमें पीओके पर हमला करके कब्जा करने की जरूरत नहीं होगी। वह तो पहले से हमारा है। पीओके खुद कहेगा–मैं भी भारत हूं। वो दिन जरूर आएगा।

महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने किया माल्यार्पण

वैश्य समुदाय अहिंसा प्रिय समाज : डॉ. गिरीश कुमार संघी

> महाराजा अग्रसेन की 5149 वी जंयती महोत्सव में सीएम, डिप्टी सीएम समेत कई हस्तियों ने लिया भाग

> ‘देश की आजादी से लेकर विकास तक में वैश्य समुदाय का अहम योगदान’

बंजारा हिल्स स्थित महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते मुख्य अतिथि सीएम ए.रेवन्त रेड्डी एवं डॉ. गिरीश कुमार संघी। अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, विधायक दानम नागेंदर, नगर महापौर विजयलक्ष्मी गदवाल, अनिरुद्ध गुप्ता व अन्य।

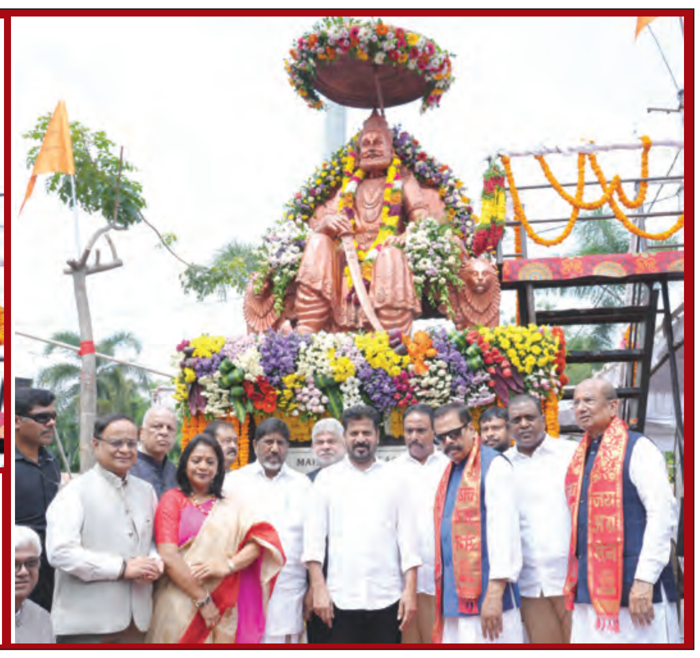

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने महाराजा अग्रसेन की जयंती महोत्सव में भाग लिया। उन्होंने अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद तथा वार्ता प्रकाशन समूह के सीएमडी डॉ. गिरीश कुमार संघी के साथ हैदराबाद के बंजारा हिल्स में स्थापित महाराजा अग्रसेन की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद, हैदराबाद की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, खैरताबाद के विधायक दानम नागेन्दर के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। बंजारा हिल्स महाराजा अग्रसेन चौक रोड़ नं.12 पर महाराजा श्री अग्रसेन की 5149वीं जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीएम ए. रेवंत रेड्डी ने महाराजश्री अग्रसेन महाराज के 5149वें जयंती महोत्सव की समाज बन्धुओं को शुभकामनाएं दी। डॉ. गिरीश कुमार संघी की अध्यक्षता में समाज बन्धुओं द्वारा पधारे मुख्य अतिथि व सम्मानित अतिथियों को मंच पर आमंत्रित कर पुष्प-मालाओं व शॉल से विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से तेलंगाना मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, विधानसभा अध्यक्ष जी. गड्डम प्रसाद कुमार, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, सीएम सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, तेलंगाना सरकार के सलाहकार शब्बीर अली, विधायक डी. नागेन्दर, वार्ता प्रकाशन समूह के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर गौरव संघी, सुभाष अग्रवाल, अलका संघी सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी ने समाज बन्धुओं को महाराजा अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं देते कहा कि अग्रसेनजी अहिंसा के पुजारी थे। उन्हीं के मार्गदर्शन पर चलकर आज समाज उन्नति के पथ पर अग्रसर है। मुझे आपार गर्व अनुभव हो रहा है कि वैश्य समुदाय एक विशाल अहिंसाप्रिय समाज है।

जो अहिंसा के बल पर आगे बढ रहा है। वैश्य समुदाय के युवा प्रतिभाओं को शिक्षा, तकनीक, स्वास्थय एवं मानव सेवा ही माधव सेवा के तहत आगे बढते हुए कार्य करना चाहिए। अग्रवाल समाज आज मीडिया, व्यापार, उद्योग क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। फिर भी हमारा समाज राजनीतिक क्षेत्र में अपेक्षित मुकाम हासिल नहीं कर सका है। तेलंगाना में समाज को राजनीतिक क्षेत्र में भागीदारी निभाने के लिए अधिक से अधिक क्षेत्र से पार्षद का चुनाव लड़कर आगे आना होगा तभी समाज को राजनीतिक ताकत मिलेगी। >14

‘143 करोड़ आबादी हमारी बड़ी ताकत’

सीएम नायुडू बोले-अमरावती से बदलेगा भारत का तकनीकी भविष्य

अमरावती, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने सोमवार को कहा कि भविष्य अलग होगा और केवल भारत ही वैश्विक समुदाय को सेवाएं दे सकेगा। उन्होंने यह बात विशाखापट्टनम में आयोजित ‘राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन’ को संबोधित करते हुए कही। नायुडू ने बताया कि कई देशों के पास तकनीक तो है लेकिन वहां जनसंख्या संकट के कारण लोग नहीं हैं, जबकि भारत के पास सबसे बड़ी आबादी है जो उसकी ताकत बनेगी।

नायुडू ने कहा कि यूरोप, जापान और कई अन्य देश तेजी से वृद्धावस्था संकट से जूझ रहे हैं। उनके पास नर्स, डॉक्टर और तकनीक चलाने वाले लोग नहीं हैं। वहीं भारत में 143 करोड़ की आबादी है, जो सबसे बड़ी ताकत है। चीन की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि चीन की जनसंख्या केवल 130 करोड़ है जबकि भारत एक बड़ा बाजार है।

‘स्वदेशी आंदोलन’ पर पीएम मोदी की सराहना

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ‘स्वदेशी आंदोलन’ का जिक्र किया है। अगर हम पहले स्वदेशी पर ध्यान दें और बड़े ब्रांड्स बनाएं, फिर विस्तार करें, तो भारत दुनिया की मांग भी पूरी कर सकेगा। नायुडू ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भारत दुनिया का नेतृत्व करेगा।

क्वांटम कंप्यूटर में आंध्र की पहल :

नायुडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश में क्वांटम कंप्यूटर उत्पादन की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। आईबीएम और टीसीएस जैसे बड़े खिलाड़ी इस पहल से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि हमने पहल की है, और अब दो साल के भीतर भारत क्वांटम कंप्यूटर बनाएगा और उन्हें घरेलू और वैश्विक जरूरतों के लिए उपलब्ध कराएगा।

भारत बनेगा क्वांटम वैली :

नायुडू ने अमेरिका के सिलिकॉन वैली की तुलना करते हुए कहा कि भारत के पास क्वांटम वैली है और वह अमरावती है। जनवरी तक भारत क्वांटम कंप्यूटिंग देशों की सूची में शामिल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया में केवल छह से सात देशों के पास ही यह क्षमता है। आपर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग का संयोजन आने वाले समय में भारत को तकनीकी शक्ति बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले 10 साल बेहद महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन और क्वांटम कंप्यूटिंग सरकारों की सोच और काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल देंगे। उन्होंने कहा कि 2047 अब ज्यादा दूर नहीं है और भारत उस समय तक नंबर वन देश बन सकता है।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम के खिलाफ सीबीआई व भाजपा विधायक की याचिकाएं

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई अब जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी।

सोमवार को चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस वी विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा, यह मामला पहले भी जस्टिस सूर्यकांत की पीठ के समक्ष लंबित था। इस पर कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार की तरफ से पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, न्यायालय ने पहले ही कहा था कि राजनीतिक विवाद अदालतों में नहीं सुलझाए जाने चाहिए। इस पर सीजेआई गवई ने कहा, न्याय के हित में यही होगा कि इन याचिकाओं पर उसी पीठ में सुनवाई की जाए।

1600 करोड़ रुपये की राहत पंजाब के साथ अन्याय : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए घोषित 1600 करोड़ रुपये का प्रारंभिक राहत पैकेज राज्य के लोगों के साथ अन्याय है।

उन्होंने यह मांग फिर दोहराई कि पंजाब के लिए तत्काल व्यापक राहत पैकेज जारी किया जाए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बीते 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर पंजाब के लिए व्यापक राहत पैकेज जारी करने का आग्रह किया था। राहुल गांधी ने सोमवार को ‘एक्स’ पर पोस्ट किया कि को बाढ़ की वजह से लगभग 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1600 करोड़ रुपये का प्रारंभिक राहत पैकेज पंजाब के लोगों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि लाखों घर उजड़ गए। चार लाख एकड़ से ज्यादा की फसल बर्बाद हो गई। साथ ही बड़ी संख्या में जानवर बह गए।

अहमदाबाद क्रैश : सुप्रीम कोर्ट बोला पायलट की गलती की चर्चा अफसोसजनक

स्वतंत्र जांच की संभावनाएं तलाशें, केंद्र-डीजीसीए और जांच एजेंसी एएआईबी से जवाब भी मांगा

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में पायलट की गलती को लेकर उठ रही चर्चाओं को अफसोसजनक बताया है। इसके लिए कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) से जवाब मांगा है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बैंच ने इस मामले में स्वतंत्र जांच करवाने की संभावना पर भी ध्यान दिया है। इसको लेकर एविएशन सुरक्षा एनजीओ सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन ने पीआईएल दायर की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि प्रारंभिक रिपोर्ट में जरूरी जानकारी छुपाई गई है और यह नागरिकों के जीवन, समानता और सही जानकारी पाने के अधिकार का उल्लंघन करती है। पीआईएल में कहा गया, ईंधन स्विच की खराबी और इलेक्ट्रिकल फॉल्ट जैसी तकनीकी समस्याओं को नजरअंदाज किया गया और दुर्घटना का दोष केवल पायलट पर डाल दिया गया। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान 12 जून को टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गया था। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी। सुमीत सभरवाल फ्लाइट के मुख्य पायलट और क्लाइव कुंदर को-पायलट थे। एनजीओ की तरफ से पैरवी कर रहे सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कोर्ट में कहा कि दुर्घटना को हुए 100 दिन से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन अब तक केवल प्रारंभिक रिपोर्ट ही जारी हुई है। उन्होंने कहा, रिपोर्ट यह नहीं बताती कि असल में क्या हुआ और भविष्य में क्या सावधानी बरतनी चाहिए। इसका मतलब है कि आज भी इन बोइंग विमानों में यात्रा करने वाले सभी लोग खतरे में हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष जांच की मांग सही है, लेकिन सभी निष्कर्ष सार्वजनिक करने से जांच प्रभावित हो सकती है।

> सुप्रीम कोर्ट से जैकलीन को झटका

200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर विचार करने से साफ इनकार कर दिया जिसमें उन्होंने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट यानी ईसीआईआर को रद्द करने की मांग की थी। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जो पहले ही कई धोखाधड़ी के मामलों में जेल में बंद है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी :

जस्टिस दिपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने जैकलीन फर्नांडिस की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की दलीलें सुनने के बाद कहा कि हम इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं करेंगे। इसके साथ ही अदालत ने साफ कर दिया कि 3 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को ही बरकरार रखा जाएगा। इसमें जैकलीन की ईसीआईआर रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया गया था।

याचिका क्यों दाखिल की गई थी :

जैकलीन की ओर से दाखिल याचिका में यह दलील दी गई थी कि ईडी द्वारा दर्ज किया गया ईसीआईआर कानूनन टिकाऊ नहीं है और इसमें उन्हें बेवजह फंसाया गया है। उनका कहना था कि उनके खिलाफ दर्ज मामला कमजोर है और इसे खारिज किया जाना चाहिए। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने जुलाई में उनकी याचिका को ठुकरा दिया था। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने के बाद जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। अब उन्हें ट्रायल का सामना करना होगा और ईडी द्वारा जुटाए गए सबूतों के आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई आगे बढ़ेगी। हालांकि, कानूनी जानकारों का कहना है कि अभी भी जैकलीन फर्नांडिस के पास आगे अपील और जमानत जैसे विकल्प खुले हैं।

‘जैकलीन के खिलाफ एक भी सबूत नहीं है’

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल, जैकलीन ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने की याचिका हाईकोर्ट में दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें झटका मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले में दखल से इनकार किया है। इसके बाद जैकलीन के वकील प्रशांत पाटिल ने दावा किया है कि अभिनेत्री के खिलाफ इस केस में कोई सबूत नहीं है।

'इसे वोट समझने की गलती न करें'

> विजय की रैली में भीड़ जुटने पर हासन का तंज

चेन्नई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में दो बड़े अभिनेता-से-नेता बने चेहरों के बीच इन दिनों भीड़ और वोट के समीकरण पर जुबानी जंग छिड़ गई है। मक्कल नीधि मय्यम (एमए) प्रमुख कमल हासन ने टीवीके प्रमुख विजय की रैलियों में जुट रही भीड़ पर टिप्पणी की है। उन्होंने दो टूक कहा कि बड़ी भीड़ जुटना ही वोट में तब्दील होना जरूरी नहीं है। यह नियम सभी नेताओं पर लागू होता है, चाहे वह खुद हों या फिर विजय।

बता दें, विजय इन दिनों पूरे तमिलनाडु में कई रैली का आयोजन कर रहे हैं। इसी क्रम में वह कई रैली भी कर चुके हैं। इन रैलियों में खूब भीड़ देखने को मिल रही है। ऐसे में कमल हासन ने ये बयान देकर एक और जुबानी जंग की शुरुआत कर दी है।

कमल हासन ने क्या कहा?

कमल हासन ने कहा कि राजनीति में यह मान लेना गलत है कि रैली में आए सभी लोग वोटर में तब्दील हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह सभी नेताओं पर लागू होता है। यह मुझ पर भी लागू होता है और विजय पर भी। भीड़ जुटी है तो इसका मतलब यह नहीं है कि पूरी भीड़ वोट डालने आएगी। इतना ही इसके साथ ही उन्होंने टीवीके प्रमुख को एक सलाह भी दी। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि विजय को राजनीति में प्रवेश के बाद वह क्या सलाह देंगे तो हासन ने कहा कि सही रास्ते पर चलो, साहस के साथ आगे बढ़ो और लोगों के लिए अच्छा करो। यही अपील मैं सभी नेताओं से करता हूं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आलोचना राजनीति तक सीमित नहीं है, सिनेमा में भी अभिनेता शुरुआत में आलोचना का सामना करते हैं। भीड़ वाले बयानों पर विजय का पलटवार सिर्फ कमल हासन नहीं, कई नेता विजय की भीड़ को लेकर टिप्पणी कर चुके हैं।

ऐसे में विजय ने अपने प्रतिद्वंद्वियों और आलोचकों को करारा जवाब देते हुए कहा कि उनकी रैलियों में जुटी भीड़ कोई 'खाली भीड़' नहीं है। 20 सितंबर को तिरुवरूर में रैली के दौरान विजय ने मंच से सवाल किया कि ये लोग कहते हैं कि यह भीड़ वोट नहीं डालेगी। क्या यह खाली भीड़ है? इसके जवाब में भारी जनसमूह ने जोरदार नारेबाजी करते हुए विजय के नाम का उद्घोष किया। इसे टीवीके के समर्थन की शपथ के रूप में देखा गया।

विजय ने बताया कि उनकी पार्टी का लक्ष्य क्या है?

विजय ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी पार्टी का लक्ष्य एक ऐसा सच्चा लोकतंत्र लाना है जिसमें ईमानदारी और विवेक हो। उन्होंने भीड़ को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह जनसमर्थन उनकी ताकत है और यह भरोसा उन्हें बदलाव की दिशा में काम करने की प्रेरणा देगा। कमल हासन और विजय दोनों ही तमिलनाडु की जनता के बीच लोकप्रिय अभिनेता रहे हैं और अब राजनीति में भी आमने-सामने हैं।

कमल हासन ने जहां अनुभव और व्यावहारिक राजनीति पर जोर दिया, वहीं विजय ने जनता के भरोसे और जनसमर्थन को अपनी ताकत बताया। यह जंग आने वाले समय में तमिलनाडु की राजनीति में और दिलचस्प मोड़ ला सकती है।

पीएम साहब आप भी तो कुछ कीजिए?

पहले खुद विदेशी जहाज और अमेरिकी कंपनियां छोड़ो केजरीवाल का मोदी पर तंज

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी, आप चाहते हैं कि जनता स्वदेशी इस्तेमाल करे। एक्स पर अरविंद केजरीवाल ने लिखा कि आप खुद स्वदेशी इस्तेमाल करना शुरू कीजिए? जिस विदेशी जहाज से रोज घूमते हैं? उसे छोड़ दीजिए। सारा दिन जितने विदेशी समान इस्तेमाल करते हैं। उन्हें छोड़ दीजिए। आगे कहा कि आप भारत में काम कर रही चार अमेरिकी कंपनियों को बंद कर दीजिए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोज भारत और भारतीयों का अपमान करते हैं। आप भी तो कुछ कीजिए? लोग अपने प्रधान मंत्री से एक्शन की उम्मीद रखते हैं। प्रवचन की नहीं।

खबरें जरा हटके

मक्खियों से परेशान थीं गाय, ज़ेब्रा जैसी धारियों से हुईं सुरक्षित, जापानी वैज्ञानिकों को मिला अनोखा अवॉर्ड!

कई बार समस्या देखने में बहुत ही मामूली लगती है, लेकिन उसके असर इतने गहरे और व्यापक होते हैं कि उन्हें जानने के बाद ही समझ में आता है कि मामला कितना गंभीर है. जब इस तरह की समस्याओं का बढ़िया, किफायती और कारगर हल मिल जाए तो यह बड़ी बात बन जाती है, भले पहले लोग इसकी हंसी ही क्यों ना उड़ा रहे हों. दुनिया में एक नोबेल पुरस्कार अनोखा है. यह इग नोबेल पुरस्कार है जो कारगर समाधानों के लिए दिया जाता है जिसे पहले लोग मजाक में ले रहे हों. लेकिन असल में वह समस्या का कारगर हल साबित हो जाए. हाल ही में यह पुरस्कार ऐसे शोध के लिए दिया गया है जिसमें गायों पर सफेद धारियां पेंट करने से काटने वाली मक्खियों से काफी हद तक निजात मिलती है. जापान के वैज्ञानिकों ने पाया है कि गाएँ पर ज़ेब्रा जैसी सफेद धारियाँ पेंट करने से उन्हें काटने वाली मक्खियों से लगभग 50 फीसदी तक सुरक्षा मिलती है. मक्खियों के काटने से पशुओं को तनाव, कम वजन और दूध उत्पादन में कमी जैसी समस्याएं होती हैं, जिनसे निपटने के लिए किसान आमतौर पर कीटनाशकों का सहारा लेते हैं. यह प्रयोग दर्शाता है कि साधारण सफेद धारियाँ न केवल गायों को राहत दे सकती हैं बल्कि कीटनाशकों पर निर्भरता भी घटा सकती हैं. इग नोबेल पुरस्कार वैसे तो व्यंग्यपूर्ण लगने वाले शोध के लिए दिया जाता है. लेकिन इस पुरस्कार में कुछ भी व्यंग्य या मजाक नहीं है. ये भले ही असल नोबेल पुरस्कार नहीं हो., लेकिन इसे नोबेल पुरस्कार हासिल कर चुके वैज्ञानिक ही देते हैं और इसके लिए अच्छा खासा समारोह अमेरिका के बोस्टन में आयोजित किया जाता है. इस साल का यह पुरस्कार जापान के आईची कृषि शोध केंद्र के शोधकर्ताओं की टीम ने दिया जा रहा है.

पसंदीदा चॉकलेट खाने का हुआ मन, तो ऑफिस से निकलकर 2400 किमी दूर पहुंची महिला

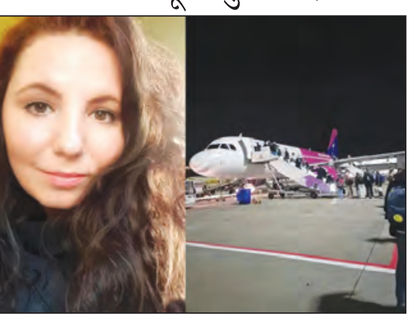

आपको अगर अपने शहर में किसी मिठाई की दुकान की कोई मिठाई पसंद होगी तो फिर आप ये नहीं देखते होंगे कि वो कितनी दूर है. आप उसे खाने के लिए बस पहुंच जाते होंगे. पर क्या आप अपनी पसंदीदा चीज खाने के लिए 2400 किलोमीटर दूर जा सकते हैं? एक ब्रिटेन की महिला ने ऐसा ही किया. उसे एक खास चॉकलेट खानी थी, जिसे खाने के लिए वो 2400 किलोमीटर दूर चली गई. उसकी सहेलियों ने इसे पागलपन करार दिया, हालांकि, उसे ये बेहद रोमांचक कदम लगा. कुछ लोगों को चॉकलेट इतनी पसंद होती है कि वे इसके लिए कोई भी हद पार कर सकते हैं. ऐसा ही एक अनोखा किस्सा सामने आया है ब्रिटेन से, जहां रहने वाली 35 वर्षीय शेफ केट ताकाक्स ने सिर्फ अपनी पसंदीदा चॉकलेट खरीदने के लिए 2,400 किलोमीटर की यात्रा कर डाली. केट ने लंदन से रोमानिया के क्लुज-नापोका शहर की 24 घंटे की 'डे ट्रिप' की और वहां से अपनी पसंदीदा का स्टॉक लेकर लौटीं. खास बात यह है कि इस चॉकलेट में एस्प्रेसो की शॉट भी होता है, जो इसे और खास बनाता है.

केट ने यह सफर 15 सितंबर को अपना ऑफिस खत्म करने के बाद शुरू किया. रात 10 बजे उन्होंने लंदन से उड़ान भरी और अगले दिन सुबह 3:15 बजे क्लुज पहुंचीं. यह वही शहर है, जहां उनका जन्म हुआ था. सुबह से लेकर देर रात तक उन्होंने वहां सिर्फ चॉकलेट ही नहीं खरीदी, बल्कि साइटसीइंग, शॉपिंग और एक फ्रिज मैगनेट भी लिया. इसके बाद रात 10 बजे उन्होंने वापसी की फ्लाइट ली और रात 11 बजे लंदन पहुंच गईं. रात 1:30 बजे तक वो अपने घर के बिस्तर पर थीं. पूरे सफर का खर्च फ्लाइट और शॉपिंग मिलाकर करीब 150 डॉलर (लगभग 12,500 रुपये) आया. हालांकि, जब उन्होंने लोगों को बताया कि वो सिर्फ चॉकलेट खरीदने के लिए इतनी लंबी यात्रा पर गई थीं, तो लोग हैरान रह गए. दोस्तों ने उन्हें 'पागलपन' करार दिया, क्योंकि कई लोग मानते हैं कि लंदन में रोमानियाई दुकानों पर यह सामान मिल सकता है लेकिन केट का कहना है कि उनकी पसंदीदा पॉकेट कॉफी चॉकलेट वहां उपलब्ध नहीं है.

उम्र 18 साल, हाइट 8.2 फीट

जन्म के साथ ही बनाया था वर्ल्ड रिकॉर्ड, मिलिए करण सिंह से...मां-पिता भी हैं 'लंबे'

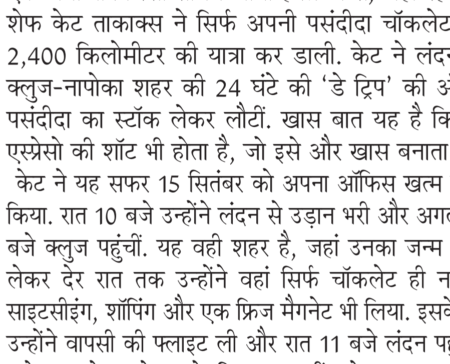

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में उस वक्त लोगों की भीड़ लग गई जब दिल्ली-देहरादून हाईवे पर एक 8.2 फीट लंबा युवक अपने पिता के साथ पहुंचा. युवक की असाधारण लंबाई देखकर हर कोई हैरान रह गया और फोटो खिंचवाने की होड़ लग गई. यह युवक है करण सिंह, उम्र 18 वर्ष, जो सहारनपुर का निवासी है और वह ऐसा दावा करते है कि वो दुनिया का दूसरा सबसे लंबा व्यक्ति है. अपनी इसी लंबाई के चलते करण सिंह अक्सर चर्चाओं में बना रहता है. करण सिंह का कहना है कि तुर्की निवासी सुल्तान कोसेन दुनिया में उनसे महज एक इंच लंबे हैं, लेकिन वे दावा करते हैं कि जल्द ही उनका रिकॉर्ड तोड़ देंगे. बता दें, हाल ही में करण सिंह अपने पिता संजय सिंह के साथ दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे 58 पर पहुंचे. इस दौरान पत्रकारों ने भी करण सिंह से बातचीत की. करण के पिता संजय सिंह ने बताया कि जब उनका बेटा पैदा हुआ था, तो उसका वजन 8.87 किलोग्राम और लंबाई 3 फीट थी, जो अपने आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड था. करण का कहना है कि उनके नाम अभी तक तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हैं. करण सिंह इस समय कक्षा 12वीं के छात्र है और पीसीबी स्ट्रीम से पढ़ाई कर रहा है. वे बताते हैं कि उन्हें स्पोर्ट्स, एक्टिंग और मीडिया में भी काफी दिलचस्पी है. करण अंडर-15 बास्केटबॉल चैंपियन रह चुके हैं और भविष्य में अपना करियर वहीं बनाना चाहते हैं जहां उन्हें बेहतर स्कोप दिखेगा. करण का लंबा होना कोई संयोग नहीं है. उनके परिवार में भी सभी की लंबाई सामान्य से अधिक है. करण के पिता संजय सिंह पेशे से एक किसान है और उनकी हाइट 6.5 फीट और मां श्वेतलाना की हाइट 7 फीट है.

ओडिशा हाईकोर्ट बोला-सभी पढ़ी-लिखी पत्नियां पति पर बोझ नहीं

> उन्हें बेकार वर्ग कहना गलत, बेटी की देखभाल पिता की जिम्मेदारी

भुवनेश्वर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा हाईकोर्ट ने कहा कि यदि पत्नी की इनकम के सबूत नहीं हैं, तो यह मान लेना गलत है कि सभी पढ़ी-लिखी पत्नियां पति के पैसों पर जीना चाहती हैं। उन्हें काम न करने वाली महिलाएं यानी 'बेकार वर्ग' कहना भी गलत है। कोर्ट ने माना कि पति ये साबित नहीं कर पाया कि पत्नी के पास परमानेंट इनकम है। उसने कोई दस्तावेज या सबूत नहीं दिया जिससे पता चले कि पत्नी कितने मामलों में वकालत कर रही है और कितना कमा रही है।

हो सकता है कोई व्यक्ति वकील के रूप में पंजीकृत हो लेकिन उसे लंबे समय तक केस न मिलें। ऐसे में ये मानना गलत है कि वह खुद का और बेटी का खर्च उठा सकती है। इन सभी तर्कों और तथ्यों को देखते हुए, हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार किया। और कहा कि 'अब पति को पत्नी और बेटी दोनों के लिए हर महीने 10,000 रुपए देने होंगे।' दरअसल, एक व्यक्ति ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसे वकील पत्नी और बालिग बेटी को हर महीने 10,000 रुपए गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया गया था।

कोर्ट की दो मुख्य टिप्पणी...

सिर्फ शिक्षित होना यह साबित नहीं करता कि महिला जानबूझकर काम नहीं कर रही या पति पर बोझ बनकर रहना चाहती है। जब तक ठोस सबूत न हों तब तक ऐसी सोच रखना गलत है। जब पति की दूसरी शादी के आरोप पर कोई आपत्ति नहीं की गई तो पत्नी के अलग रहने का कानूनी आधार है। पति खुद तलाक की अर्जी दे चुका है इसलिए उसे पत्नी ने घर छोड़ दिया वाली दलील से कोई फायदा नहीं मिल सकता।

भागवत बोले-भारत आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकता

> अमेरिकी टैरिफ और एच-1बी वीजा फीस पर जो जरूरी हो करना चाहिए

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) चीफ मोहन भागवत ने अमेरिका के भारत पर बढ़ाए टैरिफ और एच-1बी वीजा फीस पर कहा, 'भारत को इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए जो भी जरूरी हो करना चाहिए, लेकिन हम आंख मूंदकर आगे नहीं बढ़ सकते।'

> अगर हमें हर टकराव में लड़ना होता तो हम 1947 से आज तक लगातार लड़ते रहते। लेकिन हमने यह सब सहा। हमने युद्ध नहीं होने दिया। हमने उन लोगों की भी मदद की है जिन्होंने कभी-कभी हमारी नीतियों का विरोध किया।
>
> **मोहन भागवत**
> RSS चीफ

उन्होंने कहा-भारत और अन्य देशों के सामने आज जो समस्याएं हैं, वे पिछले 2 हजार सालों से अपनाई गई उस व्यवस्था का नतीजा हैं, जो विकास और सुख की खंडित दृष्टि पर आधारित रही है। इसलिए हमें अपनी राह खुद तय करनी होगी। आरएसएस चीफ ने कहा कि हम इन हालात से निकलने का रास्ता ढूंढ लेंगे, लेकिन भविष्य में कभी न कभी हमें फिर ऐसे ही हालात का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस खंडित दृष्टि में हमेशा 'मैं और बाकी दुनिया' या 'हम और वे' की सोच रहती है। उन्होंने कहा कि भारत को भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए विकास और प्रगति के सनातन दृष्टिकोण का पालन करते हुए अपना रास्ता खुद बनाना शुरू करना होगा। भागवत ने यह बात रविवार को दिल्ली में एक बुक लॉन्च कार्यक्रम में कहीं।

भागवत बोले: अमेरिका की सोच वह सुरक्षित रहे

भागवत ने किसी का नाम लिए बिना कहा-तीन साल पहले अमेरिका के एक प्रमुख व्यक्ति से मुलाकात हुई थी। उन्होंने सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और अर्थव्यवस्था सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत-अमेरिका साझेदारी और सहयोग की संभावनाओं पर बात की, लेकिन हर बार उन्होंने यही दोहराया कि 'बशर्ते अमेरिकी हितों की रक्षा हो।' आरएसएस चीफ ने कहा कि हर किसी के अलग-अलग हित हैं। इसलिए टकराव चलता रहेगा। जो ऊपर है, वही नीचे वालों को खा जाएगा। जो फूड चेन में सबसे ऊपर है, वह सबको खा जाएगा और फूड चेन में सबसे नीचे रहना एक अपराध है। सिर्फ राष्ट्र हित ही मायने नहीं रखता। मेरा भी हित है। मैं सब कुछ अपने हाथ में चाहता हूं।

भागवत बोले-हमें अपने दृष्टिकोण से सोचना होगा

आरएसएस चीफ ने कहा- सिर्फ भारत ने ही पर्यावरणीय मुद्दों पर अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है। और किसने की? क्योंकि कोई प्रामाणिकता नहीं है। अगर भारत विश्वगुरु और विश्वमित्र बनना चाहता है, तो उसे अपने दृष्टिकोण के आधार पर अपना रास्ता खुद बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि अगर हम इसे प्रबंधित करना चाहते हैं, तो हमें अपने दृष्टिकोण से सोचना होगा। सौभाग्य से हमारे देश का दृष्टिकोण पारंपरिक है, जीवन के प्रति यह दृष्टिकोण पुराना नहीं है, यह सनातन है। यह हमारे पूर्वजों के हजारों सालों के अनुभवों से बना है।

मुस्लिमों के अधिकारों की रक्षा करेगी डीएमके : सीएम स्टालिन

वक्फ कानून-तीन तलाक पर भाजपा को घेरा

चेन्नई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने भाजपा और एआईएडीएमके पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने साफ कहा कि डीएमके हमेशा मुस्लिम समुदाय के अधिकारों की रक्षा करेगी और उनके लिए नए अधिकार सुनिश्चित करने में सबसे आगे खड़ी रहेगी।

स्टालिन ने भाजपा पर वक्फ कानून संशोधन को लेकर निशाना साधा और कहा कि सुप्रीम कोर्ट से स्टे केवल डीएमके और अन्य दलों की कानूनी लड़ाई के कारण मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा लाया गया वक्फ संशोधन मुस्लिमों के खिलाफ साजिश थी। उन्होंने कहा कि डीएमके की पहल से ही सुप्रीम कोर्ट ने इसके विवादित प्रावधानों पर रोक लगाई। स्टालिन ने एआईएडीएमके पर आरोप लगाया कि उसने भाजपा के साथ मिलकर मुस्लिमों के हितों के साथ धोखा किया।

सीएए और ट्रिपल तलाक पर एआईएडीएमके को घेरा

स्टालिन ने एआईएडीएमके पर नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और ट्रिपल तलाक मुद्दे पर मुस्लिमों से विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सीएए विरोध के दौरान मुस्लिमों पर लाठीचार्ज एआईएडीएमके शासन में हुआ। यही कारण था कि अनवर राजा जैसे नेता एआईएडीएमके छोड़कर डीएमके में शामिल हुए।

मुस्लिमों के कल्याण के लिए डीएमके की पहल

स्टालिन ने कहा कि डीएमके शासन में मुस्लिमों के लिए कई कल्याणकारी कदम उठाए गए हैं। इनमें पिछड़ा वर्ग श्रेणी में 3.5% आंतरिक आरक्षण, उर्दू बोलने वाले मुस्लिमों को बीसी सूची में शामिल करना, अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड की स्थापना, उर्दू अकादमी और चेन्नई एयरपोर्ट के पास बन रहा हज हाउस शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पैगंबर मोहम्मद पर पाठ्यक्रम की सामग्री पहले ही स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल की जा चुकी है।

धार्मिक और ऐतिहासिक संदर्भ

स्टालिन ने आगे कहा कि डीएमके संस्थापक सीएन अन्नादुरई और करुणानिधि पहली बार मिलाद-उन-नबी समारोह में मिले थे और इसी से पार्टी की बुनियाद मजबूत हुई। उन्होंने पैगंबर मोहम्मद की शिक्षाओं की प्रशंसा की और कहा कि पेरियार, अन्ना और करुणानिधि ने भी समानता और प्रेम के उन्हीं मूल्यों को बढ़ावा दिया।

फलस्तीन पर चिंता और संदेश

मुख्यमंत्री ने गाजा में फलस्तीनियों की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि इस्राइल द्वारा की जा रही हिंसा को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। स्टालिन ने कहा कि डीएमके हमेशा मुस्लिमों के साथ खड़ी रहेगी और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ती रहेगी।

पराली की परेशानी से निजात : 10 हजार अधिकारी और ड्रोन से रहेगी नजर

सुप्रीम फटकार के बाद एक्शन में सरकार

चंडीगढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में 200 लाख टन पराली का निपटारा बड़ी चुनौती बन गया है। सुप्रीम कोर्ट की फटकार और सूबा सरकार के एक्शन के बावजूद पराली जलाने के मामलों पर रोक नहीं लग पा रही है। सितंबर में ही पराली जलने के केस आने शुरू हो गए हैं। सरकार ने इस पर रोक लगाने के लिए 10 हजार अधिकारियों की फौज तैयार की है लेकिन इसके बावजूद बात नहीं बन रही। विशेषज्ञों के अनुसार पराली को जलाना पर्यावरण के लिए खतरनाक तो है ही लेकिन राजधानी दिल्ली के साथ ही पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश को गैस चैंबर बनाने के लिए जिम्मेदार है। वर्ष 2024 के दौरान पंजाब में पराली जलाने के 10,909 मामले सामने आए थे।

सरकार ने पराली प्रबंधन के लिए 1,48,451 सीआरएम मशीनें प्रदान की हैं। ड्रोन से भी नजर रखी जा रही है। पराली को जलाने से रोकने के लिए इससे पेलेट्स बनाना, बायोगैस तैयार करना और इंडस्ट्री में इस्तेमाल करना जैसे उपाय किए जा रहे हैं। खेतों के अंदर व बाहर दोनों तरह से पराली के निपटारे के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है, लेकिन बावजूद इसके सब इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। सिर्फ 45 प्रतिशत के करीब पराली का ही निपटारा हो पा रहा है और बाकी बची पराली को किसान आग के हवाले कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर को अपने एक आदेश में पराली जलाने के मामले पर सख्त नाराजगी जताई थी। शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि किसान देश के लिए महत्वपूर्ण हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उन्हें बिना किसी रोक-टोक पराली जलाने दी जाए। शीर्ष कोर्ट ने सुझाव दिया था कि किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए गिरफ्तारी समेत कठोर दंड लागू किए जा सकते हैं।

भारतीय साइंटिस्ट ने रच दिया इतिहास, 16 साल में पहली बार देश को मिला प्राइज, अमेरिकी संस्था देगी लाखों रुपये

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने वैज्ञानिक उपलब्धियों के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है. पुणे के जल विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु कुलकर्णी को प्रतिष्ठित इंटरनेशनल वॉटर प्राइज से सम्मानित किया गया है. यह पुरस्कार पाने वाले वे पहले भारतीय वैज्ञानिक हैं. यह सम्मान अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ ओक्लाहोमा के वाटर सेंटर की तरफ से दिया जाता है और इसकी शुरुआत वर्ष 2009 में हुई थी. जल आपूर्ति और स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय अंतरराष्ट्रीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को इंटरनेशनल वॉटर प्राइज से सम्मानित किया जाता है. डॉ. हिमांशु कुलकर्णी को मिलने वाला यह पुरस्कार 2024 में घोषित किया गया था. लेकिन औपचारिक रूप से 15 सितंबर 2025 को आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान सौंपा गया. इस प्राइज में एक ट्रॉफी और 25,000 अमेरिकी डॉलर की नकद राशि शामिल है. डॉ. हिमांशु कुलकर्णी का मानना है कि भारत में भूजल संकट को केवल सामुदायिक भागीदारी और शेयर्ड रिसोर्स मैनेजमेंट से ही हल किया जा सकता है.

पति ने पत्नी की धारदार चाकू से गोदकर की हत्या

फेसबुक लाइव पर किया वारदात का एलान

कोल्लम, 22 सितंबर (एजेंसियां)। केरल के कोल्लम जिले के पूनलूर के पास कूठनाडी क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी और इसके बाद फेसबुक लाइव पर आकर वारदात को अंजाम देने का एलान किया। पुलिस ने मृतक महिला की पहचान 39 वर्षीय शलिनी के रूप में की, जो कोल्लम जिले के वलक्कोडु स्थित प्लाचेरी की निवासी थीं। आरोपी पति आइजैक बाद में खुद पूनलूर पुलिस थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया।

एफआईआर के अनुसार दंपती के बीच कुछ समय से वैवाहिक तनाव जारी था। सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे जब शलिनी घर के पीछे नहाने गई, तभी आरोपी ने चाकू से उस पर हमला बोल दिया। इस हमले में महिला की गर्दन, सीने और पीठ पर गहरे घाव पाए गए। हत्या के तुरंत बाद आरोपी फेसबुक पर लाइव आया और अपराध कबूल करते हुए पत्नी पर अविश्वास और गहनों के हेरफेर जैसे आरोप लगाने लगा। इसके बाद उसने थाने जाकर पुलिस को हत्या की जानकारी दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शलिनी के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। मामले की शिकायत दंपती के 19 वर्षीय बेटे ने दर्ज कराई है। इसी के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत केस दर्ज किया गया। फ

सुविचार

ख़ूबसूरती जीवन को जीने में है रिश्तों की कदर करे और उनके साथ आगे बढ़े।

तेलंगाना ने इतालवी कंपनियों को एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने सोमवार को इतालवी कंपनियों को राज्य के विस्तारित एयरोस्पेस और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया और तेलंगाना को इस क्षेत्र में भारत के सबसे तेजी से बढ़ते केंद्रों में से एक बताया।

सचिवालय में आयोजित एक बैठक में प्रमुख इतालवी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने घटक निर्माण, आपूर्ति श्रृंखला, रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ), एवियोनिक्स, रडार और सेंसर सिस्टम, नई अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों, छोटे उपग्रहों, उन्नत सामग्रियों और कंपोजिट सहित निवेश के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है।

श्रीधर बाबू ने कहा, तेलंगाना समर्पित एयरोस्पेस पार्क, विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड), एक विस्तृत एमएसएमई नेटवर्क, उन्नत अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, कुशल मानव संसाधन और उद्योग-अनुकूल नीतियों के साथ एक मजबूत औद्योगिक आधार प्रदान करता है। टीएस-आईपास के माध्यम से, हम 15 दिनों के भीतर अनुमोदन सुनिश्चित करते हैं- एक ऐसी प्रणाली जो देश में कहीं और बेजोड़ है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, डीआरडीओ, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, बोइंग, लॉकहीड मार्टिन, जीई एविएशन और प्रैट एंड व्हिटनी जैसी प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां स्थित हैं। ध्रुव स्पेस, अनंत टेक्नोलॉजीज और स्काईरूट एयरोस्पेस सहित कई स्थानीय स्टार्टअप भी वैश्विक मान्यता प्राप्त कर रहे हैं। सहक्रियात्मक क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि इंजन रखरखाव, एवियोनिक्स, रडार और सेंसर प्रणालियों में इटली की विशेषज्ञता तेलंगाना के विनिर्माण और नवाचार आधार को और मजबूत कर सकती है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में सहयोग न केवल भारत की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा, बल्कि निर्यात को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने आगे कहा, हल्के, उच्च-शक्ति वाले कंपोजिट, जिनमें इतालवी कंपनियों के पास उन्नत तकनीक है, तेलंगाना में काफ़ी मांग में हैं। इन क्षेत्रों में साझेदारी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी। बैठक में विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, रक्षा एवं एयरोस्पेस निदेशक प्रवीण पी.ए., बेंगलुरू में इटली के महावाणिज्य दूत जियान डोमेनिको मिलानो, व्यापार आयुक्त एंटोनिएटा बैकानारी और इटली के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे। लियोनार्डो, लीफ स्पेस, एलीटल, वैनजेट्टी इंजीनियरिंग, ईआईई ग्रुप, एरेसिस, नैनो-टेक, ईएलटी ग्रुप, ऑफिसिना स्टेलारे और स्टेलर प्रोजेक्ट जैसी प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

भाजपा सांसद ने नेताओं द्वारा किए गए अतिक्रमणों को हटाने पर हाइड्रा को चुनौती दी

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी से भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र ने आज हाइड्रा अधिकारियों को चुनौती दी कि वे गरीबों के घरों को ध्वस्त करने के बजाय शक्तिशाली बिल्डरों और नेताओं द्वारा किए गए अतिक्रमणों को निशाना बनाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार ने गजुलारामारम में 40 वर्षों से रह रहे निवासियों के घरों को ध्वस्त कर दिया है।

सोमवार को, ईटेला राजेंद्र ने ध्वस्त किए गए घरों का निरीक्षण किया और पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ितों से बात की और उन्हें सांत्वना दी। इस अवसर पर, राजेंद्र ने मीडिया से बात करते हुए रेवंत रेड्डी सरकार से पीड़ितों को तुरंत बिजली और पानी उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के दादा, पिता और अब बच्चे 300 एकड़ सरकारी जमीन पर रह रहे हैं। पीड़ितों को सांत्वना देने के बाद, भाजपा नेता ने तत्काल बिजली, पानी और नए आवास उपलब्ध कराने की मांग की। राजेंद्र ने सरकार से प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूति दिखाने और उनके घरों का पुनर्निर्माण करने का आग्रह किया।

सम्मक्का सागर परियोजना को अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए मंजूरी

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सफलता के रूप में, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गोदावरी नदी पर सम्मक्का सागर परियोजना के लिए तेलंगाना को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह निर्णय तेलंगाना के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद आया। बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने विष्णु देव साय की सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया और इस निर्णय को परियोजना को साकार करने की दिशा में एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ में भूमि अधिग्रहण, मुआवजे और पुनर्वास की पूरी जिम्मेदारी लेने की तेलंगाना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए एक ज्ञापन सौंपा है। उत्तम कुमार रेड्डी ने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्रीय जल आयोग द्वारा अपनी मंजूरी देने से पहले एनओसी अंतिम अंतरराज्यीय आवश्यकता थी, जिसके बिना परियोजना आगे नहीं बढ़ सकती। उत्तम कुमार रेड्डी ने अपने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन में बताया कि मुलुगु जिले के तुपाकुलगुडेम में सम्मक्का सागर बैराज का निर्माण किया जा रहा है। +83 मीटर के पूर्ण जलाशय स्तर पर 6.7 टीएमसी की भंडारण क्षमता के साथ डिजाइन किया गया यह बैराज गोदावरी नदी पर इंद्रावती के संगम के नीचे स्थित है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना की परिकल्पना तेलंगाना की, विशेष रूप से सूखाग्रस्त और फ्लोराइड प्रभावित नलगोंडा और वारंगल जिलों की तीव्र जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई थी। मंत्री ने कहा कि यह परियोजना न केवल इन क्षेत्रों में पेयजल की कमी को दूर करने में मदद करेगी, बल्कि बड़े पैमाने पर सिंचाई लाभ भी प्रदान करेगी। परियोजना की योजनाओं के अनुसार, सम्मक्का सागर परियोजना श्रीरामसागर परियोजना चरण-II के अंतर्गत 1.78 लाख हेक्टेयर के आयाकट को स्थिर करेगी और रामप्पा-पखल लिंक नहर के अंतर्गत 12,146 हेक्टेयर का एक नया आयाकट बनाएगी। इस अतिरिक्त सिंचाई क्षमता से नलगोंडा के साथ-साथ वारंगल, सूर्यपेट, महबूबाबाद, जनगांव और खम्मम जिलों को लाभ होगा। इस परियोजना से इन क्षेत्रों में कृषि का कायाकल्प होने, बार-बार पड़ने वाले सूखे से जुड़े जोखिम कम होने और फसलों के लिए अधिक विश्वसनीय जल आपूर्ति सुनिश्चित होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि इससे कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी और दशकों से अनिश्चितता से जूझ रहे किसानों की आजीविका सुरक्षित होगी। उन्होंने पेयजल पहलू पर भी जोर दिया और बताया कि नलगोंडा और वारंगल के कुछ हिस्से लंबे समय से अत्यधिक फ्लोराइड के स्तर के कारण भूजल प्रदूषण से प्रभावित हैं। सम्मक्का सागर परियोजना को नदी-आधारित सुरक्षित जल आपूर्ति प्रदान करके भूजल पर इस निर्भरता को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है। सिंचाई और पेयजल, दोनों जरूरतों को पूरा करके, यह परियोजना तेलंगाना के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में लाखों लोगों के लिए जीवन रेखा का काम करेगी। उत्तम कुमार रेड्डी ने स्वीकार किया कि जहां तेलंगाना को व्यापक लाभ होगा, वहीं परियोजना का बैकवाटर छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की भूपालपट्टनम तहसील तक फैल जाएगा, जिससे जलमग्नता की स्थिति पैदा हो जाएगी। उन्होंने बताया कि लगभग 13.06 हेक्टेयर भूमि, 54.03 हेक्टेयर नदी क्षेत्र और 6.35 हेक्टेयर नाला भूमि प्रभावित होगी। छत्तीसगढ़ ने पहले ही इस प्रभाव के बारे में अपनी चिंताओं से अवगत करा दिया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने इन आशंकाओं को समझा है और इस मामले को गंभीरता से लिया है।

12 घंटों में हुई जमकर बारिश

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात हैदराबाद के कई हिस्सों में गरज के साथ तेज बारिश हुई। जबकि अधिकांश भागों में गरज के साथ बारिश हुई, पूर्वी हैदराबाद में तीव्र बारिश का सबसे अधिक असर पड़ा, जहां पिछले 12 घंटों में अधिकतम वर्षा हुई। हयातनगर क्षेत्र में डिफेंस कॉलोनी (91.8 मिमी), कपरा में जीएचएमसी कार्यालय (77.5 मिमी), कुशाईगुडा पुराने वार्ड कार्यालय चेर्लापल्ली, कपरा (68.5 मिमी), राजीव नगर सामुदायिक हॉल (कपरा) (66.5 मिमी) में शहर में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई।

बंड़ी संजय ने लग्जरी कार घोटाले को लेकर केटीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंड़ी संजय ने कथित लग्जरी कार घोटाले के सिलसिले में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और बीआरएस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट में, बंड़ी संजय ने सवाल उठाया कि क्या केटीआर द्वारा इस्तेमाल की जा रही 'लैंड क्रूजर' पार्टी के नाम पर अवैध रूप से चलाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह गाड़ी लग्जरी कार घोटाले के आरोपी बसारत खान द्वारा आयात की गई थी और इसके स्वामित्व और पंजीकरण पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ऐसी कई कारें पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार से जुड़ी कंपनियों के नाम पर पंजीकृत हैं। उन्होंने पूछा, क्या उस कार की बाजार कीमत चुकाई गई थी या उसे कम कीमत पर खरीदा गया था? क्या भुगतान बेनामी नामों से किया गया था? क्या यह नकली आय है या यह मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए आया था? केंद्रीय मंत्री ने यह भी सवाल उठाया कि क्या केसीआर परिवार को इस घोटाले से सीधा लाभ हुआ है। उन्होंने लग्जरी कार घोटाले के पीछे के तथ्यों को सामने लाने के लिए संबंधित विभागों से गहन जांच की मांग की।

देवरकोंडा बस्ती के घरों में पानी घुसा, महापौर ने पैदल भ्रमण किया

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार शाम को अचानक हुई भारी बारिश के कारण, वेंकटेश्वर कॉलोनी डिवीजन की देवरकोंडा बस्ती नाले के उफान पर आने से जलमग्न हो गई। बस्ती के निवासियों के घरों में पानी घुस गया। सूचना मिलते ही महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने हाइड्रा टीम के साथ बंजारा हिल्स रोड नंबर 7 से देवरकोंडा बस्ती तक पैदल बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने पीड़ितों से बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार हर तरह से उनकी सहायता करेगी। महापौर ने जीएचएमसी हाइड्रा प्राधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ड्रेजिंग कार्य करने की सलाह दी। इसके बाद महापौर ने हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ के साथ केबीआर पार्क में प्रमुख लॉगिंग पॉइंट्स का निरीक्षण किया। महापौर ने अधिकारियों को स्थायी समाधान के लिए योजनाएं तैयार करने का सुझाव दिया।

आरआरआर पीड़ितों के लिए बीआरएस संघर्षरत : केटीआर

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा और सूर्यपेट जिलों के साथ-साथ गजवेल और संगारेड्डी निर्वाचन क्षेत्रों के पीड़ितों ने, जिन्हें क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के कारण नुकसान हुआ है, सोमवार को तेलंगाना भवन में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) से मुलाकात की। इस अवसर पर, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने किसानों को आश्वासन दिया कि बीआरएस उनके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी, तत्कालीन नलगोंडा जिले के नेता और निर्वाचित प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल हुए। केटीआर ने याद दिलाया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे कांग्रेस नेताओं ने चुनाव से पहले वादा किया था कि क्षेत्रीय रिंग रोड के कारण किसी को कोई समस्या नहीं होगी। किसानों ने उन्हीं वादों के आधार पर कांग्रेस को सत्ता में लाया था। हालांकि, सत्ता में आने के बाद, सरकार ने संरेखण बदल दिया, जिससे किसानों को भारी नुकसान

हुआ। उन्होंने स्थानीय कांग्रेस नेताओं की जीत के बाद किसानों को पूरी तरह से भूल जाने के लिए आलोचना की।

केटीआर ने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान, कृषि और सिंचाई परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई, जिससे कृषि क्षेत्र समृद्ध हुआ। अतीत में जब भी भूमि अधिग्रहण के मुद्दे उठे, बीआरएस सरकार ने सीधे किसानों से संपर्क किया, पुनर्वास सुनिश्चित किया और स्थायी समाधान प्रदान किए। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पहले आउटर रिंग रोड और अब आरआरआर के मामले में संरेखण में बदलाव कर रही है, जिससे गरीब किसानों का जीवन बर्बाद हो रहा है। केटीआर ने घोषणा की कि बीआरएस सांसद संसद और राज्यसभा में आरआरआर पीड़ितों का मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए इस मामले को विधानसभा में जोरदार तरीके से उठाया जाएगा। उन्होंने किसानों से मनोबल न खोने और जल्दबाजी में निर्णय न लेने की अपील की। केटी रामाराव ने आश्वासन दिया कि जब तक वैज्ञानिक रूप से नियोजित संरेखण लागू नहीं हो जाता, बीआरएस किसानों के साथ खड़ी रहेगी।

एकता का आह्वान करते हुए, केटीआर ने आरआरआर पीड़ितों से हर गांव में प्रस्ताव पारित करके और स्थानीय निकाय चुनावों का बहिष्कार करके एकजुटता दिखाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं, तो केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही इस पर प्रतिक्रिया देने के लिए बाध्य होंगी और यह मुद्दा उनके संज्ञान में आएगा।

सीजीएचएस में कैंसर जांच शिविर आयोजित

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत 24 सितंबर (गुरुवार) को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक सीजीएचएस वेलनेस सेंटर, सीजीओ टावर्स, कवडीगुडा में एक कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट कंसल्टेंट डॉ. ज्योति जोनाडुला चिकित्सा दल का नेतृत्व करेंगी। सभी आयु वर्ग की महिलाओं को सीजीएचएस और अन्य निर्दिष्ट स्वास्थ्य केंद्रों में इस अभियान के तहत प्रदान की जाने वाली निःशुल्क जांच और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में शुरू किए गए और 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक पूरे देश में मनाए जा रहे स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, निवारक जांच प्रदान करना और परिवारों की भलाई के लिए स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

किसान नदी पार करते समय बहा

कुमराम भीम, आसिफाबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के जैनूर मंडल के चिंताकर्रा गांव में रविवार शाम एक दुखद हादसा हुआ। यहां 80 वर्षीय किसान कनीराम जादव नदी पार करते समय तेज बहाव में बह गए। पुलिस के अनुसार, किसान खेत से घर लौट रहे थे। भारी बारिश के कारण नदी उफान पर थी। उन्होंने धारा पार करने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव का अंदाजा न लगा पाने और तैरना न आने के कारण पानी में बह गए। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने उनका शव घटनास्थल से लगभग 100 मीटर नीचे बरामद किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

महाराजाश्री अग्रसेन जी के समक्ष 101 द्वीप प्रज्वलित किए गए

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराजाश्री अग्रसेन जी की 5149वी जयंती पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा की महिला समिति द्वारा महाराजाश्री की प्रतिमा पर 101 द्वीप प्रज्वलित करने के पश्चात पूजा और आरती की गयी।

शाखा के सचिव प्रतीक अग्रवाल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जयंती की पूर्व संध्या पर शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर के बाहर शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, महिला समिति की प्रधान संयोजिका रश्मि अग्रवाल और अन्य ने महाराजाश्री की तस्वीर के समक्ष 101 द्वीप प्रज्वलन और आरती गायन किया। इस अवसर पर विकास अग्रवाल, रितेश झुंझुनूंवाला, अजय डालमिया, सीमा अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, दीप्ति अग्रवाल, शालिनी केडिया, ज्योति गुप्ता, दीपा डालमिया, मधु गोयल और अन्य उपस्थित थीं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Manju, Spouse of No.14671388N, NK, Jai Keshore Singh, R/o, Dist: Bhojpur, Bihar, changed my name from Manju to Manju Singh, vide Affidavit dt 16.09.2025, before Hyderabad Court, Telangana.

I, Nagamani, Spouse of No. 14672433F, NK, Sreenivasa Rao Gilika, R/o, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from Nagamani to R Nagamani vide Affidavit dt 20.09.2025 before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17027784P, NK, Sonavane Yogesh Ganapat, R/o, Dist: Nashik, Maharashtra, changed my Son's name from Shaurya Yogesh Sonavane to Shaurya Yogesh Sonawane, vide Affidavit dt 20.09.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एससीआर के तेरह कर्मचारियों को 'माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार

महाप्रबंधक ने रेल संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान तेरह कर्मचारियों को अगस्त, 2025 माह के लिए "माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार उन कर्मचारियों को दिया जाता है जिन्होंने कर्तव्य के प्रति समर्पण दिखाया है और असुरक्षित परिस्थितियों को रोकने में सतर्कता बनाए रखी है। श्री सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों, अर्थात् सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने

सिकंदराबाद मंडल के 3, हैदराबाद मंडल के 2, गुंटूर मंडल के 1, विजयवाड़ा मंडल के 2, गुंतकल मंडल के 4 और नांदेड़ मंडल के 1 कर्मचारियों को "माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। ये कर्मचारी विभिन्न सुरक्षा श्रेणियों जैसे स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, पॉइंट्स मैन और कीमैन आदि से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को भी अधिक सतर्क रहने और रेल संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेलगाड़ियों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूरे मंडल में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। महाप्रबंधक ने यांत्रिक, इंजीनियरिंग, विद्युत और सिग्नल एवं दूरसंचार सहित विभिन्न विभागों से संबंधित सुरक्षा कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शंटिंग गतिविधियों में शॉर्टकट तरीकों से बचने के भी निर्देश दिए। जोन के विभिन्न बिंदुओं और क्रॉसिंग पर किए गए सुरक्षा निरीक्षणों की समीक्षा करते हुए, उन्होंने अधिकारियों को छोटी-मोटी कमियों को तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए, ताकि ट्रैक से जुड़े इन संवेदनशील क्षेत्रों में उचित सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने सभी डीआरएम को लोडिंग पर ध्यान केंद्रित करते हुए नियमित सुरक्षा अभियान चलाने के निर्देश दिए, अधिकारियों को माल को वैगनों में लोड करते समय उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने और ग्राहकों तक माल की सुरक्षित और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए लोडिंग से पहले सभी पहलुओं पर वैगन की फिटनेस की जांच करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने ज़ोन भर में किए जा रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि कार्य करते समय श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्य स्थल पर सभी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध हों, और यात्रियों की परेशानी मुक्त आवाजाही के लिए कार्यस्थल पर

अमृत-गौशालां में गौ-माता की सेवा की गई

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमृतधाम आश्रम में विश्व जागृति मिशन के तत्वावधान में परमपूज्य सुधांशु महाराज का साप्ताहिक विडिओ सत्संग और अमावस पर अमृत-गौशाला में गौ-माता की सेवा की गई तत्पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया।

अवसर पर मिशन के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, नरेश बब्बानी, पी.रघुवीर, हैदराबाद मंडल के सत्संग व मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा, कमल शर्मा, राजु भागचंदानी, भाग्यनारायण, प्रकाश देवकर, जी. ओमप्रकाश, राजकुमार मालगे, भरत कुमार सुत्रवे, कमलेश पंजवानी, शिवराम देवासी, श्रीमती कांता अग्रवाल, डॉ. किशोरी भटनागर, राणी देवकर, सुदेश दत्ता, श्वेता, पूनम।

आज विश्व जागृती मिशन तेलंगाना के आयोजित धार्मिक कार्यक्रम मे संभाजी ब्रिगेड हैदराबाद के कार्यकर्त्ताओ और बीदर जिल्हा उपाध्यक्ष दत्ता पाटील, संभाजी ब्रिगेड हैदराबाद शहर अध्यक्ष विवेकानंद पाटील, माधव चव्हाण, अंकुश पाटील, परमेश्वर खोशे, जुबेर भाई शेख, गणेश भालके नें अमृतधाम आश्रम के अशोक कुमार अग्रवाल और सत्संग व मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा का शाल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया।

योगी ने दुकानों में पहुंचकर पूछा-जीएसटी छूट लागू की

> मॉल में प्रोडक्ट उठाकर पूछा-ये क्या है > रवि किशन बोले-बॉडी लोशन महाराज जी

गोरखपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी सोमवार की सुबह गोरखपुर की सड़कों पर निकल पड़े। वे नई जीएसटी दर के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए खुद कई दुकानों में गए। व्यापारियों और दुकानदारों से जीएसटी सुधारों को लेकर बात की।

इस दौरान सांसद रवि किशन ने 'घटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार' के नारे लगाए। योगी ने दुकानदारों से कहा कि घटी जीएसटी की दर मोदी सरकार से मिला गिफ्ट है। इसलिए ग्राहकों को इसका लाभ जरूर दें। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए दुकानों पर 'गर्व से कहो यह स्वदेशी है' का स्टिकर जरूर लगाएं। सीएम योगी सिटी कार्ट मॉल में पहुंचे। यहां पूछा- जीएसटी की छूट लागू कर दी है? इसके बाद उन्होंने एक प्रोडक्ट उठाया और पूछा- ये क्या है? इस पर रवि किशन पीछे से बोले- महाराज जी बॉडी लोशन। सीएम ने पूछा- इस पर कितनी छूट है तो स्टाफ कर्मी ने बताया कि 2.5%।

सीएम बोले-जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को गति देगा

सीएम योगी ने कहा-जीएसटी में अब तक का सबसे बड़े सुधार कर किया गया है। इसकी दर को घटाकर 5% और 0 पर लाया गया है। अन्नदाता किसानों के लिए जीएसटी की दर को 5% लाया गया है। यह सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। आज इन जीएसटी सुधारों के लिए हमने यहां व्यापारियों और स्थानीय लोगों के साथ संवाद भी बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हर व्यापारी और उपभोक्ता उत्साह और उमंग के साथ इस आयोजन के साथ जुड़ रहा है। 'जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता' अभियान को लेकर सीएम योगी सबसे पहले स्टाइल बाजार गए। उन्होंने जीएसटी की घटी दरों का स्टिकर चस्पा किया। इसके बाद प्रतिष्ठान के डायरेक्टर प्रदीप अग्रवाल से पूछा कि कपड़ों पर जीएसटी में कितनी कमी आई है। उन्होंने कहा- 12 से घटकर 5 प्रतिशत हो गया है। सीएम ने कहा- इससे आपका बाजार और मजबूत होगा। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए ग्राहकों को कम हुई जीएसटी का फायदा जरूर दीजिए। सीएम वहां पैदल चलकर न्यू स्वीट्स पैलेस पर आए।

यूपी में जाति लिखने पर वाहनों का चालान होगा

एफआईआर में आरोपी की जाति भी नहीं लिखी जाएगी, जातिगत रैलियों पर भी रोक

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने जातीय भेदभाव रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब पुलिस रिकॉर्ड, नोटिस बोर्ड और गिरफ्तारी मेमो में आरोपी की जाति का जिक्र नहीं किया जाएगा। खास बात यह है कि आरोपी के पिता के नाम के साथ अब माता का नाम भी दर्ज किया जाएगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने ये आदेश जारी किया। कहा- समाज में जातीय विभाजन बढ़ाने वाली किसी भी प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वाहनों पर जाति लिखकर घूमने वालों का चालान होगा। जातीय स्टिकर-नारे हटाए जाएंगे। जाति आधारित रैलियों पर अब प्रतिबंध रहेगा। आदेश के मुताबिक, सोशल मीडिया पर जाति को बढ़ावा देने या किसी जाति की निंदा करने वालों पर भी कार्रवाई होगी। ऐसे पोस्ट करने वालों के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी। सिर्फ उन्हीं मामलों में जाति दर्ज करने की अनुमति होगी, जहां कानूनी बाध्यता है- जैसे कि एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज केस। कस्बों और शहरों में लगे ऐसे बोर्ड, जिनमें किसी जाति का महिमामंडन किया गया हो, उन्हें तुरंत हटाया जाएगा। आगे से ऐसे बोर्ड लगाने पर सख्ती होगी।

वाराणसी आ रही फ्लाइट का कॉकपिट खोलने की कोशिश

हाईजैक के डर से कैप्टन ने नहीं खोला, सीआईएसएफ ने 9 को हिरासत में लिया

वाराणसी, 22 सितंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु से वाराणसी आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में एक यात्री ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की। उसने दरवाजे का सही पासकोड भी डाला, लेकिन कैप्टन ने हाईजैक के डर से दरवाजा नहीं खोला। केबिन क्रू ने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसके साथ के लोग आ गए। अंदर जाने की कोशिश करने लगे। एयरलाइंस कर्मियों ने उन्हें फटकार लगाते हुए सीट पर बैठाया। कैप्टन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को इसकी जानकारी दी। एटीसी ने एयरपोर्ट अथॉरिटी को सूचना दी। जैसे ही विमान वाराणसी में लैंड हुआ, सीआईएसएफ ने आरोपी और उसके 8 साथियों को हिरासत में लिया। सूचना मिलते ही एटीएस, एलआईयू, सेंट्रल इंटेलिजेंस और साइबर क्राइम की टीम मौके पर पहुंची। सभी बेंगलुरु के निवासी हैं। लोकल पुलिस के जरिए उनके एड्रेस का वेरिफिकेशन कराया जा रहा है। बाबतपुर पुलिस चौकी में सुबह 10.30 बजे से उनसे पूछताछ की जा रही है। सभी के मोबाइल और कॉल डिटेल चेक किए जा रहे हैं। वाराणसी पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। कॉकपिट का विमान का अगला हिस्सा होता है, जहां से पायलट विमान को कंट्रोल करता है। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (IX-1086) सोमवार सुबह 8:14 बजे बेंगलुरु से वाराणसी के लिए उड़ी थी। 10:20 बजे जैसे ही विमान वाराणसी एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। सीआईएसएफ के जवान अंदर घुस गए। आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सीआईएसएफ के अधिकारियों ने बताया- शुरुआती जांच में पता चला है कि यात्री ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने का प्रयास किया। सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया है।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि 9 दोस्तों का ग्रुप काशी में मंदिर दर्शन के लिए आ रहा था। ये सब पहली बार फ्लाइट में सफर कर रहे थे। बाथरूम के बगल में कॉकपिट के दरवाजे का बटन था।

नेपाल की महिला की दरभंगा में दहेज के लिए हत्या

दरभंगा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। दरभंगा में नेपाल की महिला की हत्या कर दी गई। पति ने दहेज के लिए उसे पीट-पीटकर मार डाला। सिर पर लोह के रॉड और गर्दन पर चाकू से कई बार हमले किए गए। मृतका के पिता पवन के अनुसार ससुराल वाले 5 लाख रुपए दहेज मांग रहे थे। नहीं देने पर उसे प्रताड़ित किया जाता था। तुलसी ये बातें मुझे फोन पर कई बार बता चुकी थी।

घायल महिला को पहले मधुबनी जिला के सकरी के रामशीला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी नाजुक हालत को देखकर उसे तुरंत डीएमसीएच रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान तुलसी ठाकर (30) के रूप में हुई है। पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है, ससुराल वाले फरार हैं। घटना नेहरा थाना क्षेत्र की है।

सीवान में डायन के शक में पति-पत्नी का मर्डर

सीवान, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सीवान में सोमवार को डायन के शक में पति-पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। SP मनोज कुमार तिवारी ने बताया, 'रीता देवी के पाटीदार उसे डायन-डायन कहकर बुलाते थे। घर में कुछ भी काम बिगड़ता था तो सारा आरोप उसी पर लगाते थे। पाटीदार समझते थे कि रीता डायन है। उसकी खराब नजर के कारण उनकी बहू को बच्चा नहीं हो रहा है। इससे पहले भी पाटीदार ने रीता और उनके पति अवध किशोर गुप्ता पर हमला करने की कोशिश की थी।' पुलिस की माने तो हत्या में पाटीदार ही शामिल हैं। अवध किशोर गुप्ता के चचेरे भाई छोटेलाल गुप्ता, 2 भतीजे विकास कुमार और वीरेश उर्फ दीपक कुमार ने मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया है। दोपहर करीब 2.30 बजे पहले पति अवध किशोर की खेत में हत्या कर दी गई।

नकली चेन के लिए दोस्ती का कत्ल

दोस्तों ने की हत्या, ईंट भट्ठे की चिमनी में दबाई लाश; गलाने के लिए नमक भी डाला

मुरादाबाद, 22 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के संभल के असमोली थाना इलाके के गांव गुमसानी निवासी मोनू श्रीवास्तव (22) की दोस्त ने अपने दो अन्य दोस्तों के साथ मिलकर गला दबाकर हत्या की थी। शव को गांव के नजदीक बंद पड़े ईंट भट्ठे की चिमनी में दबा दिया था। शव जल्दी गल जाए इसके लिए नमक भी डाल दिया।

हत्या एक चेन के लिए हुई, जो मोनू पहने था, जिसे दोस्तों ने सोने की समझकर लूट लिया था। पुलिस को छानबीन के दौरान शक हुआ तो दो आरोपियों से पूछताछ की। उन्होंने हत्या कर शव दबाने की बात स्वीकार की। साथ ही शव जहां दबाया था वहां लेकर पहुंचे। इसके बाद शव को बाहर निकाला गया। सीओ असमोली कुलदीप सिंह का कहना है कि आर्टिफिशियल गले की चेन को सोने की चेन समझने के चलते हत्या किए जाने की जानकारी सामने आई है। इसमें दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। मोनू के पिता योगेश कुमार ने बताया कि उनका बेटा 15 सितंबर की रात गांव के शिव मंदिर में चल रही रामलीला देखने के लिए गया था। देर रात तक नहीं लौटा तो तलाश की लेकिन कहीं पता नहीं चला। बाद में थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पीड़ित पिता ने बताया कि वह गांव में पकौड़ी बेचते हैं और बेटा भी साथ में काम करता था। थाना प्रभारी राजीव कुमार मलिक ने बताया कि गुमशुदगी के बाद मृतक के दोस्त अर्पित पर शक हुआ था। उसको हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि गांव के ही बॉबी और शोभित के साथ मिलकर हत्या की थी।

सात साल से बंद है ईंट भट्ठा

साथ ही बताया कि मोनू के गले में जो चेन पड़ी थी वह सोने की बताई थी। उस चेन को छीनने के लिए हत्या की और शव को चिमनी के गड्ढे में दबा दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि गांव गुमसानी से खाबरी भोला मार्ग पर फिरासत हुसैन का ईंट भट्ठा था जो सात साल से बंद है।

नमक पड़ा होने के चलते शव पूरी तरह खराब

इसकी अब चिमनी बची है। उसके गड्ढे से ही शव को बाहर निकाला गया है। नमक पड़ा होने के चलते शव पूरी तरह खराब हो गया है। फॉरेंसिक टीम ने नमूने लिए हैं। भागे हुए तीसरे आरोपी शोभित की तलाश की जा रही है। मोनू के चाचा मनवीर सिंह ने बताया कि मोनू श्रीवास्तव अपने पिता के साथ गांव के अड्डे पर पकौड़ी की दुकान चलाता था। घर में मोनू का बड़ा भाई सोनू श्रीवास्तव और बहन अंजलि है। मोनू दूसरे नंबर का है। इस घटना से मां नन्हीं देवी और पिता योगेश कुमार का रो-रोकर बुरा हाल है।

पिंडदान करके लौट रहे पति-पत्नी समेत 4 की मौत

प्रयागराज, 22 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में 4 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। एक ही गांव के 8 लोग बोलेरो से वाराणसी से कानपुर जा रहे थे। देर रात उनकी बोलेरो खराब हो गई। रात में गाड़ी बन नहीं सकी, ऐसे में परिवार के लोग सड़क किनारे बोलेरो खड़ी कर उसके आगे ही चादर बिछाकर सो गए। सोमवार तड़के 4 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो में टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के आगे सो रहे 4 लोगों पर चढ़ गई। इसके बाद ट्रक भी रौंदता हुआ निकला। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि बोलेरो के अंदर बैठे 4 लोगों में से 3 लोग घायल हो गए। वहीं एक बुजुर्ग हादसे में बच गए। हादसा सोरांव थाना क्षेत्र में हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो बुरी तरह से डैमेज हो गई। सड़क पर खून ही खून बिखर गया। वहां से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सोरांव पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पत्नी को करंट लगाया, ससुर की गला घोटकर हत्या

गोंडा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। गोंडा में पति ने करंट के झटके देकर पत्नी की हत्या कर दी। बेटी की चीख सुनकर बचाने पहुंचे ससुर का भी गला घोटकर मार डाला। वह मौके से भाग रहा था। तभी गांव वालों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया।

ससुर ने पत्नी की मौत के बाद इकलौती बेटी और दामाद के नाम जमीन लिखी थी। आरोपी पत्नी पर अवैध संबंध का आरोप लगाकर उससे मारपीट करता था। तभी ससुर ने उसका नाम बैनामे से हटवा दिया। आरोपी ने इसी बात से नाराज होकर पत्नी और ससुर की हत्या की योजना बनाई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना रविवार रात परसपुर थाना क्षेत्र के राजापुर गांव की है।

राजभर को माइनर ब्रेन स्ट्रोक, डॉक्टर बोले-हालत स्थिर

डिप्टी सीएम खुद लोहिया लेकर पहुंचे; ढाई घंटे बाद परिवार मेदांता ले गया

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की रविवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें चक्कर आ रहे थे।

बोलने और चलने में भी दिक्कत हो रही थी। इसके बाद उन्हें आजमगढ़ से लखनऊ लाया गया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक खुद उन्हें लेकर लोहिया अस्पताल पहुंचे। एडमिट कराया। 2-3 घंटे तक उनका लोहिया में इलाज चला। इसके बाद मेदांता अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। राजभर के इलाज के लिए मेदांता के एक्सपर्ट डॉक्टरों का पैनल बनाया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, स्ट्रोक अटैक के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। यहां आने के बाद उनकी सीटी स्कैन, खून समेत कई जांच कराई गई। फिलहाल उनकी कंडीशन स्थिर है।

अचानक चक्कर आया, फिर जुबान लड़खड़ाने लगी ओपी राजभर को रविवार को वाराणसी के कटिंग मेमोरियल स्कूल में सामाजिक समरसता भागीदारी रैली को संबोधित करना था। उन्हें आजमगढ़ से वाराणसी जाना था। वह जैसे ही कमरे से निकलने लगे, उन्हें तेज चक्कर आया और वे बेड पर ही बैठ गए। उनकी जुबान भी लड़खड़ाने लगी और बोलने में दिक्कत होने लगी। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला। रविवार दोपहर 1 बजे उन्हें लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल लाया गया। डिप्टी सीएम काफी देर तक उनके साथ रहे और उन्हें दिलासा देते नजर आए। लोहिया के प्रवक्ता और कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. भुवन तिवारी ने बताया- राजभर को चलने फिरने में परेशानी के अलावा बोलने में जुबान लड़खड़ा रही थी। शुरुआती जांच में कोई गंभीर बात निकलकर सामने नहीं आई।

दोस्त की हत्या कर बक्से में छिपाया शव

एटा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के एटा में लापता 50 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन की उसकी आधी उम्र के दोस्त ने हत्या कर दी। आरोपी ने पहले शराब पिलाकर नशे में धुत किया, फिर गला घोटकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने शव को पहले घर में ही रखे बक्से में भर दिया और ऊपर से रजाई-गद्दे रखकर छिपा दिया।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। मृतक एक दिन पहले अपने घर से बाजार जाने की बात कहकर निकला था। फिर वह वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शक के आधार पर जब पुलिस ने आरोपी के घर जाकर छानबीन की तो वहां से काफी दुर्गंध आ रही थी। तलाशी के दौरान बक्से में मृतक का शव बरामद हुआ। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। घटना मलावन थाना क्षेत्र नई बस्ती मोहल्ला की है।

नीट छात्र की हत्या-योगी ने मां को 5 लाख दिए

गोरखपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में सीएम योगी ने नीट छात्र दीपक गुप्ता के माता-पिता से सोमवार को मुलाकात की। सीएम ने दीपक की मां को 5 लाख रुपए का चेक दिया। पिता के कंधे पर हाथ रखकर हर संभव मदद का भरोसा दिया। सीएम ने अफसरों को निर्देश दिए कि परिवार की हर समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। इस दौरान सांसद रवि किशन भी साथ थे। दरअसल, 15 सितंबर की रात गांव में घुसे पशु तस्करों की ग्रामीणों से भिड़ंत हो गई थी। तस्कर नीट की तैयारी कर रहे छात्र दीपक को अपनी गाड़ी में खींच ले गए थे। उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इस दौरान भीड़ ने तस्कर अजहर को पकड़ लिया था। उसे पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था।

शारदा का कहर : पांच सेकंड में नदी में समाया पूरा मकान

लखीमपुर खीरी के ग्रंट 12 में 122 परिवार हुए बेघर

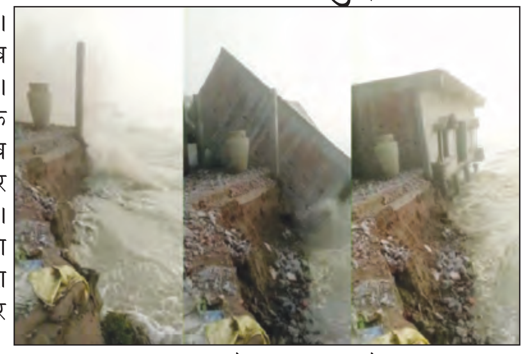

लखीमपुर खीरी, 22 सितंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के निघासन क्षेत्र के ग्रंट 12 गांव में शारदा नदी का कटान थम नहीं रहा है। सोमवार सुबह तक नदी की तेज धार ने गांव के पांच पक्के मकान एक झटके में ढहा दिए। गांव के दीपक कुमार, राजवती, श्रीमोहन, सोनू कुमार और रामखेलावन के मकान नदी में समा गए हैं। कटान से शारदा नदी में गिरते एक मकान का वीडियो वायरल हो रहा है। रविवार को तेज धारा में निर्मला, धीरज, सुमित्रा देवी, विपिन कुमार और राधेश्याम के पक्के मकान गिर गए थे।

ग्रामीणों का कहना है कि अब तक गांव के 122 घर कटान की भेंट चढ़ चुके हैं। सैकड़ों बीघा उपजाऊ जमीन और कई मवेशी भी नदी में बह गए। रोजाना कटान से कई परिवार बेघर हो रहे हैं। दहशत के साए में लोग खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हैं। आरोप है कि प्रशासन सिर्फ मुआवजा बांटकर औपचारिकता पूरी कर रहा है।

कटान पीड़ितों का कहना है कि जब तक सुरक्षित स्थान पर स्थायी पुनर्वास नहीं कराया जाएगा, तब तक असली राहत नहीं मिलेगी। इस संबंध में तहसीलदार मुकेश वर्मा ने बताया कि जलस्तर घटने के साथ शारदा का कटान और तेज हो गया है। प्रशासन कटान पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की दिशा में काम कर रहा है।

शारदा नदी में समाता जा रहा सिंघिया गांव

विकास खंड बिजुआ क्षेत्र के सिंघिया गांव के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इस गांव में 2024 में कुल 119 घर थे। पिछले साल 25 घर शारदा नदी के कटान की चपेट में आ गए। इस साल सितंबर से शुरू हुए कटान में अब तक 41 और घर नदी में समा चुके हैं। 21 सितंबर को एक ही दिन में 11 मकान, सड़कें और कई बिजली के खंभे नदी में बह गए।

पटना में मिली राइफल से खुला 23 साल पुराना राज

पटना, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र के पिपलावा गांव में पुलिस को एक घर से राइफल बरामद हुई है। जांच में सामने आया है कि इस राइफल का संबंध कभी कुख्यात रहे रणवीर सेना से हो सकता है। पुलिस ने हथियार को आर्म्स एक्सपर्ट के पास भेज दिया है। पटना सिटी एसपी (पश्चिम) भानु प्रताप ने बताया कि राइफल को अच्छी तरह से संभालकर रखा गया था। उस पर लाल धागा भी बंधा मिला, जिससे आशंका है कि यह राइफल किसी बड़ी वारदात में इस्तेमाल की गई होगी।

करीब 23 साल पहले नौबतपुर और बारा पंचायत का इलाका नक्सली गतिविधियों का गढ़ माना जाता था। 1997 से 2002 के बीच माले कार्यकर्ताओं और रणवीर सेना के बीच कई बार खूनी संघर्ष हुए। इसी दौरान रणवीर सेना प्रमुख ब्रह्मेश्वर मुखिया ने यहां डेरा जमाकर संगठन को मजबूत किया था। स्थानीय ग्रामीण बताते हैं कि नक्सलियों के हमलों से बचने के लिए उस समय एक जाति विशेष के युवकों को हथियारबंद किया गया था। चर्चा है कि तरारी गांव के अवधेशनंदन शर्मा को रणवीर सेना की ओर से यह राइफल दी गई थी, जो अब बरामद हुई है। ग्रामीणों की मांग पर प्रशासन ने 2001-02 में बारा पंचायत में पुलिस पिकेट बनाया था। लेकिन 22 जनवरी 2003 को नक्सलियों ने इस पिकेट पर हमला कर 20 राइफल और एक कार्बाइन लूट ली थी।

म्यांमार बॉर्डर तक लग्जरी कारों की सप्लाई

बदले में लेते थे विदेशी हथियार, ऑन डिमांड चोरी करने वाला गिरोह

मुरादाबाद, 22 सितंबर (एजेंसियां)। संभल बवाल का मुख्य आरोपी शारिक साटा दुबई में बैठकर वाहन चोरी करने वाले गैंग को ऑपरेट कर रहा है। पुलिस ने शारिक साटा गिरोह के तीन गुर्गे राज कुमार उर्फ राजू, गगन गौतम और यूनुस को गिरफ्तार कर इनसे सात लग्जरी कारें बरामद की हैं। शारिक साटा गिरोह का नेटवर्क देश के साथ ही विदेश तक फैला है। गिरोह के सदस्य लग्जरी कारों को चोरी करा म्यांमार बार्डर तक पहुंचाते हैं वहां से कारों के बदले में हथियार और कारतूस भी लेते हैं।

इसके बाद हथियारों की सप्लाई देश में करते हैं। शारिक साटा गिरोह में दिल्ली के 100 ज्यादा लोग शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा, राजस्थान, यूपी, पंजाब, बिहार, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों के गुर्गे भी इस गिरोह में शामिल हैं। लग्जरी कारों से लेकर ट्रक तक यह गिरोह चोरी करता है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि गिरोह में कुछ ऐसे लोग भी शामिल हैं तकनीकी तौर पर भी मजबूत हैं।

गिरोह के लोग वह लग्जरी कारों के ऑटोमेटिक लॉक को पलभर में खोल देते हैं। इन कारों के जीपीएस सिस्टम को हैक को बंद कर देते हैं। इसके बाद कारों की लोकेशन भी नहीं मिल पाती है। लंबे समय से सक्रिय इस गिरोह ने विदेशों तक गाड़ियां पहुंचाई हैं। देशभर से दस हजार से ज्यादा वाहनों को शारिक सटटा गिरोह चोरी कर चुका है। देश के अलग-अलग राज्यों की पुलिस संभल में दबिश देकर वाहनों को बरामद कर चुकी हैं। गिरोह कारों की चोरी कर विदेश हथियार भी हासिल करता है। गिरोह ने म्यांमार के बॉर्डर तक लग्जरी गाड़ियां पहुंचाई और वहां से विदेशी हथियार हासिल किए हैं। इस हथियारों को देश में सप्लाई किया गया है।

जंगी एप से राजकुमार और शारिक साटा में हुई बात

दुबई में रह रहे शारिक साटा की तीन साल पहले जंगी एप के जरिए राजकुमार उर्फ राजू से बात हुई थी। शारिक साटा से बात होने के बाद राज कुमार ने अपने साथ गगन गौतम और यूनुस को गिरोह में शामिल कर लिया था। इसके बाद तीनों आरोपी शारिक साटा के लिए काम करने लगे थे।

'आई लव मुहम्मद' लिखे पोस्टर हटवाने पर भड़के आईएमसी नेता, इंस्पेक्टर से बोले-हाथ काट लूंगा

बरेली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में आई लव मुहम्मद लिखे बैनर पोस्टर हटवाने पर लोगों की पुलिस से तकरार हो गई। शहर के किला थाना क्षेत्र में रविवार को थाना प्रभारी सुभाष कुमार टीम के साथ पहुंचे थे। उन्होंने 'आई लव मुहम्मद' लिखे पोस्टर हटाने की बात कही, जिसका मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध किया। पुलिस से तकरार के बाद मौलाना तौकीर रजा खान की पार्टी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के नेता डॉ. नफीस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में डॉ. नफीस कह रहे हैं कि मैंने इंस्पेक्टर को कह दिया कि हाथ काट लूंगा... वर्दी उतरवा दूंगा।

'आई लव मोहम्मद' विवाद ने पकड़ा तूल

नोएडा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर, उन्नाव, लखनऊ और बरेली समेत कई जिलों के अलावा उत्तराखंड में 'आई लव मोहम्मद' बैनर को लेकर हंगामा हुआ। कहीं पुलिस ने लाठीचार्ज किया तो भीड़ ने पुलिस पर ही पथराव कर दिया। कहीं प्रदर्शन करने पर एफआईआर दर्ज की गई है। कई जगह शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन हुए हैं। यह मामला बारावफात जुलूस के दौरान शुरू हुआ, जब इस स्लोगन वाले बैनर लगाए गए, जिसके बाद हिंदू संगठनों और मुस्लिम समुदाय के बीच तनाव बढ़ गया। कहीं पुलिस पर पथराव और भड़काऊ नारेबाजी की घटनाएं सामने आईं, तो कहीं शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन हुए। पुलिस ने कई स्थानों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की।

अंतरिक्ष में विदेशी उपग्रह की संदिग्ध हरकत के बाद भारत सतर्क

> 50 'बॉडीगार्ड सैटेलाइट' भेजने की तैयारी

"अंतरिक्ष सबसे ऊंचा और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। हमें इसे अभी सुरक्षित करना होगा, वरना हम भविष्य में जानकारी के बिना रह जाएंगे।

आशुतोष दीक्षित
एयर मार्शल

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारत अब अंतरिक्ष में मौजूद अपने उपग्रहों को बाहरी खतरों से बचाने के लिए एक नई योजना पर काम कर रहा है। इस योजना का मकसद उन संभावित हमलों को रोकना है, जो दुश्मन देशों के उपग्रहों से आ सकते हैं। यह कदम इसलिए तेजी से उठाया जा रहा है, क्योंकि हाल ही में एक विदेशी उपग्रह भारत के एक उपग्रह के बेहद करीब आ गया था।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ऐसे 'बॉडीगार्ड' उपग्रहों को बनाना चाहती है, जो भारतीय उपग्रहों के आसपास रहकर उन्हें खतरे से बचा सकें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को पहचान सकें। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि 2024 के मध्य में एक पड़ोसी देश का उपग्रह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक उपग्रह के महज एक किलोमीटर पास से गुजरा। यह इसरो का वो उपग्रह था, जो धरती पर निगरानी और मानचित्रण जैसे काम कर रहा था, जिनका उपयोग रक्षा क्षेत्र में भी होता है।

उपग्रहों की टक्कर नहीं हुई लेकिन जानकारों का मानना है कि यह इत्तेफाक नहीं, बल्कि एक तरह का शक्ति प्रदर्शन था। यानी दूसरा देश अंतरिक्ष में अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहता था। इस घटना ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अंतरिमक्ष मौजूद खतरे को उजागर कर दिया। इसरो और अंतरिक्ष विभाग ने आधिकारिक तौर पर इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे 50 निगरानी उपग्रह

उपग्रह सुरक्षा परियोजना के तहत भारत अंतरिक्ष में अपने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना चाहता है। इसके तहत करीब 27 हजार करोड़ रुपये की लागत से 50 निगरानी उपग्रह भेजे जाएंगे। पहला उपग्रह अगले साल लॉन्च होने की संभावना है। भारत का पड़ोसी चीन और पाकिस्तान के साथ लंबे समय से सीमा को लेकर विवाद है और इन देशों की अंतरिक्ष क्षमताएं अलग-अलग स्तर की हैं। पाकिस्तान के पास केवल आठ उपग्रह हैं, वहीं भारत के पास सौ से ज्यादा उपग्रह हैं। चीन इस मामले में सबसे आगे है, उसके पास 930 से भी ज्यादा उपग्रह हैं।

अंतरिक्ष में गतिविधियां बढ़ा रहा चीन

भारत और अमेरिका दोनों के अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अंतरिक्ष में खतरतनाक तरीके से अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। जून में एक सेमिनार में एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने भी कहा था कि चीन की अंतरिक्ष गतिविधियां न केवल तेज हो रही हैं, बल्कि बेहद उन्नत भी हैं।

स्टार्टअप्स के साथ मिलकर हो रहा काम

भारत सरकार अब स्टार्टअप्स के साथ मिलकर ऐसे समाधान तलाश रही है, जो खतरों को समय रहते पहचान सकें। एक विचार यह भी है कि लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग तकनीक वाले उपग्रह छोड़े जाएं, जो किसी भी संबावित खतरे की पहचान जल्दी कर सकें, ताकि जमीन पर बैठे तकनीशियन समय रहते उस उपग्रह को दूसरी दिशा में भेज सकें। इसरो के पूर्व अधिकारी सुधीर कुमार ने कहा कि इसके लिए जमीन पर रडार और दूरबीनों के नेटवर्क की भी जरूरत होगी। उन्होंने माना कि अभी भारत के पास ऐसी तकनीक नहीं है, जो चौबीस घंटे अंतरिक्ष में नजर रख सके, लेकिन कुछ स्टार्टअप्स इस पर काम कर रहे हैं।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष में इसरो की भूमिका

इसरो ने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीमित सैन्य संघर्ष के दौरान बड़ी भूमिका निभाई थी। इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने नौ सितंबर को बताया कि उस समय 400 से अधिक वैज्ञानिक दिन-रात काम कर रहे थे, ताकि धरती पर निगरानी रखने वाले और संचार से जुड़े उपग्रह पूरी क्षमता से काम कर सकें।

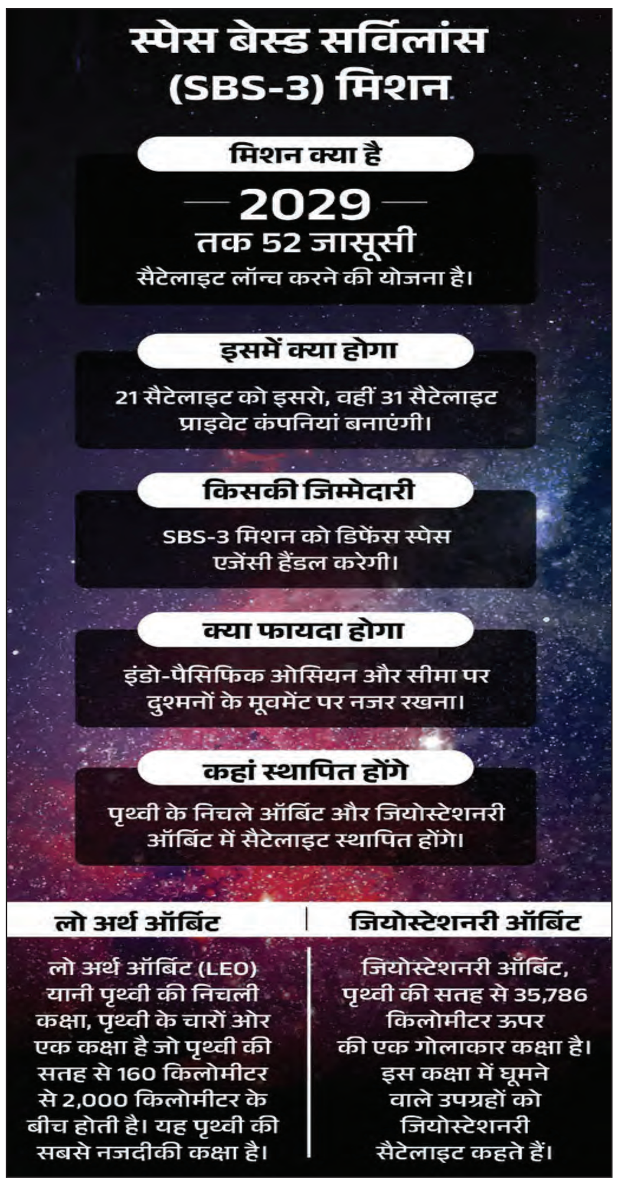

ड्रग्स का डर दिखाकर पूर्व बैंक अधिकारी को किया डिजिटल अरेस्ट

दिल्ली में 23 करोड़ की ठगी

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के हौजखास इलाके में साइबर ठगों ने पूर्व बैंक अधिकारी से 23 करोड़ रुपये ठग लिए। आरोपियों ने पहले पुलिस अधिकारी, बाद में प्रवर्तन निदेशालय व सीबीआई अधिकारी बनकर बुजुर्ग को मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त बताकर डरा दिया। बुजुर्ग की शिकायत पर इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) टीम ने साइबर ठगों के बैंक खातों में ठगी के 12.11 करोड़ रुपये फ्रीज करवा दिए।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित नरेश मल्होत्रा (73) परिवार के साथ हौजखास इलाके में रहते हैं। वह सरकारी बैंक से रिटायर हैं। पीड़ित ने बताया कि चार अगस्त को उनके पास एक शख्स का कॉल आया। कॉलर ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताकर कहा कि वह ड्रग्स की तस्करी में शामिल हैं। उनके नाम से विदेश भेजा गया पार्सल पकड़ा गया है, जिसमे ड्रग्स मिले हैं। आरोपियों ने पीड़ित को गिरफ्तारी का डर दिखाकर उनके फ्लैट में कैद कर लिया। बदमाशों का कहना था कि जब तक वह नहीं कहेंगे तक वह न तो बाहर जाएंगे और न किसी को कॉल करेंगे। इसके बाद आरोपियों ने डराकर पीड़ित के खाते से रकम ट्रांसफर करवानी शुरू कर दी।

हैंडलूम कारोबारी के घर चोरी, 18 लाख रुपये नकदी और गहने ले गए चोर

पुलिस को दी गई शिकायत

पानीपत, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पानीपत में चोरों ने सेक्टर-12 में हैंडलूम कारोबारी की कोठी में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से करीब 18 लाख रुपये की नकदी और 50 तोले से ज्यादा सोने के गहने चोरी कर ले गए। पुलिस को पीड़ित परिवार ने मामले की सूचना दी। चोरी की जानकारी मिलने के बाद थाना चन्दनीबाग और सीआईए की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

सेक्टर-12 में हैंडलूम कारोबारी ओमप्रकाश कटारिया की कोठी है। बताया जा रहा है कि रविवार रात को चोर छत के रास्ते मकान में घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुबह जब परिजनों ने लॉकर चेक किया तो करीब 18 लाख रुपये कैश और करीब 50 तोला सोने के गहने गायब मिले। चोरी की घटना के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिमाचल के मंत्री ने दूसरी शादी रचाई

विक्रमादित्य ने चंडीगढ़ में पंजाब की डॉक्टर संग लावां फेरे लिए, करीबी रिश्तेदार ही बुलाए

चंडीगढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह और पंजाब की डॉ. अमरीन कौर सोमवार को शादी के बंधन में बंध गए। दोनों ने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित गुरुद्वारे में लावां फेरे लिए। सुबह करीब 11 बजे दोनों परिवार गुरुद्वारे पहुंचे। विक्रमादित्य ने शेरवानी, जबकि अमरीन ने लहंगा पहन रखा था।

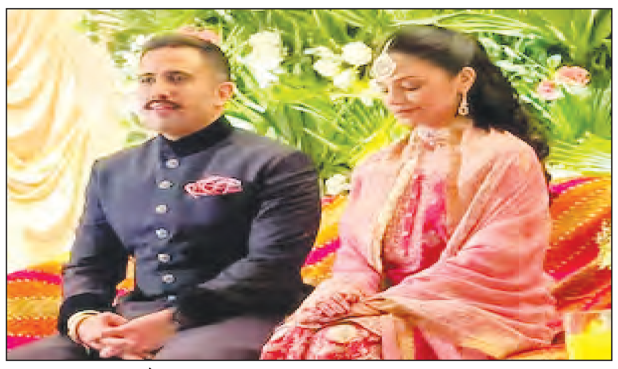

गुरुद्वारे में शादी की रस्में बेहद सादगी से पूरी हुईं। इसमें दोनों तरफ से सिर्फ करीबी रिश्तेदार और दोस्त शामिल हुए। विक्रमादित्य के साथ उनकी मां प्रतिभा सिंह, बहन-बहनोई और कुछ दोस्त मौजूद रहे। यहां से वे ललित होटल गए। जहां मंत्री लंच करने के बाद पत्नी अमरीन के साथ शिमला लौट गए। शिमला के होली लॉज में वधू प्रवेश का कार्यक्रम होगा।

अमरीन कौर, सरदार जोतिंद्र सिंह सेखों और ओपिंद्र कौर की बेटी हैं। वह पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में साइकोलॉजी की असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। राजनीति में आने से पहले विक्रमादित्य का चंडीगढ़ आना-जाना लगा रहता था। इसी दौरान उनकी अमरीन से दोस्ती हुई।

यह दोस्ती करीब 8-9 साल पुरानी बताई जाती है, जो अब शादी में बदल गई है। मंत्री विक्रमादित्य सिंह की यह दूसरी शादी है। पहली पत्नी से तलाक हो चुका है।

डल झील के पास संदिग्ध वस्तु मिलने से मचा हड़कंप सुरक्षाबलों ने किया विस्फोट

श्रीनगर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीनगर की प्रसिद्ध डल झील के पास सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब वहां एक संदिग्ध वस्तु देखी गई। मौके पर पहुंचे सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत इलाके को घेर लिया और किसी भी संभावित खतरे को टालने के लिए उस वस्तु पर नियंत्रित विस्फोट किया।

सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह वस्तु बम थी या कोई और संदिग्ध उपकरण। पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर मौजूद हैं और जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट पूरी तरह से सुरक्षित तरीके से किया गया और किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ है।

मराठा आरक्षण मामले की सुनवाई से तीन जजों की बेंच ने खुद को अलग किया

अब चीफ जस्टिस सुनेंगे मामला

मुंबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र सरकार के हालिया फैसले पर दायर याचिकाओं की सुनवाई से बॉम्बे हाईकोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने खुद को अलग कर लिया। मामला उन आदेशों से जुड़ा है जिनमें मराठा समुदाय के सदस्यों को कुनबी जाति का प्रमाणपत्र जारी कर उन्हें ओबीसी श्रेणी में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इस फैसले को ओबीसी संगठनों ने मनमाना और असंवैधानिक बताते हुए चुनौती दी है।

कुल पांच याचिकाएं दायर की गई हैं जिनमें कुनबी सेना, महाराष्ट्र माली समाज महासंघ, अहीर सुवर्णकार समाज संस्था, सदानंद मंडलिक और महाराष्ट्र नाभिक महामंडल शामिल हैं। उनका कहना है कि सरकार का फैसला तीन जातियों कुनबी, कुनबी मराठा और मराठा कुनबी के प्रमाणपत्र जारी करने के मानकों को बदल देता है। यह न केवल अस्पष्ट है बल्कि इससे अराजक स्थिति पैदा होगी।

जस्टिस संदीप पाटिल का बयान

याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान जस्टिस संदीप पाटिल ने कहा कि वे इन पर सुनवाई नहीं कर सकते। इसके बाद जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और संदीप पाटिल की बेंच ने मामले से खुद को अलग कर लिया। अब यह याचिकाएं मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंकल की बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए पेश की जाएंगी।

जारंगे की भूमिका और सरकार का कदम

सरकार का यह फैसला मराठा आरक्षण आंदोलनकारी मनोज जारंगे के आंदोलन के बाद लिया गया। जारंगे ने 29 अगस्त को मुंबई के आजाद मैदान में पांच दिन तक भूख हड़ताल की थी। इस दौरान उनके समर्थकों ने शहर के कई इलाकों में प्रदर्शन किया, जिससे बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई और कहा कि मुंबई ठप हो गई है।

सरकार का जीआर और समिति गठन

दो सितंबर को राज्य सरकार ने हैदराबाद गजेटियर पर आधारित एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया और समिति बनाने का ऐलान किया। यह समिति उन मराठा परिवारों की पहचान करेगी जो ऐतिहासिक रूप से कुनबी दर्ज हैं। ऐसे लोगों को कुनबी प्रमाणपत्र मिलेगा और वे ओबीसी कोटे का लाभ ले सकेंगे।

ओबीसी समाज की नाराजगी

सरकार के इस कदम से ओबीसी समाज में बेचैनी है। सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग द्वारा जारी किए गए जीआर के बाद ओबीसी संगठनों ने चिंता जताई है कि इससे उनकी आरक्षण व्यवस्था प्रभावित होगी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह परिपत्र तरीके से मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे में शामिल करने की कोशिश है, जो कानूनन गलत है। दरअसल, ओबीसी समुदाय का मानना है इस फैसले से उनके कोटे का आरक्षण बंट जाएगा.

दुष्कर्म मामला : 'डीएनए, सीसीटीवी फुटेज से हुई मुख्य आरोपी की भूमिका की पुष्टि'

कोलकाता पुलिस का आरोपपत्र में दावा

कोलकाता, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस के जांच अधिकारियों ने अपने आरोपपत्र में दावा किया है कि दक्षिण कोलकाता लॉ कॉलेज की एक छात्र के साथ हुए कथित दुष्कर्म के मामले में मुख्य आरोपी मनोजित 'मंगो' की भूमिका की पुष्टि डीएनए जांच से हुई है।

पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि पीड़िता के कपड़ों से लिए गए नमूनों की डीएनए जांच में पाया गया कि वे आरोपी के डीएनए से मेल खाते हैं। इसके लिए पीड़िता और आरोपी दोनोंके खून के नमूने (ब्लड सैंपल) लिए गए थे। यह आरोपपत्र अलीपुर के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में दाखिल किया गया है। इसमें मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा के साथ तीन अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। मनोजित मिश्रा कॉलेज का पूर्व छात्र है। एक पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया, डीएनए जांच में यह भी सामने आया है कि घटना के समय पीड़िता और आरोपी दोनों कॉलेज के गार्ड रूम में मौजूद थे। यह रिपोर्ट इस मामले में एक अहम सबूत मानी जा रही है। आरोपपत्र में यह भी बताया गया है कि कॉलेज परिसर और आस-पास की दो दुकानों से मिले सीसीटीवी फुटेज ने भी अपराध की पुष्टि की है।

अधिकारी ने कहा, फुटेज में यह भी दिख रहा है कि घटना कॉलेज के गार्ड रूम के अंदर हुई। दो अन्य आरोपी प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद गार्ड रूम के बाहर खड़े थे। साथ ही सिक्योरिटी गार्ड की भूमिका भी साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के मोबाइल फोन से मिले वॉइस सैंपल की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जैसे ही रिपोर्ट आ जाएगी, हम अदालत में एक पूरक आरोपपत्र दाखिल करेंगे। यह मामला 25 जून का है, जब कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि कॉलेज के एक पूर्व छात्र और दो अन्य सीनियर छात्रों ने मिलकर उसके साथ कॉलेज परिसर में दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही सुरक्षा में लापरवाही बरतने के आरोप में कॉलेज के सिक्योरिटी गार्ड को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुणे एयरपोर्ट पर यात्री से रिवॉल्वर बरामद

मुंबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान एक 63 वर्षीय यात्री के बैग से रिवॉल्वर और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गया। घटना 19 सितंबर को हुई। चंद्रकांत प्रभाकर बागल पुणे से वाराणसी उत्तर प्रदेश जाने वाली फ्लाइट में सवार होने वाले थे।

तभी सुरक्षा जांच में रिवॉल्वर और कारतूस पकड़ में आ गए। सुरक्षा नियमों के अनुसार, ऐसी आग्नेयास्त्र और कारतूस लेकर यात्रा करने पर इसकी रिपोर्ट करना जरूरी है। पुलिस के मुताबिक, यात्री के पास महाराष्ट्र में हथियार रखने का लाइसेंस था, लेकिन वह इसे राज्य के बाहर ले जा रहे थे। विमानतल पुलिस स्टेशन में बागल के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

मैसूर दशहरा : विवाद के बावजूद कार्यक्रम में पहुंची लेखिका बानु मुश्ताक

कहा-यह सभी का त्योहार, कोई पराया नहीं

मैसूर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानु मुश्ताक ने सोमवार को मैसूर में दशहरे का शुभारंभ किया और कहा कि यह त्योहार कर्नाटक की मिली-जुली संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मैसूर की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी नारी की शक्ति और उसकी मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतीक हैं। नारी केवल कोमलता और मातृत्व स्नेह की प्रतीक नहीं है, बल्कि अन्याय से लड़ने वाली ताकत की भी पहचान है। प्रसिद्ध 11 दिवसीय दशहरा सोमवार को पारंपरिक तरीके से हर्षोल्लास के साथ शुरू हुआ। बानु मुश्ताक ने इसका उद्घाटन किया। हालांकि, उद्घाटन से पहले कुछ वर्ग के लोगों ने बानु मुश्ताक को आमंत्रित करने के सरकार के फैसले पर

आपत्ति जताई थी, जिससे यह एक विवाद का विषय बन गया था। मुश्ताक ने शुभ 'वृश्चिक लग्न' के दौरान चामुंडेश्वरी मंदिर में देवी की मूर्ति पर फूल चढ़ाकर वैदिक मंत्रों के बीच दशहरे का उद्घाटन किया। इससे पहले वह मुख्यमंत्री के साथ मंदिर पहुंचीं और पूजा की। बानु मुश्ताक ने अपने संबोधन में कहा, हमारी संस्कृति हमारी जड़ है, सद्भावना हमारी ताकत है और अर्थव्यवस्था हमारे पंख हैं। हमें एक ऐसा समाज बनाना है, जो मानवता और प्रेम से भरा हो और जिसमें शिक्षा, अर्थव्यवस्था और उद्योग भी मजबूत हो। उसमें सभी को बराबरी का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका हिंदू धर्म के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव रहा है।

चमोली आपदा बहुओं की हिम्मत

ससुर को बचाने लौटी ममता मलबे में दबी, दूसरी ने सास को मौत के मुंह से खींच निकाला

गोपेश्वर (चमोली), 22 सितंबर (एजेंसियां)। चमोली में बीते दिनों बादल फटने से नंदानगर के तीन क्षेत्रों में भारी तबाही मची है। बादल बिंसर पहाड़ी की चोटी के दोनों तरफ फटा जिससे पानी के सैलाब की तीन धाराएं बन गईं और सैंती लगा कुंतरी, फाली लगा कुंतरी और धुर्मा को भारी नुकसान पहुंचा है। ये भयावह मंजर यहां लोगो शायद कभी न भूल पाए। धुर्मा गांव में लापता ममता देवी ससुर को बचाने गई थी, लेकिन खुद आपदा की शिकार हो गई। वहीं दूसरी बहू ममता ने सास को तो बचा लिया, लेकिन उनकी भी जान पर बन आई थी, उसने पंखे से लटककर खुद को बचाया। दोनों अभी लापता हैं, जिनकी खोजबीन लगातार जारी है। धुर्मा गांव में बृहस्पतिवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे जब पानी और मलबा आने लगा तो लोगों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लोग घरों को छोड़कर सुरक्षित जगह पर जाने लगे। यहां गुमान सिंह का परिवार भी रहता है। उनके बड़े भाई की बहू ममता पत्नी विक्रम सिंह बच्चों को लेकर सुरक्षित स्थान पर जा रही थी, तभी उसे पता चला कि ससुर गुमान सिंह अंदर हैं। वह उन्हें लेने के लिए चली गई, गांव के विजेंद्र सिंह, महावीर सिंह, राजेंद्र सिंह व अन्य लोग बच्चों को सुरक्षित जगह पर लेकर चले गए।

मलबा आ गया और पूरा मकान मलबे में दब गया

ममता देवी अंदर गई तभी भारी मलबा आ गया और पूरा मकान मलबे में दब गया। जहां ममता और ससुर गुमान सिंह दब गए। गुमान सिंह की बड़ी बहू का नाम भी ममता है। जब मकान में मलबा घुसने लगा तो वह सास को निकालने के लिए अंदर गई। सास को तो बाहर निकाल लिया लेकिन तभी भारी मलबा अंदर आ गया। वह दलदल में फंस गई। जिस पर वह पंखे को पकड़कर लटक गई। काफी देर तक लटके रहने के बाद जब पानी कुछ कम हुआ तो वह बाहर निकली।

बादल फटने से नंदानगर के तीन क्षेत्रों में भारी तबाही मची है। बताया जा रहा है कि बादल बिंसर पहाड़ी की चोटी के दोनों तरफ फटा जिससे पानी के सैलाब की तीन धाराएं बन गईं और सैंती लगा कुंतरी, फाली लगा कुंतरी और धुर्मा को भारी नुकसान पहुंचा है।

मुंबई में महिला अधिकारी पर दुर्व्यवहार का आरोप

पुणे एयरपोर्ट पर यात्री से रिवॉल्वर बरामद

मुंबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण मुंबई के गिरगांव स्थित वीपी रोड थाने में एक महिला सब-इंस्पेक्टर पर लोगों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं। 18 सितंबर को शिकायत दर्ज कराने आए एक समूह के साथ महिला अधिकारी की बहस हो गई। आरोप है कि बहस के दौरान अधिकारी ने अपना नेमप्लेट यूनिफॉर्म से निकालकर फेंक दिया।

इस पूरे घटनाक्रम को मौजूद लोगों में से एक ने मोबाइल से रिकॉर्ड किया। अधिकारियों के अनुसार, मामला सामने आने के बाद गिरगांव डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त को जांच सौंपी गई है। फिलहाल वीडियो की सत्यता की भी जांच की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 23 सितंबर- 2025

ट्रंप का 'बिलो द बेल्ट वॉर'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह दबाव में आकर एच1 बी वीजा का फैसला लिया है, उससे साफ झलकता है कि वे बहुत ही डरपोक किस्म के शासक हैं। यही नहीं उनके समर्थकों को भी लगता है कि प्रवासी प्रतिभाओं के आगे अमेरिका वालों की नौकरियां दांव पर लगी हैं। ऐसे में सवाल है कि अपनी प्रतिभा के बल पर एलन मस्क, सुंदर पिचाई, सत्य नडेला और इंद्रा नूयी जैसी हस्तियां यदि आज अमेरिका जाकर एच-1बी वीजा पर नौकरी पाते तो क्या अपने 'अमेरिकन ड्रीम' को साकार कर पाते। आज अगर ये लोग अमेरिका जाकर नौकरी चाहते तो उन्हें 1 लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये चुकाने पड़ते। यही असर है ट्रंप प्रशासन के नए फैसले का। सवाल है कि क्या ट्रंप ने एच-1बी वीजा को परोक्षरूप से खत्म कर दिया है? जिससे भारतीय टेक इंजीनियरों के लिए 'अमेरिकन ड्रीम' का सपना अधूरा ही रह गया है। हो सकता है अमेरिका-भारत के बीच चल रही ट्रेड डील की बातचीत में दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा भी हो। एच-1बी वीजा धारकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाले इस अमेरिकी फैसले से हजारों कुशल भारतीय पेशेवरों पर सीधा और गंभीर असर पड़ेगा, उनके करियर बनने से पहले ही खत्म हो जाएगा। उनके परिवारों की आजीविका पर भी संकट आ सकता है। भारत सरकार को इस तरह की जबरदस्ती और अन्यायपूर्ण कार्रवाइयों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाना चाहिए। ट्रंप की हरकतें बता रही है कि और अधिक भारतीय एच-1बी वीजा लेकर ही अमेरिका में काम करें। लगभग 72 फीसदी एच-1बी वीजा हर साल भारतीयों को मिलते हैं। 2024 में करीब 2.83 लाख भारतीयों को यह वीजा मिला। अब अगर किसी कंपनी को भारत से इंजीनियर रखना है तो उसे 1 लाख डॉलर पहले चुकाने होंगे। औसतन एक भारतीय एच-1बी धारक की सैलरी अमेरिका में 65,000 डॉलर सालाना होती है। ऐसे में कंपनियां इतनी कीमत चुकाने को तैयार होंगी, इसमें संदेह है। ट्रंप का दावा है कि यह फैसला अमेरिकी कामगारों की सुरक्षा के लिए है। ट्रंप और उनके समर्थकों की नजर में भारतीय इंजीनियर 'अमेरिकी नौकरियां छीन रहे हैं।' इसी वजह से यह मुद्दा अमेरिका की राजनीति में तेजी से फैल रहा है कि 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन'। जो ट्रंप समर्थकों को लुभाने का एक हथियार बन गया है। इससे तो अमेरिका खुद को नुकसान पहुंचा रहा है। भारतीय इंजीनियर और पेशेवर ने अमेरिकी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, एप्पल से लेकर वॉलमार्ट और जेपी मॉर्गन तक, हर बड़ी कंपनी में भारतीयों के अहम योगदान को आखिर कौन नकार सकता है? अगर आगे भारतीय टैलेंट अमेरिका नहीं जाएगा तो इन कंपनियों के लिए योग्य लोग ढूंढना भी मुश्किल हो सकता है। जहां तक मामला भारत-अमेरिका ट्रेड डील का है तो उस पर बातचीत को धार मिलने लगी है। ऐसे में इसी समय पर एच-1बी वीजा पर यह बड़ा फैसला भारत पर दबाव बनाने के अलावा और कुछ नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार आत्मनिर्भर भारत की बात करते रहे हैं। अगर बेहतरीन भारतीय दिमाग देश में ही रहकर काम करें तो भारत को विकसित बनाने का सपना और तेजी से साकार हो सकता है। यह भारत के लिए जहां एक अवसर हो सकता है वहीं अमेरिका को टैलेंटविहीन भी किया जा सकता है।

गाजा की तबाही और वेस्ट बैंक कब्ज़े के बीच उठी वैश्विक आवाज़

आरके जैन

ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया द्वारा 21 सितंबर को फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देना मध्य पूर्व की भू-राजनीति में एक ऐतिहासिक कदम है। यह फैसला गाजा में दो साल से चल रहे विनाशकारी युद्ध, वेस्ट बैंक में गैरकानूनी इस्राइली बस्तियों के विस्तार और विश्व शांति प्रयासों की असफलता के बीच आया है। यह कदम दो-राष्ट्र समाधान को पुनर्जनन देने का प्रयास है, जो इस्राइल और फिलिस्तीन के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नींव रख सकता है। फिर भी, सवाल यह हैः क्या यह प्रतीकात्मक कदम जमीन पर बदलाव ला पाएगा, या केवल कूटनीतिक बयानबाजी तक सीमित रहेगा?

यह मान्यता 1917 के बाल्फोर घोषणापत्र की छाया में देखी जानी चाहिए, जब ब्रिटेन ने फिलिस्तीन में यहूदी राष्ट्रीय घर की स्थापना का समर्थन किया था, साथ ही गैर-यहूदी आबादी के अधिकारों की रक्षा का वचन दिया था। एक सदी बाद, उसी ब्रिटेन ने फिलिस्तीन को राष्ट्र का दर्जा दिया, जिसे कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने तुरंत समर्थन दिया। यह जी-7 देशों का साझा कदम है, जो अमेरिका-इस्राइल का सबसे मजबूत सहयोगी-की अनुपस्थिति में और भी महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से करीब 75 प्रतिशत पहले ही फिलिस्तीन को मान्यता दे चुके हैं, जिनमें चीन और रूस जैसे सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य शामिल हैं। अब, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के जुड़ने से चार स्थायी सदस्यों का समर्थन मिला है, जो फिलिस्तीन की वैश्विक स्थिति को और मजबूत करता है।

हालांकि, यह मान्यता अभी प्रतीकात्मक है, क्योंकि फिलिस्तीन पूर्ण राष्ट्र नहीं है। इसकी कोई स्पष्ट सीमाएं, स्वतंत्र सेना, या अपनी राजधानी पर नियंत्रण नहीं है। वेस्ट बैंक पर इस्राइली सैन्य कब्जा और गाजा में हमास का प्रभाव इसकी संप्रभुता को सीमित करता है। फिर भी, यह कदम नैतिक और राजनीतिक रूप से शक्तिशाली है। यह संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की पर्यवेक्षक भूमिका को मजबूत करेगा, राजनयिक कार्यालयों की संख्या बढ़ाएगा, और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर फिलिस्तीनी आवाज को बल देगा। खेल, सांस्कृतिक और वैश्विक आयोजनों में इसकी भागीदारी को और वैधता मिलेगी। सबसे बड़ा प्रभाव इस्राइल पर पड़ेगा, जो अब अंतरराष्ट्रीय अलगाव के कगार पर है। गाजा में 7 अक्टूबर 2023 के हमास हमले के बाद शुरू हुआ इस्राइली सैन्य अभियान अब तक 65,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की जान ले चुका है, जिनमें ज्यादातर आम नागरिक हैं। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट बताती है कि गाजा का 90 प्रतिशत हिस्सा विस्थापित है, भुखमरी और बीमारियां फैल रही हैं, और बुनियादी ढांचा पूरी तरह नष्ट हो चुका है। वेस्ट बैंक में इस्राइली बस्तियों का विस्तार-जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत गैरकानूनी है-तेजी से बढ़ रहा है। ई-1 परियोजना जैसी योजनाएं वेस्ट बैंक को दो हिस्सों में बांट सकती हैं, जिससे फिलिस्तीनी राज्य की भौगोलिक संरचना खतरे में है। इस पृष्ठभूमि में, यह मान्यता इस्राइली नीतियों पर वैश्विक असंतोष का प्रतीक है। यह कदम गाजा में तत्काल युद्धविराम और मानवीय सहायता की मांग को मजबूत करता है, साथ ही दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में नया दबाव बनाता है।

इस्राइल ने इस मान्यता को कड़े शब्दों में खारिज करते हुए इसे हमास के आतंक को पुरस्कार₹ करार दिया। उसका तर्क है कि यह कदम हमास को सशक्त करता है और बंधकों की रिहाई को और जटिल बनाता है। इस्राइली नेतृत्व ने पहले फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया पर यहूदी-विरोधी भावनाओं को भड़काने का आरोप लगाया था, और अब ब्रिटेन व कनाडा भी इस आलोचना के निशाने पर हैं। यह प्रतिक्रिया इस्राइल की उस रणनीति को उजागर करती है, जो जॉर्डन नदी के पश्चिम में किसी भी फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना को स्वीकार करने से इंकार करती है। वर्तमान में, इस्राइली सरकार वेस्ट बैंक के बड़े हिस्सों को औपचारिक रूप से हड़पने की योजना बना रही है, जिससे दो-राष्ट्र समाधान की संभावनाएं और कमजोर हो रही हैं। हालांकि, इस्राइल का यह रुख उसे वैश्विक मंच पर और अलग-थलग कर सकता है। फ्रांस, बेल्जियम, लक्जमबर्ग और माल्टा जैसे यूरोपीय देश जल्द ही संयुक्त राष्ट्र में ऐसी ही घोषणाएं कर सकते हैं। यह बदलाव इस्राइल पर गाजा में सैन्य कार्रवाई रोकने और वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार को समाप्त करने का दबाव बढ़ाएगा। साथ ही, यह अमेरिका के लिए भी एक चुनौती है, जो अब तक इस्राइल का अटल समर्थक रहा है। अमेरिका ने इस मान्यता को प्रदर्शनकारी कदम कहकर आलोचना की है, लेकिन जब उसके जी-7 सहयोगी अलग रास्ता चुन रहे हैं, तो उसे अपनी नीतियों की समीक्षा के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

यह मान्यता दो-राष्ट्र समाधान को पुनर्जनन दे सकती है, जो 1967 की सीमाओं पर आधारित एक फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना की कल्पना करता है, जिसमें पूर्वी यरूशलम राजधानी हो। फिर भी, कई बाधाएं बरकरार हैं। पहली, हमास का पूर्ण निशस्त्रीकरण, जो इस्राइल और पश्चिमी देशों की प्रमुख शर्त है। दूसरी, फिलिस्तीनी प्राधिकरण की अपनी जमीन और लोगों पर सीमित सत्ता, जो इस्राइली कब्जे और आंतरिक राजनीतिक विभाजन से कमजोर है। तीसरी, फिलिस्तीनी क्षेत्रों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, जिसमें हमास की कोई भूमिका न हो। चौथी, गाजा में तत्काल मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण, जो युद्ध और नाकेबंदी के कारण असंभव-सा प्रतीत होता है।

क्षेत्रीय स्तर पर, यह कदम मध्य पूर्व की गतिशीलता को गहराई से प्रभावित करेगा। ईरान-समर्थित समूह जैसे हिजबुल्लाह और यमन के हूती विद्रोही इसे अपनी जीत मान सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ सकता है। सऊदी अरब और फ्रांस द्वारा प्रस्तावित शांति सम्मेलन अब और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि यह फिलिस्तीनी मुद्दे को वैश्विक मंच पर केंद्र में लाता है। वैश्विक स्तर पर, यह कदम उन दक्षिणपंथी सरकारों को चुनौती देता है जो मानवाधिकारों को नजरअंदाज करती हैं। साथ ही, यह वैश्विक दक्षिण के देशों को प्रेरित करेगा, जो लंबे समय से फिलिस्तीनी संघर्ष का समर्थन करते रहे हैं। यह सच है कि यह मान्यता मुख्य रूप से प्रतीकात्मक है। गाजा में भुखमरी, वेस्ट बैंक में कब्जा, और इस्राइली बस्तियों का विस्तार तत्काल नहीं थमेगा।

फिर भी, यह कदम एक सशक्त नैतिक और राजनीतिक संदेश देता हैः विश्व समुदाय अब इस्राइली नीतियों को मूक सहमति नहीं देगा। यह फिलिस्तीनियों को वैश्विक मंच पर नई ताकत प्रदान करता है और इस्राइल को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार के लिए बाध्य करता है। हालांकि, बिना ठोस कदमों-जैसे तत्काल युद्धविराम, बंधकों की रिहाई, नाकेबंदी का अंत, और बस्तियों का ठहराव-यह पहल अधूरी रहेगी। ओस्लो समझौते (1993) और अन्य शांति प्रयासों की असफलता सिखाती है कि विश्वास और कार्यान्वयन के बिना कोई भी कदम फल नहीं ला सकता।

ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया का यह कदम फिलिस्तीनी संघर्ष को वैश्विक केंद्र में लाता है, दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में एक नया द्वार खोलता है। यह इस्राइल को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और अलग-थलग करता है, साथ ही अमेरिका पर अपनी नीतियों की समीक्षा के लिए दबाव बढ़ाता है। लेकिन इसकी सफलता तभी संभव है, जब इसके साथ जमीनी कार्रवाई हो-गाजा में तत्काल मानवीय सहायता, वेस्ट बैंक में कब्जे का अंत, और फिलिस्तीनी एकता का निर्माण। यह कदम आशा की एक किरण है, लेकिन बिना कार्यान्वयन के यह केवल शब्दों का खेल बनकर रह सकता है। मध्य पूर्व में शांति अब भी एक दूरस्थ सपना है, पर यह घोषणा उस सपने को हकीकत में बदलने की दिशा में एक साहसी और निर्णायक कदम है।

दोनों हाथों से लूट रहे हैं सरकारी अधिकारी

मनोज कुमार अग्रवाल

देश भर में सरकारी लोकसेवकों दोनों हाथों से अपने पद और रुतबे का मनमाना दुरूपयोग कर अथाह धन संपत्ति बटोर रहें हैं अभी तेलंगाना में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है. तेलंगाना के एंटी करप्शन ब्यूरो ने एक असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से तलाशी के दौरान 2.18 करोड़ रुपये नकद जब्त कर लिए गए. इसी तरह असम में सिविल सेवा देने वाली अधिकारी नूपुर बोरा को पुलिस ने कथित तौर आय स अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। असम में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के तहत मुख्यमंत्री विशेष सतर्कता सेल ने नूपुर बोरा के गुवाहाटी स्थिति आवास पर छापा मारा। यहां से 92 लाख रुपये नगद बरामद हुए और करीब 1 करोड़ रुपये के आभूषण जब्त किए गए। इतना ही नहीं बारपोटा स्थिति उनके किराए के घर पर छापेमारी के दौरान 10 लाख रुपये नगद बरामद किए गए।नूपुर बोरा असम के गोलाघाट की रहने वाली हैं। बोरा साल 2019 में असम सिविल सेवा में भर्ती हुईं थीं। मौजूदा समय में वो कामरूप जिले के गोरोइमारी में सर्कल ऑफिसर के पद पर तैनात थी। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि विवादास्पद भूमि संबंधी मुद्दों में कथित संलिप्तता की शिकायतों के बाद पिछले छह महीनों से उन पर निगरानी रखी जा रही थी। आरोप है कि नूपुर जब बारपेटा राजस्व मडल में तैनात थीं, तब उन्होंने पैसों के बदले हिंदुओं की जमीन संदिग्ध लोगों को ट्रांसफर कर दिया था। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। सरमा ने कहा कि अल्पसंख्यक बाहुल्य इलाकों में राजस्व मंडलों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार सामने आया है। इतना ही नहीं विशेष सतर्कता सेलने नूपुर के सहयोगियों के ठिकानों पर भी छापा मारा है। ये वही लोग हैं, जो बारपेटा में राजस्व सर्कल ऑफिस में काम करते हैं। उधर छोटे से राज्य तेलंगाना में भ्रष्टाचार के बड़े मामले पकड़ में आ रहे हैं तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी के असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर (ऑपरेशंस) के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया गया है. उन पर अपनी सेवा के दौरान कथित तौर पर गैरकानूनी गतिविधियों और संदिग्ध तरीकों से संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगा हुआ है.बिजली विभाग के आरोपी इंजीनियर के घर और उसके तथा उसके रिश्तेदारों के 10 अन्य ठिकानों पर तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान, एक फ्लैट, एक भूतल और पांच मंजिला इमारत, 10 एकड़ जमीन पर एक कंपनी, छह आवासीय ओपन प्लॉट, एक खेती योग्य जमीन, 2 कार, सोने के आभूषण और बैंक जमा सहित कई तरह की संपत्तियां मिलीं.इसके अलावा, अधिकारी की एक संदिग्ध बेनामी संपत्ति के घर से 2.18 करोड़ रुपये कैश भी बरामद किए गए. जांच एजेंसी एसीबी के अनुसार एजेंसी की तलाशी के दौरान पता चला कि बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करके भारी मात्रा में चल-अचल संपत्तियां अर्जित की थीं. तलाशी अभियान अभी भी जारी है.एसीबी ने इंजीनियर और उनके रिश्तेदारों से जुड़े कई स्थानों पर तलाशी ली और माधापुर तथा गाचीबोवली सहित हैदराबाद में करीब 15 टीमें तैनात कीं.फिलहाल इन संपत्तियों का बाजार मूल्य आधिकारिक मूल्य से कहीं अधिक होने की उम्मीद है. भ्रष्टाचार के आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है. एसीबी का कहना है कि आगे की जांच जारी है.। अभी हाल ही में रंगारेड्डी जिले के नरसिंगी नगरपालिका कार्यालय में मंगलवार, 9 सितंबर 2025 को, तेलंगाना भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो ने टाउन प्लानिंग अधिकारी, एस मणिहरिका को 4 लाख की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने मंचिरेवुला निवासी विनोद से नियमित स्कीम के तहत प्लॉट की स्वीकृति के लिए 10 लाख की मांग की थी, जिसमें 4 लाख अग्रिम के रूप में प्राप्त किए गए थे। शिकायत मिलने पर भ्रष्टाचार निवारक ब्यूरो ने एक जाल बिछाया और लेनदेन की कार्रवाई के दौरान अधिकारी को पकड़ लिया। इससे पहले 19 अगस्त को एसीबी ने एक तहसीलदार के यहां भी छापा मारा था. छापे के दौरान 5 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का पता चला था. अधिकारियों ने वारंगल जिले के वारंगल फोर्ट मंडल के तहसीलदार बांदी नागेश्वर राव से जुड़े सात स्थानों पर तलाशी ली थी. आपको बता दें कि एसीबी ने अकेले जुलाई 2025 माह में कुल 22 मामले दर्ज किए, जिनमें 13 ट्रेप केस एक आय से अधिक संपत्ति का मामला, एक आपराधिक कदाचार का मामला, एक नियमित जांच और छह औचक निरीक्षण शामिल हैं।जनवरी से जुलाई तक, सात महीने की इस अवधि में , ब्यूरो ने 148 मामले दर्ज किए, जिनमें 93 ट्रैप मामले, नौ आय से अधिक संपत्ति के मामले, 15 आपराधिक कदाचार के मामले, 11 नियमित पूछताछ, 17 औचक निरीक्षण और तीन गोपनीय पूछताछ शामिल हैं। दस आउटसोर्सिंग कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों सहित कुल 145 लोक सेवकों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया। इस दौरान ब्यूरो ने ट्रैप मामलों में 30.32 लाख जब्त किए और 39.16 करोड़ से अधिक की आय से अधिक संपत्ति का पता लगाया। आप को याद होगा इस से पहले भी 12 जून 2025 को तेलंगाना के ही एक इंजीनियर पर भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया था . छापेमारी में इतनी संपत्ति मिली , जिसे देखकर जांच ऐजेंसी भी हैरान रह गयी. सवाल यही कि आखिर तेलंगाना में सिंचाई विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पास इतना पैसा आया कहां से. उसने अपने बेटे की थाईलैंड में डेस्टिनेशन वेडिंग की, जिसमें कथित तौर पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए. संपत्ति की अगर बात करें को उसके पास एक विला, तीन इंडिपेंडेंट बिल्डिंग्स, 19 प्राइम रेजिडेंशियल प्लॉट्स, करीब 4 फ्लैट और कई होटलों में हिस्सेदारी है. वह पेशे से तो सिंचाई विभाग में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर है, लेकिन लाइफस्टाइल ऐसा जैसे कोई रईस व्यापारी हो. एंटी करप्शन ब्यूरो ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर नुने श्रीधर से जुड़े 13 ठिकानों पर छापेमारी की.

इस दौरान ऐसी संपत्तियां बरामद की, जिससे पता चलता है कि ये सब उसकी कमाई से कहीं ज्यादा है. प्रॉपर्टी की लिस्ट में हैदराबाद के शेखपेट में स्काई हाई नाम के एक आलीशान रेंजिडेंशियल आवासीय परिसर में 4,500 वर्ग फुट का फ्लैट और करीमनगर में कम से कम तीन अन्य फ्लैट शामिल हैं.

ये मामले तो सिर्फ बानगी मात्र है देश भर में कमोबेश यही हालात बने हैं सरकारी कर्मचारी हो या अधिकारी बिना सुविधा शुल्क के कोई फाइल टस से मस करने को तैयार नहीं है।

संरक्षणवाद क्या अमेरिकी एकाधिकार को ख़त्म कर देगा ?

पंकज जायसवाल

हाल के वर्षों में अमेरिका ने वैश्विक व्यापार और प्रवासन नीतियों में कड़ा रुख अपनाया है। दरअसल, अमेरिकी प्रशासन ने अपने "अमेरिका फर्स्ट" एजेंडे के तहत बाहरी दुनिया से आने वाले सामान और टैलेंट पर कई तरह की बाधाएं लगाई हैं। एक ओर अमेरिका ने अपने इनलैंड में आयातित सामानों को महंगा करने के लिए टैरिफ बढ़ाए हैं जिससे विदेशी वस्तुएं महंगी हो जाएं और अमेरिकी उपभोक्ता अधिकतर घरेलू उत्पादों की ओर आकर्षित हों। दूसरी ओर, एच1बी वीज़ा और अन्य कार्य वीज़ाओं की लागत बढ़ाकर अमेरिका बाहर से आने वाले उच्चकुशल टैलेंट के लिए भी बाधाएं खड़ी कर रहा है। इस प्रकार अमेरिका अपने दरवाजे तो बंद कर रहा है, अपने चारों तरफ बैरियर को मजबूत कर रहा है लेकिन इस प्रक्रिया में सवाल यह है कि क्या अपने आपको अलग थलग करने की इस प्रक्रिया में क्या अमेरिका के पास खुद का अपना इतना टैलेंट है? खुद का इतना उत्पादन या अन्य देशों से आयात का विकल्प यदि है तो ठीक है अन्यथा कुछ वर्षों में यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था के एकाधिकार को ख़त्म कर देगा. विश्व इकॉनमी में पुनर्चिन्तन को जागृत कर अमेरिका ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है, यह उपरोक्त सवालों के हाँ या ना के जवाब पर निर्भर करेगा. ऐसा कैसे हो सकता है, इसका विश्लेषण करते हैं. अमेरिका ने प्रमुख देशों से आयातित सामानों पर टैरिफ बढ़ाकर अपने बाजार को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने का प्रयास किया है। यह कदम अमेरिका के औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने की दृष्टि से समझा जा सकता है लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह रणनीति दीर्घकाल में अमेरिका के लिए लाभकारी रहेगी? टैरिफ के कारण अमेरिका में आयात महंगा हो गया है, इससे अमेरिकी कंपनियों के लिए भी कच्चा माल और मशीनरी की लागत बढ़ी है। इसके परिणामस्वरूप उनके उत्पादन की लागत बढ़ी है. इससे केवल अमेरिका में ही नहीं, वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अमेरिकी उत्पाद अन्य देशों के मुकाबले महंगे हो सकते हैं। परिणामस्वरूप अमेरिका में घरेलू महंगाई के साथ उसका निर्यात भी महंगा हो सकता है. अगर अमेरिका के पास इस आयात के बैरियर को रोकने के बाद भी सस्ते आयात या उत्पादन का विकल्प है तो ठीक है अन्यथा यह निर्णय इसके खिलाफ ही जाने वाला है. एच1बी वीज़ा महंगा करने से अमेरिका के इनोवेशन और शोध में बाधा आनी ही आनी है. आज अमेरिका का दुनिया में एकाधिकार है. उसके मूल में उसका रिसर्च और इनोवेशन पर निवेश है लेकिन इस क्षेत्र में वह तकनीक और उच्चकुशलता के लिए विदेशी टैलेंट पर निर्भर है। सिलिकॉन वैली और अन्य टेक हब में विदेशियों की बड़ी संख्या काम कर रही है। एच1बी वीज़ा महंगा और कठिन करने का मतलब यह हुआ कि अब कंपनियों को बाहरी टैलेंट ढूंढना मुश्किल होगा। अगर अमेरिका के पास खुद पर्याप्त उच्चकुशल कर्मचारियों का भंडार नहीं है तो यह कदम अमेरिकी नवाचार और तकनीकी विकास को धीमा कर सकता है और उसे तकनीक की सिरमौर स्थिति से नीचे गिरा सकता है। यह नीति अमेरिका की आत्मनिर्भरता बनाम एकाधिकार की स्थिति में उसके अगुवा की स्थिति में संकट ला सकती है. यह अमेरिका को "आत्मनिर्भर" बनाने की दिशा में एक प्रयास हो सकती है लेकिन इसके साथ ही यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था के वैश्विक एकाधिकार को खतरे में डाल सकती है। यदि अमेरिका को अपने घरेलू संसाधनों और टैलेंट पर भरोसा करना संभव हो तो यह रणनीति सफल हो सकती है ।

उसके पास पहले से चल रहे अपने मेगा इनोवेटिव प्रोजेक्ट पर नए टैलेंट के आने की स्पीड धीमी हो सकती है.इससे आउटसोर्स पुनः बढ़ेगा। अमेरिका की इन नीतियों ने वैश्विक आर्थिक सोच को पुनः जागृत किया है। अन्य देशों को यह स्पष्ट संदेश गया है कि अमेरिका अब अपने हितों को प्राथमिकता देने की ओर बढ़ रहा है। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, निवेश प्रवाह और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों में बदलाव की संभावनाएं बढ़ गई हैं। कई देशों ने अब अमेरिका पर निर्भरता कम करने और अपनी उत्पादन और तकनीकी क्षमताओं को सुदृढ़ करने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा और विकल्प के नए आयाम बनने शुरू हो गए हैं. यदि अमेरिका के पास पर्याप्त घरेलू उत्पादन और उच्चकुशल मानव संसाधन उपलब्ध हैं तो यह नीति दीर्घकाल में सफल हो सकती है लेकिन यदि विकल्प सीमित हैं और वैश्विक सहयोग और आयात आवश्यक है तो अमेरिका ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था अब अमेरिका के संरक्षणवाद और स्वायत्तता की रणनीति को लेकर सतर्क है। संक्षेप में कहा जाए तो अमेरिका का संरक्षणवाद, टैरिफ और एच1बी में बाधाएं इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के पास खुद का पर्याप्त उत्पादन और टैलेंट है या नहीं। यह कदम अमेरिका को और अधिक आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बना सकता है।

"खामोशी का असरः परिवार और समाज पर संवादहीनता का बोझ"

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज का समय बहुत तेजी से बदल रहा है। तकनीकी प्रगति और व्यस्त जीवनशैली ने हमारे जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ ही एक गंभीर समस्या भी सामने आई है – संवाद हीनता। संवाद हीनता का अर्थ है बातचीत और विचारों के आदान-प्रदान की कमी। यह केवल शब्दों की कमी नहीं है, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जिसमें लोग अपनी भावनाओं, समस्याओं और अनुभवों को साझा नहीं कर पाते। परिवार, मित्रता और समाज सभी पर इसका गहरा असर पड़ता है। परिवार जीवन का वह आधार है जहाँ बच्चे और बड़े अपने अनुभव साझा करते हैं और आपसी समझ विकसित करते हैं। लेकिन आज, व्यस्त जीवन, डिजिटल साधनों का अधिक प्रयोग और पीढ़ियों के अंतर ने पारिवारिक संवादिता को कमजोर कर दिया है। माता-पिता अपने काम और जिम्मेदारियों में इतने व्यस्त रहते हैं कि बच्चों के साथ समय बिताना मुश्किल हो जाता है। वहीं, बच्चे स्कूल, कोचिंग और मोबाइल की दुनिया में उलझे रहते हैं। परिणामस्वरूप, घर में बैठकर खुलकर बातचीत करना लगभग कम होता जा रहा है।

डिजिटल दुनिया ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके दुष्परिणाम भी हैं। स्मार्टफोन, टीवी और सोशल मीडिया ने परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे से दूर कर दिया है। युवा सदस्य अधिक समय इन माध्यमों में व्यतीत करते हैं और आमने-सामने संवाद कम हो जाता है। ऐसे संवाद अक्सर सतही हो जाते हैं और भावनाओं की गहराई को व्यक्त नहीं कर पाते। पीढ़ियों का अंतर भी संवाद में बाधा डालता है। बुजुर्ग अनुभव और परंपरा पर भरोसा करते हैं, जबकि युवा आधुनिक दृष्टिकोण और स्वतंत्रता की ओर अधिक झुकाव रखते हैं। यह अंतर कभी-कभी परिवार में गलतफहमी और असहमति को जन्म देता है। छोटे-छोटे झगड़े या आलोचना भी भावनात्मक दूरी बढ़ा देती है और परिवार में मानसिक तनाव उत्पन्न करती है। संवाद हीनता केवल परिवार तक सीमित नहीं है। समाज में भी लोग अपनी राय, शिकायत या सुझाव साझा नहीं करते। इससे सहयोग और सामूहिक प्रयास कमजोर पड़ते हैं और गलतफहमियाँ बढ़ती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी मोहल्ले में सफाई या सुरक्षा संबंधी समस्या को साझा नहीं किया जाता, तो समाधान कठिन हो जाता है और विवाद पैदा हो सकते हैं। संवाद हीनता के कई कारण हैं। व्यस्त जीवनशैली, डिजिटल उपकरणों का अत्यधिक उपयोग, डर या शर्म की भावना, मानसिक तनाव, सामाजिक दूरी और पीढ़ियों के बीच अंतर—ये सभी मिलकर लोगों को खुलकर संवाद करने से रोकते हैं। इसके नकारात्मक प्रभाव व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर दिखाई देते हैं। व्यक्ति में अकेलापन और मानसिक तनाव बढ़ता है, आत्मविश्वास कमजोर पड़ता है। परिवार में विश्वास और समझ की कमी होती है। समाज में सहयोग और सामूहिक प्रयास कम हो जाते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे पहले, नियमित संवाद का समय निर्धारित करना जरूरी है। परिवार के साथ भोजन, चाय या वीकेंड पर बातचीत को प्राथमिकता दी जा सकती है। दूसरी महत्वपूर्ण बात है सुनने और समझने की आदत। आलोचना से बचकर, एक-दूसरे की बात ध्यानपूर्वक सुनना और समझना संवादिता को बढ़ाता है। तीसरी बात है साझा गतिविधियों का महत्व। खेल, यात्रा, हॉबीज़ या सामाजिक कार्यों में परिवार और दोस्तों को शामिल करने से संवाद प्राकृतिक रूप से बढ़ता है। डिजिटल उपकरणों का संतुलित उपयोग भी जरूरी है। मोबाइल और टीवी से समय निकालकर आमने-सामने बातचीत को प्राथमिकता देना चाहिए। साथ ही, अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करना भी आवश्यक है।

सिद्धपुरुष से संवाद

डॉ टी महादेव राव

जागने ही वाला था कि सुबह सुबह मोबाइल की घंटी ने नींद से जगा दिया। किसी अजनबी का फोन था। कहिए मैंने कहा। वहां से जवाब आया आप वहीं हैं जो चित्र विचित्र लेख लिखते हैं अखबारों में।

मैंने कहा लेख तो लिखता हूं लेकिन उसमें न चित्र होते हैं न कोई विचित्रता ही उसमें परिलक्षित होती है।

मेरा मतलब है ऊलजलूल। मेरे सबसे बड़े भैया को गरियाते लेख आप ही लिखते हैं।

मैं समझ गया यह कोई भक्त है, जो आज मुझसे भिड़ने वाला है। मैंने कहा बिलकुल सही। आपको दिक्कत क्या है?

दिक्कत? आप मेरे परम पूज्य बड़े भैया को इतनी सारी गालियां देते हो तो दिक्कत मुझे नहीं तो किसे होगी?

बिना अपना परिचय दिये काहे पसरे जा रहे हैं? बताइए।

मेरा नाम कमल पद्म सिद्धपुरुष है। मैं चंबल से बोल रहा हूं।

आपका सरनेम सिद्धपुरुष है? मतलब आप चंबल के डाकू हैं?

जो भी चंबल से बोलेगा तुमको डाकू ही लगता है क्या? अब हालात बदल गए हैं। मैं सिद्धयोगी हूं। सिद्धपुरुष नाम मुझे भक्तों ने दिया। हाँ ! सारे डाकू कुछ उधर बड़े बड़े उद्योगपति बन गए हैं, कुछ उधर साधू संन्यासी बने अपने अपने गुट मठ बना लिए हैं और बाकी बचे राजनीति में मज़ा ले रहे हैं। आप किस विषय में सिद्धि प्राप्त किए हैं प्रभू?

तुम फिर आ गए अपनी पे। खैर! तुम जो लिख रहे हो अच्छा नहीं कर रहे। मेरे भैया को झूठा, मक्कार, फरेबी, स्वार्थी, संकीर्ण, फेंकू, ढ़ोंगी और पता नहीं क्या क्या कह कर गालियां बरसा रहे हो अपने लेखों में।

मैंने इतनी सारी बातें आपके भैया के बारे में नहीं कही। झूठा, स्वार्थी, फेंकू और ढ़ोंगी कहा। आप तो अपनी तरफ से कुछ और विशेषण जोड़कर उनका प्रशस्ति गान करने लगे तो मैं क्या करूँ? बोलिए।

तुम्हें यह सब बंद करना होगा। वरना मैं छठी का दूध याद दिला दूंगा। समझे! सिद्धपुरुष भड़क रहे थे। देखिये। यह मुश्किल होगा क्योंकि इस उम्र में आप छठी का दूध याद नहीं दिला सकते। रही बात लिखने की, मैं तो लिखता रहूँगा। कोई कैसे मुझे रोक सकता है? लोकतन्त्र है। अभिव्यक्ति की आज़ादी है। जो गलत है उसे गलत तो कहना ही होगा, वरना लोगों का अहंकार बढ़ता, आपके क्रोध की तरह चढ़ता जाएगा। अब जो भी मैं लिखता हूं, उसमें गलत क्या है? सारी बातें तो सच हैं न?

सत्य के देव हरिश्चंद्र जी के कलयुगी अवतार! क्या तुमने सचाई का ठेका ले रखा है। तुम चेत जाओ वरना जो मुझे सिद्धि प्राप्त है, उससे मैं तुम्हें श्राप दूंगा। तहस नहस कर दूंगा। मिट्टी में मिला दूंगा। मैं श्राप वाप नहीं लेता। देना है तो कुछ काम की चीज़ें दीजिये। रही बात तहस नहस की, मैं आपको सलाह देता हूं, आप धर्मेन्द्र की पुरानी फिल्में देखना बंद कीजिये। पिशाच और भूत को नियंत्रण में रखा है, उन्हें भेजकर तुम्हें खत्म कर दूंगा।

अच्छा तो आप तांत्रिक हैं, सिद्ध नहीं।

मैं स्वयं आकर तुम्हें मजा चखाऊंगा। बताओ तुम रहते कहां हो? ओडिसा या छत्तीसगढ़ में?आप पता लगा लीजिए, ज्ञानी तांत्रिक सिद्ध पुरुष हैं आप। उसके बाद बिना किसी संवाद के फोन कट गया। मैं सुबह की सैर पर जाने की तैयारी करने लगा।

भाप लेना शरीर की बहुत-सी तकलीफों में आराम पहुंचाता है

सांस की समस्याओं से राहत

ज़ुकाम, खांसी और सिनसाइटिस के लक्षणों से छुटकारा दिलाने में भाप अत्यंत सहायक है, क्योंकि भाप लेने से उपयुक्त नमी के साथ गर्माहट भी मिलती है। इसे स्टीम थैरेपी भी कहते हैं जिसमें गर्म पानी की भाप को इन्हेल किया जाता है। भाप लेने से नाक, गले, और छाती को भी आराम मिलता है, कई शोध में देखा गया है कि गर्म नम हवा नासिका रंध्रों, गले और फेफड़ों में बलगम को हल्का करके राहत पहुंचाती है। इससे रंध्रों में जमे हुए और सूजे हुए ब्लड वेसेल्स यानी रक्त वाहिकाओं को राहत मिलती है जिससे सांस लेने में आसानी होती है और श्वसन तंत्र भी मज़बूत होता है। इसके अलावा अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से भी आराम मिल सकता है।

त्वचा के लिए सुरक्षा कवच

भाप लेने से चेहरे की थकान दूर होती है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इसके साथ ही ये चेहरे के रोम छिद्रों को खोलने में भी मदद करता है। ये ब्लैकहेड्स से भी छुटकारा दिलाने में सहायक है क्योंकि भाप लेने से ये मुलायम हो जाते हैं जिससे इन्हें आसानी से निकाला जा सकता है। ये लंबे समय तक त्वचा को जवां बनाए रखने में सहायक है। उम्र बढ़ने के साथ ही, आपकी त्वचा पर झुर्रियां आने लगती है। पर स्टीम लेने से मृत त्वचा कोशिकाओं से छुटकारा मिलता है और त्वचा की चमक बढ़ती है। स्टीम लेने से ये गंदगी बाहर निकल जाती है जिससे पिंपल्स की समस्या भी दूर होती है। डार्क सर्कल की समस्या दूर होने के साथ ही आंखों की थकान भी मिटती है। इसके अलावा भाप लेने से शरीर के विषैले पदार्थ, जैसे कीटाणु, बैक्टीरिया और अन्य संक्रमण भी बाहर निकल सकते हैं।

तनाव और थकान से राहत

भाप लेने से तनाव कम हो सकता है। इसके साथ ही दिल की धड़कन भी सामान्य होती है, जिससे शारीरिक और मानसिक थकान से निजात पाई जा सकती है।

सावधानियों से समाधान

भाप लेते समय सावधानी बरतना भी ज़रूरी है। अगर आपको खांसी, ज़ुकाम, अस्थमा जैसे लक्षण हैं या किसी रोग का संदेह है, तो डॉक्टर से सलाह लेना सबसे अच्छा है। वे आपको आपकी स्थिति के अनुसार सही उपाय बता सकते हैं।

भाप लेते समय ध्यान रखें कि आपका चेहरा बर्तन के ज़्यादा नज़दीक न हो।

पानी को अधिक गर्म न करें।

यदि आपके चेहरे के पोर्स ज़्यादा खुले हुए हैं तो भाप लेने से बचें।

भाप लेना कई प्रकार से लाभदायक है पर इसे अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से शामिल न करें। साथ ही, चिकित्सक से परामर्श लेकर ही भाप लें।

डीजे की तेज आवाज ले सकती है आपकी जान हार्ट अटैक और ब्रेन हेमरेज का खतरा, बरतें सावधानी

त्योहारों के इस सीजन में हर तरफ चहल-पहल और धूम देखी जा रही है। डीजे-लाइउडस्पीकर की आवाज चारों तरफ गूंज रही है, पर क्या आपने कभी सोचा कि बहुत तेज आवाज में बजने वाले डीजे जानलेवा भी हो सकते हैं?

बीते दिनों रांची से ऐसा ही एक मामला सामने आया जहां कथित तौर पर डीजे की तेज आवाज के कारण दो माह की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के पिता ने इसे लेकर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान पीड़ित के घर के निकट तेज आवाज में डीजे बज जा रहा था, जिससे घर के बड़े और बच्चे परेशान थे। आयोजकों से डीजे की आवाज कम करने का अनुरोध किया गया, लेकिन उन लोगों ने बात को अनसुना कर दिया गया। तेज आवाज के चलते बच्ची की तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक बच्ची की मौत हार्ट अटैक की वजह से हुई।

अब सवाल ये है कि डीजे की तेज आवाज का हमारी सेहत पर किस तरह से असर होता है और ये किन स्थितियों में जानलेवा हो सकती है?

डीजे की तेज आवाज से मौत के मामले

ये कोई पहला मामला नहीं है, जहां डीजे की तेज आवाज जानलेवा साबित हुई है। ऐसे मामलों की भरमार है।

पिछले साल सितंबर में रायपुर में 40 वर्षीय एक व्यक्ति को तेज आवाज में बज रहे डीजे के कारण ब्रेन हेमरेज हो गया था। डॉक्टर इस असामान्य मामले को देखकर दंग रह गए थे, क्योंकि उस व्यक्ति को उच्च रक्तचाप, अन्य बीमारियों का कोई इतिहास नहीं था। तेज आवाज के कारण अचानक मरीज को चक्कर आने लगा और वह बेहोश हो गया। डॉक्टरों नें बाद में ब्रेन हेमरेज की पुष्टि की।

इसके अगले ही महीने मध्यप्रदेश में डीजे पर एक कार्यक्रम के दौरान डांस कर रहे 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई थी। डॉक्टर्स ने पाया था कि तेज आवाज ने हार्ट अटैक की स्थिति को ट्रिगर कर दिया था।

सितंबर 2023 में सांगली में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हाई डेसिबल ध्वनि के संपर्क में आने से दो लोगों की मौत हो गई थी।

तेज आवाज वाले डीजे क्यों इतने खतरनाक?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, तेज आवाज वाला डीजे या बहुत हाई डेसिबल ध्वनि का संगीत केवल कानों पर असर नहीं डालता, बल्कि यह सीधे दिल की धड़कनों को भी प्रभावित करता है। हमारे शरीर में दिल की धड़कनें नर्वस सिस्टम (सिम्पैथेटिक और पैरासिम्पैथेटिक सिस्टम) से नियंत्रित होती हैं। जब तेज आवाज अचानक कानों में पड़ती है तो शरीर स्ट्रेस रिस्पॉन्स एक्टिवेट कर देता है। इसका मतलब है कि शरीर इसे एक खतरे का संकेत मानता है और एड्रेनालिन हार्मोन तेजी से रिलीज करता है।

इस कारण दिल की धड़कनें तेज हो जाती हैं, ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ सकता है वहीं लगातार ऐसी स्थिति रहने पर एरिथमिया यानी अनियमित धड़कन का खतरा बढ़ जाता है। ये सभी स्थितियां हार्ट अटैक का कारण बन सकती हैं।

85 डेसिबल से ज्यादा तेज आवाज खतरनाक

शोध बताते हैं कि 85 डेसिबल से ज्यादा तेज आवाज के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण हृदय स्वास्थ्य के लिए खतरा बढ़ जाता है। डीजे का साउंड लेवल अक्सर 100-120 डेसिबल तक होता है, जो बेहद खतरनाक माना जाता है। इसका सीधा असर उन लोगों पर ज्यादा पड़ता है जिन्हें पहले से हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक का इतिहास या डायबिटीज जैसी समस्याएं हैं।

तेज आवाज की वजह से नसें सिकुड़ सकती हैं, जिससे दिल पर अचानक दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक का खतरा दोगुना तक बढ़ सकता है।

फट सकती है दिमाग की नस

अध्ययनों से पता चलता है कि हाई-डेसिबल वाली आवाज दिल के साथ मस्तिष्क के लिए भी खतरनाक है। ये तनाव प्रतिक्रिया उत्पन्न करके, रक्तचाप बढ़ा देती है। इससे धमनियों के सख्त होने और उनके फटने का खतरा हो सकता है।

भारत में दर्ज 2024 के एक मामले से पता चलता है कि अत्यधिक तेज आवाज वाले डीजे के कारण एक व्यक्ति को ब्रेन में रक्तस्राव हुआ जिसे पहले कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं थी। शोध यह भी दर्शाते हैं कि तीव्र आवाज ब्रेन हेमरेज के खतरे को भी बढ़ा सकती है।

सरकारी प्रयोगशालाओं की खोज बनी आम लोगों की जीवनदायनी

.मुख्यमंत्री योगी और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने की प्रशंसा

चरक का आयुर्वेद अब आम जन को नए रूप में लाभान्वित कर रहा है। हर्बल फार्मूलों से बनी सुरक्षित दवाएं प्रयोगशाला से निकलकर सीधे मरीजों तक पहुंच रही हैं। लखनऊ स्थित सीएसआईआर की तीन प्रमुख प्रयोगशालाएं एनबीआरआई, सीमैप और सीडीआरआई ने 13 महत्वपूर्ण हर्बल दवाएं विकसित की हैं। इनमें डायबिटीज की दवा बीजीआर-34, रक्त कैंसर के लिए अर्जुन की छाल से बनी पैक्लिटैक्सेल और फैटी लीवर व लीवर कैंसर के लिए पिक्रोलिव प्रमुख हैं।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने हाल में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनउ में आयोजित सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव ने कहा कि देश में सरकारी प्रयोगशालाओं के शोध अब निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा आम जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने इस मौके पर इस सहयोग को नए सिरे से रेखांकित किया। यहां पहली बार एक ही मंच पर शोध संस्थानों, स्टार्टअप्स और नीति-निर्माताओं ने भाग लिया है। मंत्री ने कहा कि यह 'प्रयोगशाला से जनमानस तक' की अवधारणा का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने स्टार्टअप को प्रोत्साहित किया कि वे हर्बल दवाओं को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी प्रतिस्पर्धी बनाएं। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और वैज्ञानिकों को इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कॉन्क्लेव में सबसे ज्यादा चर्चा बीजीआर-34 पर रही। इसे लखनऊ स्थित राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान संस्थान (एनबीआरआई) और सीमैप ने छह प्रमुख जड़ी-बूटियों दारुहरिद्रा, गिलोय, विजयसार, गुड़मार, मंजिष्ठा और मेथी से विकसित किया है। यह दवा न केवल ब्लड शुगर नियंत्रित करने में मदद करती है बल्कि लंबे समय में डायबिटीज रिवर्सल की दिशा में भी कारगर मानी जा रही है।

इस दवा को बाजार में आम लोगों तक पहुचाने वाली कंपनी के कार्यकारी निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने कहा, दुनिया अब केवल डायबिटीज कंट्रोल नहीं बल्कि डायबिटीज रिवर्सल पर जोर दे रही है। बीजीआर-34 जैसे भारतीय फार्मूले आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान का मेल हैं और यही भविष्य में डायबिटीज-मुक्त समाज का आधार बन सकते हैं। इस कानक्लेव की सबसे बड़ी उपलब्धि यह दिखाना रही कि सरकारी प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीक कैसे स्टार्टअप और उद्योग जगत की मदद से बाजार तक पहुंच रही हैं।

यह आयोजन ऐसे समय में हुआ है जब दुनियाभर में प्राकृतिक और हर्बल उपचारों की मांग बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के पास इस क्षेत्र में वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित फार्मूलों के जरिए विश्व बाजार में नेतृत्व करने का बड़ा अवसर है। डॉ. संचित शर्मा के शब्दों में, यह केवल दवा नहीं, बल्कि विज्ञान और परंपरा का ऐसा मॉडल है जो आने वाले वर्षों में वैश्विक हेल्थकेयर एजेंडा तय कर सकता है।₹ बता दें कि केंद्रीय सरकार की प्रयोगशालाएं एनबीआरआई और सीमैप जैसे दूसरे शोध संस्थाएं वर्तमान में औषधीय पौधों की उन्नत किस्मों पर भी शोध कर रही हैं। इससे किसानों को बेहतर उत्पादन और अधिक आय का अवसर मिलेगा। वहीं, मरीजों को सस्ती और दुष्प्रभाव रहित दवाएं मिलेंगी।

युवाओं में बढ़ती हृदय की बीमारियों से बचाव के लिए डॉक्टर ने दिए पांच जरूरी टिप्स

हृदय रोग वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती समस्या है जिसका शिकार सभी उम्र के लोग हो रहे हैं। युवा आबादी में भी ये दिक्कत बढ़ती देखी जा रही है। हालिया रिपोर्ट्स में बैठे-बैठे, जिम के दौरान हार्ट अटैक और इसके कारण मौत के कई मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण हृदय रोगों का खतरा बढ़ता जा रहा है जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

एक अध्ययन में पाया गया कि कई कारक हैं जो हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट के खतरे को बढ़ा रहे हैं। पारिवारिक इतिहास के साथ, खराब आहार, मोटापा, शारीरिक गतिविधियों की कमी, शराब का सेवन, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल इन समस्याओं के लिए आपका खतरा बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को हार्ट की समस्या रही है उन्हें और भी सावधानी बरतते रहनी जरूरी है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉ बताते हैं, हृदय को स्वस्थ रखने के लिए कम उम्र से ही प्रयास करते रहना जरूरी है। संभावित हृदय संबंधी समस्याओं का समय रहते पता लगाने के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच जरूर कराएं। इसके साथ आहार और दिनचर्या को ठीक रखने वाले उपाय करके कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल में रखें। कोलेस्ट्रॉल का बढ़ा हुआ स्तर धमनियों में प्लाक के निर्माण को बढ़ावा दे सकता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा रहता है। अपने वजन को कंट्रोल बनाए रखना हृदय पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव कम करने के लिए जरूरी है।

हार्ट को स्वस्थ रखने के लिए क्या उपाय

शराब-धूम्रपान को कहें न

हृदय को स्वस्थ बनाए रखने के लिए शराब-धूम्रपान दोनों से दूरी बनाकर रखना बहुत जरूरी है। धूम्रपान धमनियों की परत को नुकसान पहुंचाने और प्लाक बनने को जोखिमों को बढ़ा सकता है। इन स्थितियों में हृदय रोगों का जोखिम काफी हद तक बढ़ा देता है। धूम्रपान की ही तरह शराब का सेवन भी नुकसानदायक है। शराब पीने से रक्तचाप बढ़ सकता है और हृदय की लय में गड़बड़ी हो सकती है, इससे दीर्घकालिक हृदय रोगों का जोखिम काफी बढ़ जाता है।

सुनें दिल की आवाज

हृदय की किसी भी समस्या को कभी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर की आवाज सुनें। अगर आपको सीने में दर्द, सांस फूलने की दिक्कत बनी रहती है तो ये हृदय की गंभीर समस्याओं की तरफ इशारा हो सकता है जिसपर समय रहते ध्यान देना औप उपचार प्राप्त करना जरूरी है। धड़कनों का बढ़ा रहना या अत्यधिक थकान महसूस होते रहना भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

अच्छी नींद लेना जरूरी

नींद की कमी या अनिद्रा जैसे समस्याएं संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली हो सकती हैं, इससे आपके दिल की सेहत पर भी नकारात्मक असर होने का जोखिम रहता है। दिल को स्वस्थ रखने वाली दिनचर्या में नींद एक अनिवार्य हिस्सा है। रोज रात में कम से कम 6-8 घंटे की नींद जरूर लें। गुणवत्तापूर्ण नींद को प्राथमिकता देकर न सिर्फ आप कार्डियोवैस्कुलर समस्याओं से बचे रह सकते हैं साथ ही ये आपको कई अन्य बीमारियों से भी बचाती है।

तनाव कम करें

ज्यादा तनाव लेना आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। लंबे समय तक बनी रहने वाली तनाव की स्थिति हृदय को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली मानी जाती है। स्ट्रेस के कारण कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर काफी बढ़ जाता है जिसे रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल दोनों के बढ़ने का खतरा रहता है।

रोज व्यायाम से फायदे

फिटनेस पर ध्यान देना, नियमित व्यायाम की आदत हार्ट को स्वस्थ रखने में मददगार है। इसके लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम जरूर करें। मध्यम-तीव्रता वाले व्यायाम जैसे तेज चलना, जॉगिंग, साइकिल चलाना या तैराकी आपके हार्ट के लिए लाभकारी है। व्यायाम की आदत वजन कम रखने, कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप के स्तर नियंत्रित बनाए रखने में सबसे फायदेमंद हो सकती है।

बढ़ता प्रदूषण कहीं रोक न दे आपके दिल की धड़कन?

गड़बड़ लाइफस्टाइल, खान-पान में अशुद्धि, नमक-चीनी के अधिक सेवन से सेहत पर गंभीर असर होता है। ये कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का कारण बन सकती हैं। यही कारण है कि डॉक्टर सभी लोगों को कम उम्र से ही अपनी दिनचर्या और खान-पान में सुधार करने की सलाह देते हैं। हालांकि आपकी सेहत के लिए बस यही दुश्मन नहीं हैं। हम रोजाना ऑक्सीजन के रूप में जो हवा ले रहे होते हैं, उसके कारण भी जोखिम बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बढ़ता वायु प्रदूषण धीरे-धीरे हमारे शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। हवा में बढ़ते सूक्षण कण, जहरीली गैसें और धुआं के कारण जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। इससे हृदय स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

वायु प्रदूषण और इसका शरीर पर असर

वायु प्रदूषण हमारे शरीर के लगभग हर हिस्से को प्रभावित करता है। हवा में मौजूद बेहद छोटे कण (PM2.5) हमारी सांस के साथ सीधे फेफड़ों में चले जाते हैं और वहां से खून में मिल जाते हैं। इसके अलावा प्रदूषित हवा में मौजूद सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि वायु प्रदूषण वाली जगहों पर रहने वाले लोगों में इसके दुष्प्रभाव सिर्फ फेफड़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह दिल, दिमाग, किडनी, यहां तक कि प्रजनन क्षमता तक को प्रभावित कर सकता है।

वायु प्रदूषण से हृदय को कैसे खतरा?

अक्सर ये मान लिया जाता है कि वायु प्रदूषण सिर्फ फेफड़ों की समस्या बढ़ाता है, लेकिन असल में इसका सबसे बड़ा खतरा हृदय

स्वास्थ्य को होता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि लंबे समय तक वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने वाले लोगों में हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा 20-30% तक बढ़ जाता है।

धमनियों में कैल्शियम का यह निर्माण हृदय और अन्य प्रमुख रक्त वाहिकाओं में खून के संचार को सीमित कर सकता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

हार्ट अटैक-स्ट्रोक का जोखिम

इसके अलावा वायु प्रदूषण ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन को बढ़ाकर भी हृदय स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। इससे रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचता है जिससे कारण हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हृदय गति रुकने जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं।

वायु प्रदूषण के कारण होने वाली सूजन और तनाव की स्थिति एंडोथेलियल डिस्फंक्शन का कारण बनती है, जहां रक्त वाहिकाएं ठीक से काम करने की अपनी क्षमता खो देती हैं। इसके कारण भी उच्च रक्तचाप और धमनियों में प्लाक बनने का जोखिम बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण से कैसे करें बचाव?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वायु प्रदूषण से पूरी तरह बचना कठिन है, लेकिन कुछ उपाय अपनाकर हम इसके खतरों को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

सबसे जरूरी है मास्क का इस्तेमाल करें। मास्क गंदी-प्रदूषित हवा के कणों को रोकने में सबसे असरदार हैं।

रोजाना अपने शहर के प्रदूषण का स्तर देखें। एक्यूआई ज्यादा होने पर घरों से बाहर कम निकलें।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर आहार जैसे फल, सब्ज़ियां, ग्रीन टी शरीर को प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

खूनी बवासीर का उपचार बताएं

प्रश्न : वजन कम करने के लिए क्या करना चाहिए?

- जगदीप देसी, हैदराबाद

उत्तर : वजन क्यों कारणों से बढ़ा है - सबसे पहले यह जानना जरूरी है ।अनुवांशिक कारणों से बड़ी स्थूलता को कम करना मुश्किल है। कोई औषध सेवन से अचानक बढ़ी स्थूलता को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। एनाबालिक स्टिराइड्स भी मोटापा बढाते हैं। आरामपसंद जीवन और चर्बी वाले आहार इसमें योगदान देते हैं।

व्यक्ति विशेष क्या काम करता है उसका शरीर से कितना परिश्रम होता है- यह जानने पर उसे क्या क्या खाना चाहिए, तय किया जा सकता है। कम भोजन या संतुलित भोजन व अधिक मेहनत वाले काम करने से ही वजन में कमी आ सकती है । चीनी, मक्खन , तले पदार्थ व शराब का सेवन न करें। गाजर, मूली, सलाद कच्चे फल व हरी सब्जियां अधिक मात्रा में लेने। रोज कसरत करेंन। सुबह टहलने की आदत डालें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना बंद करें।

औषध में ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु - भोजन के आधा घंटे पहले गुनगुने पानी से लें । भोजन के बाद वृक्षाम्ला केप व ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टिकिया लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा कुमारीआसव, लोहासव व रोहितकासव प्रत्येक की 10-10 मिली लीटर दवा को दोगुनी पानी में मिलाकर सेवन किया करें। कसरत व औषध सेवन दो मंडल (80 दिन) तक लागू रखें।हर हालत में बढा हुआ वजन व शरीर की स्थूलता कम होने लगेगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है डॉक्टर कहता है कि मेरी ताप तिल्ली बढ़ गई है। हमेशा पेट सख्त रहता है। खून की कमी है ।थकावट जल्दी आती है, हल्का ज्वर भी बना रहता है ।आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- गोविंदा रेड्डी, कामारेड्डी

उत्तर : ताप तिल्ली यानी स्प्लीन अमाशय के पास स्थित लाल रंग की एक पोली ग्रंथि है, जो भ्रूण अवस्था में लाल रक्ताणु निर्माण, युवावस्था में लसीकाणु- श्वेताणु निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य करती है । यह रक्त भंडारण वह लाल रखता हूं कि कब्रगाह है । यह उसमें से हिमोग्लोबिन को अलग करती है। तिल्ली को प्लीहा भी कहते हैं। यह विषम ज्वर(मलेरिया), काला ज्वर, जलोदर , रक्त कैंसर एवं रक्ताल्पता में बढ़ जाती है। इन लोगों को रक्त परीक्षण व विशेष जांच से सुनिश्चित किया जा सकता है।

बढ़ी हुई तिल्ली और उससे उत्पन्न थकान कमजोरी का आयुर्वेद में उपचार है । विषमज्वरान्तक लौह टिकिया या ऊंझा ताप्यादि लौह टिकिया व ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया के संग भोजन के बाद उबालकर ठंडे किए पानी से देवें। औरा लिविन्झ टैबलेट भी इसमें अति हितकारी है। भोजन के बाद रोहितकासव, अमृतारिष्ट व ऊंझा पुनर्नवासव - तीनों की 10-10 मिलीलीटर दवा को 3 गुना पानी में मिलाकर देवें। यह किसी भी प्रकार की प्लीहा वृद्धि, उदर रोग, गुल्म, रक्ताल्पता, उग्र शोथ व कमजोरी थकान को दूर करता है । औषधि सेवन काल में अचार, तले पदार्थ , तीखे मिर्च मसाले , व नमक का परहेज करें। बासी भोजन ना करें । दिवाशयन से बचें। अवश्य लाभ होगा।

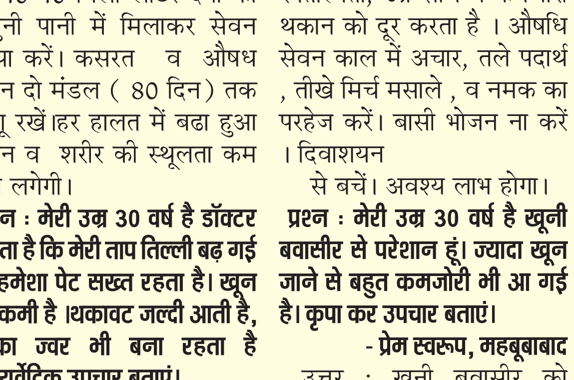

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है खूनी बवासीर से परेशान हूं। ज्यादा खून जाने से बहुत कमजोरी भी आ गई है। कृपा कर उपचार बताएं।

- प्रेम स्वरूप, महबूबाबाद

उत्तर : खूनी बवासीर को आयुर्वेद में ₹ रक्तार्शर₹ कहते हैं इसे ही ब्लीडिंग पाइल्स भी कहते हैं। इस रोग का प्रमुख कारण है मलबद्धता यानी कब्जियत। खूनी बवासीर से कमजोरी जल्दी आती है। इसलिए इस रोक को ज्यादा बढ़ने देना उचित नहीं होता। इस रोग में परहेज जरूरी है। हरी मिर्च, लाल मिर्च, काली मिर्च, गरम तासीर की चीजें, बासी भोजन पूरी तरह से बंद कर देना। चाहिए मांसाहारी भोजन का त्याग कर देना चाहिए। बादी की चीजें - खासकर कोहड़ा, अरबी, आलू , भिंडी, गोभी, बैगन, गवारफली ,उड़द की दाल व सभी गरिष्ठ पदार्थ बंद कर देना चाहिए।

* औरा पाइलेज टिकिया ऊंझा, अर्शोघ्नी वटी , शोणितागर्ल रस टेबलेट भोजन के बाद दिन में तीन बार लेवे । खूनी बवासीर में बहुत जल्दी आराम मिलेगा।

* भोजन के बाद उंझा अभयारिष्ट और ऊंझा वासकासव 15-15मिली लीटर दवा को दोगुने जल के साथ मिलाकर सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है।

* रक्तार्श के मस्से पर अर्शकियर क्रीम लगाएं। या मक्खन में कपूर फेंट कर रख लें। इसे दिन में दो-तीन बार लगाने से काफी आराम मिलता है।

* रात सोने से पहले सत ईसबगोल 3 भाग त्रिफला चूर्ण एक भाग मिलाकर लेवे या औरा लेक्झोल पाउडर या ऊंझा निरोग चूर्ण सोने से पहले, पानी से लेवे। पंचसकार चूर्ण भी लिया जा सकता है। इन्हीं लेने से कब्जियत मिटेगी और मल शुद्धि में आसानी होगी। कॉन्स्टिपेशन मिटने से खूनी बवासीर भी समाप्त होगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

अमेरिका ने एच-1बी वीजा फीस बढ़ाई तो चीन लाया के-वीजा

टैलेंटेड युवाओं को बुलाना मकसद, चीनी कंपनी में नौकरी के ऑफर बिना भी आवेदन कर सकेंगे

बीजिंग, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने प्रोफेशनल्स के लिए एच-1बी वीजा की फीस करीब 6 लाख से बढ़ाकर 88 लाख कर दी है। इस बीच चीन ने नया 'के-वीजा' शुरू करने का ऐलान किया है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक के-वीजा साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ (एसटीईएम) से जुड़े युवाओं और स्किल्ड प्रोफेशनल्स के लिए है। यह 1 अक्टूबर, 2025 से जारी होगा।

इन सब्जेक्ट्स में रिसर्च कर रहे कैंडिडेट भी के-वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे। खास बात यह है कि चीनी कंपनी से नौकरी का ऑफर न होने पर भी इस वीजा के लिए आवेदन कर सकेंगे।

अमेरिका ने 21 सितंबर से एच-1बी वीजा फीस बढ़ा दी है। इससे प्रोफेशनल्स को अमेरिका जाने में मुश्किलें होंगी। ऐसे में चीन के के-वीजा को एच-1बी का विकल्प माना जा रहा है।

इस बीच ब्रिटेन भी हाई स्किल्ड लोगों के लिए वीजा फीस खत्म करने पर विचार कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक जिन लोगों ने दुनिया के टॉप 5 यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की है या फिर कोई बड़ा इंटरनेशनल अवार्ड जीता है, उनकी पूरी वीजा फीस माफ हो जाएगी।

फिलहाल, ब्रिटेन के ग्लोबल टैलेंट वीजा की आवेदन फीस 766 पाउंड (करीब 90 हजार) है। 26 नवंबर के बजट से पहले इसे खत्म करने का ऐलान हो सकता है।

चीन अभी 12 तरह के वीजा जारी करता है। अभी चीन में काम करने के लिए आर-वीजा या जेड-वीजा का इस्तेमाल किया जाता है। जेड-वीजा की वैधता 1 साल की है। जबकि आर-वीजा में ठहरने के लिए सिर्फ 180 दिन मिलते हैं। आर वीजा के लिए कोई फीस नहीं लगती, लेकिन इसकी आवेदन प्रक्रिया लंबी और पेचीदा है। इसलिए यह सफल नहीं हो पाया।

वहीं, के वीजा में विदेशियों को ज्यादा समय तक चीन में रहने की सुविधा मिलेगी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि यह कितने समय के लिए होगी। के-वीजा में कुछ ऐसी सुविधाएं दी गई हैं, जो अभी चल रहे जेड वीजा में नहीं है। जेड वीजा वाला विदेशी व्यक्ति अगर चीन में काम करना चाहता है, तो उसे पहले किसी चीनी कंपनी या संस्था से नौकरी का प्रस्ताव या स्पॉन्सरशिप चाहिए होती है। लेकिन के-वीजा में यह नियम नहीं है। इसमें आवेदक को किसी स्थानीय कंपनी की जरूरत नहीं है। बस उसकी योग्यता, जैसे आयु, शिक्षा और काम का अनुभव देखा जाएगा। इससे विदेशी पेशेवरों के लिए आवेदन करना आसान हो जाएगा।

अलग-अलग देशों के लिए के-वीजा से जुड़ी डिटेल जानकारी चीनी दूतावास और कॉन्सुलेट जारी करेंगे। चीन सरकार ने अगस्त में इस फैसले को मंजूरी दी थी। जेड-वीजा में किसी चीनी कंपनी की नौकरी मिलनी जरूरी है और वीजा सिर्फ उसी कंपनी के लिए वैध होता है। नौकरी बदलने पर नया वीजा लेना पड़ता है। के-वीजा के साथ ऐसा कोई नियम नहीं होगा। शिक्षा और अनुभव के आधार पर सीधे आवेदन किया जा सकता है।

के-वीजा फीस के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वहीं, जेड वीजा की फीस हर देश के नागरिकों के लिए अलग-अलग होती है।

कनाडा में खालिस्तानी आतंकी इंदरजीत अरेस्ट

ओटावा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी इंदरजीत सिंह गोसल को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिससे एक बार फिर से पता चलता है कि किस तरह से कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों का नेटवर्क फैल रहा है। इंद्रजीत गोसल, जो 36 साल का है, वो 'सिख फॉर जस्टिस' नाम के आतंकी संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नून का करीबी साथी है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओंटारियो में इंदरजीत सिंह गोसल को गिरफ्तार किया गया है। उसपर हथियारों को रखने को लेकर कई तरह के गंभीर आरोप हैं। गोसल पिछले साल जून 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से एसएफजे कनाडा में प्रमुख आयोजक बन गया था। निज्जर की मौत के बाद पन्नून ने गोसल को अपने सबसे भरोसेमंद आदमी के रूप में चुना था। गोसल की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब भारत और कनाडा दोनों ने अपने संबंधों को सुधारने और आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए सहयोग की नई दिशा पर सहमति जताई है।

यूएन की बैठक से पहले आईडीएफ ने खाली कराया गाजा अस्पताल

यरूशलम, 22 सितंबर (एजेंसियां)। फिलिस्तीन को देश की मान्यता देने के लिए होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से पहले इस्राइल ने बड़ी कार्रवाई की। इजरायली सेना ने गाजा सिटी अस्पताल को खाली कराया है। वहीं इटली के यूनियनों ने गाजा के लोगों के प्रति समर्थन दिखाते हुए 24 घंटे की हड़ताल का ऐलान किया है। इसके चलते इटली से इजरायल जा रही विस्फोटकों की खेप को रोक दिया गया।

दो साल से युद्ध से जूझ रहा गाजा इजरायली हमलों के चलते खंडहर में तब्दील हो चुका है। साथ ही अकाल से जूझ रहा है। फलस्तीनी अधिकारियों ने बताया कि इजरायली सेना ने सोमवार को जॉर्डन अस्पताल को खाली करने का आदेश दिया।

इससे पहले सेना ने गाजा शहर में सभी फलस्तीनियों को दक्षिण की ओर, मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी की ओर जाने का आदेश दिया। उसने सहायताकर्मियों को निजी संदेशों में बताया कि अस्पतालों को छोड़कर सभी

इटली ने रोकी इजरायल जा रही विस्फोटकों की खेप

मानवीय सहायता केंद्रों को खाली कर दिया जाना चाहिए। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक डॉ. मुनीर अल-बुश ने बताया कि अस्पताल में कम से कम 300 मरीज हैं। साथ ही चिकित्सा कर्मचारी और मरीजों के परिवार के सदस्य भी हैं।

फ्रांस द्वारा फलस्तीनी देश को मान्यता दिए जाने से पहले रविवार शाम को एफिल टॉवर पर एक विशाल स्क्रीन पर दो झंडे और एक जैतून की शाखा के साथ एक कबूतर को छोड़ा गया। शहर की मेयर ऐनी हिडाल्गो ने कहा कि इसका उद्देश्य फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पहल के प्रति पेरिस का समर्थन दर्शाना था। जिसे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में औपचारिक रूप दिया जाएगा। हिडाल्गो ने लिखा कि पेरिस शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इसके लिए पहले से कहीं अधिक दो-राज्य समाधान की आवश्यकता है और सभी फलस्तीनी और इजरायल नागरिक पीड़ितों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। इटली की यूनियनों ने गाजा के लोगों के साथ एकजुटता दिखाते हुए 24 घंटे की हड़ताल का आह्वान किया है। देश भर में हुए धरना-प्रदर्शनों के साथ-साथ हड़ताल से सार्वजनिक परिवहन, रेलगाड़ियां, स्कूल और बंदरगाह प्रभावित होंगे। यूनियनों ने गाजा के लोगों द्वारा झेली जा रही हिंसा के प्रति इटली और यूरोपीय संघ सरकारों की निष्क्रियता की निंदा की है। एक इतालवी मेयर ने कहा कि स्थानीय प्रशासकों के पत्र के बाद रवेना बंदरगाह ने इजरायल को विस्फोटक ले जाने वाले दो कंटेनरों को रोक दिया। रवेना के मेयर और वामपंथी राजनेता एलेसांद्रो बाराटोनी ने कहा कि बंदरगाह अधिकारियों ने उनके और क्षेत्रीय गवर्नर के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। विस्फोटक इजरायल बंदरगाह हाइफा की ओर जा रहे थे। बाराटोनी ने सरकार से कहा कि इटली से इजरायल को हथियारों की आपूर्ति न की जाए।

पाकिस्तान ने अपने ही लोगों पर बरसाए बम

दावा- खैबर पख्तूनख्वा में 30 की जान गई

इस्लामाबाद, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की वायुसेना पर अपने ही लोगों पर बमबारी के आरोप लगे हैं। सोमवार को कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पाकिस्तानी वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के वजीरिस्तान स्थित तिराह घाटी में बिना कोई चेतावनी जारी किए ही बम गिरा दिए। इस हमले की चपेट में आकर 30 लोगों की जान चली गई।

बताया गया है कि यह बमबारी पाकिस्तानी वायुसेना के जेएफ-17 विमान के जरिए की गई। जो बम बरसाए गए, वह घातक किस्म के एलएस-6 बम थे। यह घटना रविवार देर रात करीब दो बजे की है। धमाके इतने तेज थे कि गांव के गांव तबाह हो गए। हमले में कई लोग घायल भी हुए हैं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पाकिस्तान की वायुसेना इन हमलों के जरिए आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को निशाना बनाने की कोशिश कर रही थी। हालांकि, आतंकियों के बजाय हमले में अधिकतर नागरिकों की मौत हुई। इमरान खान की पार्टी-पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) खैबर पख्तूनख्वा संभाग ने इस घटना की जानकारी दी है। पार्टी ने बताया है कि हमले में कई आम लोग घायल हुए हैं। पांच से ज्यादा घर भी तबाह हुए हैं। इसके अलावा महिलाओं और बच्चों की मौत हुई है। पीटीआई ने इस घटना की तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। घटना पर प्रांतीय सदन के सदस्य अब्दुल गनी अफरीदी ने कहा कि सरकार अपने ही लोगों को निशाना बनाकर मानवता के खिलाफ अपराध को अंजाम दे रही है। दूसरी तरफ पीटीआई खैबर पख्तूनख्वा के एक्स हैंडल में पोस्ट में कहा गया कि कभी ड्रोन हमले तो कभी बमबारी से नफरत के बीज बोए जा रहे हैं। जब यह गुस्से का गुबार फूटेगा तो कुछ भी नहीं बचेगा। इससे पहले रविवार को खबर आई थी कि पाकिस्तानी सेना ने एक खुफिया अभियान में टीटीपी के सात आतंकियों को डेरा इस्माइल खान जिले में मार गिराया था।

सीरिया में 5 अक्तूबर को संसदीय चुनाव

दमिश्क, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सीरिया अपनी नई इस्लामिस्ट-नेतृत्व वाली सरकार के तहत पहला संसदीय चुनाव 5 अक्तूबर को आयोजित करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने रविवार को यह जानकारी दी। इस चुनाव में 210 सदस्यीय पीपुल्स असेंबली के लिए मतदान देश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में होगा, हालांकि चुनाव आयोग ने तीन प्रांतों में सुरक्षा कारणों से मतदान स्थगित करने की जानकारी दी थी। नई संसद का काम सरकार-नियंत्रित आर्थिक नीतियों में बदलाव और विदेशी नीति समझौतों के अनुमोदन के लिए कानून पारित करना होगा। यह सदन देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव रखेगा, जो पिछले दिसंबर में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के सत्ता हटाए जाने के बाद शुरू हुई। आलोचक मानते हैं कि वर्तमान प्रणाली में अल्पसंख्यक समूहों की पर्याप्त भागीदारी नहीं है।

मक्का पर फिर कब्जे का खतरा, सऊदी अरब ने सुरक्षा के लिए पाकिस्तान को क्यों बुलाया?

जुहायमन विद्रोह के खौफ में प्रिंस एमबीएस

रियाद, 22 सितंबर (एजेंसियां)। आज से करीब 50 साल पहले साल 1979 में अल-जमा अल-सलाफिया अल-मुहतासिबा के कुछ सौ फॉलोवर्स ने करीब करीब मक्का पर कब्जा कर ही लिया था। उन्होंने करीब करीब सऊदी अरब की राजशाही को खत्म कर दिया था और इसके साथ ही सऊदी अरब का पतन भी हो जाता। यानि, इस्लाम के केन्द्र में ये विद्रोह किया गया था। और शायद यही वजह है कि सऊदी अरब ने एक बार फिर से पाकिस्तान के साथ सुरक्षा समझौता किया है, क्योंकि उस घटना के करीब 45 सालों से ज्यादा बीतने के बाद भी सऊदी अरब में उस घटना की गूंज बनी हुई है।

पाकिस्तान की राजनीतिक वैज्ञानिक आयशा सिद्दीका ने बताया है कि पिछले हफ्ते पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच किया गया पारस्परिक रक्षा समझौता कई मुद्दों पर केंद्रित है, जैसे ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने या उनका इस्तेमाल करने से रोकना, क्षेत्र से अमेरिका वापसी के बाद सऊदी अरब की रक्षा करना और यमन जैसे देशों से सऊदी अरब के शाही परिवार की रक्षा करना। लेकिन इसके अलावा एक सरल सत्य यह भी है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल-सऊद के मन में घूम रहा है कि सऊदी अरब जैसे मजहबी रूढ़िवादी देश में शाही परिवार की सुरक्षा सिर्फ सैनिकों के जरिए नहीं किया जा सकता है।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए समझौते को जानने के लिए, मक्का विद्रोह को जानना जरूरी है। 1979 का सऊदी विद्रोह, जिसे मक्का सीज कहा जाता है, वो इस्लामी इतिहास की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली घटनाओं में से एक था। 20 नवंबर 1979 को अल-जमा अल-सलाफिया अल-मुहतासिबा के सैकड़ों कट्टरपंथी फॉलोवर्स ने इस्लाम की सबसे पवित्र जगह मक्का की ग्रैंड मस्जिद (मस्जिद-ए-हरम) पर कब्जा कर लिया। विद्रोहियों का दावा था कि उनके साथी मुहम्मद अल-कहतानी महदी यानी इस्लाम के उद्धारकर्ता हैं। कई दिनों तक चले इस कब्जे की लड़ाई में विद्रोहियों ने मस्जिद के अंदर हथियार जमा कर रखे थे और सऊदी सुरक्षा बलों के खिलाफ जंग शुरू कर दी थी। शुरुआत में सऊदी सेना असहाय असहाय लग रही थी, लेकिन बाद में फ्रांसीसी स्पेशल फोर्स और पाकिस्तानी सैनिकों की मदद से गैस और भारी हथियारों का इस्तेमाल कर विद्रोहियों को हराया गया। लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए।

महिला से छेड़छाड़ के मामले में भारतीय नागरिक को चार साल जेल

सिंगापुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सिंगापुर में एक 46 वर्षीय भारतीय नागरिक को एक महिला के साथ छेड़छाड़ के मामले में सोमवार को चार साल की जेल और छह बेंत मारने की सजा सुनाई गई। अंकित शर्मा नाम के आरोपी को यह सजा तब सुनाई गई, जब कोर्ट ने उसे एक नर्सिंग रूम (बच्चों को दूध पिलाने के लिए बनाए गए कमरे) में महिला से छेड़छाड़ करने का दोषी पाया। यह घटना एक मार्च 2023 को सिंगापुर के चांगी सिटी प्वाइंट मॉल में हुई थी।

पीड़िता 31 साल की एक तकनीकी विशेषज्ञ है। वह उस दिन पहली बार शर्मा से मिली थी। मुलाकात एक सहकर्मी द्वारा शर्मा की प्रोफाइल साझा करने के बाद तय हुई थी। शुरुआत में दोनों के बीच पेशेवर बातचीत हुई, लेकिन थोड़ी देर बाद शर्मा ने अश्लील बातें शुरू कर दीं और महिला से निजी व अनुचित सवाल पूछने लगा। ये सब बातें दोनों एक बार में बैठे हुए कर रहे थे।

उप लोक अभियोजक शेल्डन लिम ने अदालत को बताया कि जब महिला वॉशरूम गई और लौटी, तो शर्मा उसे वॉशरूम के पास नर्सिंग रूम की ओर खींचकर ले गया। वहां उसने महिला को जबरदस्ती चूमा, उसे पकड़े रखा और बार-बार यौन इशारे किए, जबकि महिला लगातार विरोध कर रही थी। शर्मा ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि महिला ने खुद ही नर्सिंग रूम में चलने को कहा था। उसकी ओर से वकील ने यह भी कहा कि महिला शर्मा की 'बुरी सांस' वाली टिप्पणी से नाराज होकर झगड़ा करने लगी थी।

अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर ट्रंप की कब्जे की कोशिश में पाकिस्तान बनेगा सीढ़ी?

तालिबान से लड़ाई में मुनीर की होगी बल्ले-बल्ले

इस्लामाबाद, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर नियंत्रण की इच्छा जताई है। उन्होंने साफतौर पर कहा है कि तालिबान को यह बेस अमेरिकी सेना को सौंप देना चाहिए। तालिबान की ओर से इनकार पर ट्रंप ने बुरे अंजाम भुगतने की धमकी तक दी है। ट्रंप प्रशासन की कोशिश इस बेस से चीन, ईरान और रूस के खिलाफ क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने की है। हालांकि इसमें अमेरिका के लिए सबसे अहम देश पाकिस्तान है। पाकिस्तान ही अमेरिका के बगराम तक पहुंचने की सीढ़ी बन सकता है। यह पाकिस्तान जानता है और इसका फायदा वह निश्चित उठाएगा।

सूत्रों के हवाले से की गई अपनी रिपोर्ट में कहा है कि

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ समय पहले मुलाकात की है। वह कुछ मौकों पर मुनीर की तारीफ करते हुए भी देखे गए हैं। यह दिखाता है कि काबुल मुद्दे पर अमेरिका की ओर से पाक सेना को प्राथमिकता दी जा रही है। ट्रंप के कदमों से पता चलता है कि अमेरिका अभी भी पाकिस्तान को ही अफगानिस्तान का गेटकीपर मानता है। बगराम की भौगोलिक स्थिति इसके एयरबेस को तिब्बत, शिनजियांग और चीन के पश्चिमी परमाणु और मिसाइल प्रतिष्ठानों की निगरानी के लिए आदर्श बनाती है। ऐसे में अमेरिका बगराम में वापसी को पूरे क्षेत्र में निवारक क्षमता निर्माण के रूप में देख रहा है। बगराम के जरिए अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी विश्वसनीयता को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रहा है।

अमेरिका 2021 में खोई अपनी ताकत हासिल करने की कोशिश में अगर पाकिस्तान के रास्ते बगराम तक पहुंचता है तो इसका पाक सरकार और सेना पूरा फायदा उठाएगी।

खासतौर से पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर अमेरिका से सैन्य उपकरण और मदद हासिल करेंगे। वहीं इस्लामाबाद भी वैश्विक मंचों पर समर्थन की उम्मीद अमेरिका से करेगा।

24 घंटे में 4 देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दी

लंदन, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले 24 घंटे में ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और पुर्तगाल ने फिलिस्तीन को औपचारिक तौर पर एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दे दी। इससे फिलिस्तीन को मान्यता देने वाले देशों की संख्या अब करीब 150 हो गई है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि दो राष्ट्र समाधान ही शांति का रास्ता है। वहीं पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रेंजेल ने कहा कि फिलिस्तीन को मान्यता देना ही स्थायी शांति का एकमात्र रास्ता है। इस कदम से इजराइल पर गाजा में मानवीय संकट कम करने का दबाव बढ़ा है।

हालांकि, अमेरिका अब भी फिलिस्तीन को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देता है। वहीं, फ्रांस ने भी ऐलान किया है कि वह इस हफ्ते यूएन में फिलिस्तीन को मान्यता देने के पक्ष में वोट करेगा। ब्रिटिश पीएम ने वीडियो संदेश जारी कर फिलिस्तीन को मान्यता देने का ऐलान किया। वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि फिलिस्तीन को आजाद देश मानना आतंकवाद को इनाम देना है। जॉर्डन नदी के पश्चिम में फिलिस्तीनी देश नहीं बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों को दोगुना कर दिया है और इसे और बढ़ाएंगे। नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि वह इस मान्यता का जवाब अमेरिका से लौटने के बाद देंगे। विदेश मंत्री यवेट कूपर ने इजराइल को साफ चेतावनी दी है कि ब्रिटेन के फिलिस्तीनी को मान्यता देने के बाद वह वेस्ट बैंक के हिस्सों पर कब्जा करने की कोशिश न करे, उनकी सरकार यह बर्दाश्त नहीं करेगी।

आपात स्थिति में फोन कॉल न जुड़ने से चार की मौत

मेलबर्न, 22 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी की तकनीकी खामी के कारण सैकड़ों लोग आपात स्थिति में संपर्क नहीं कर पाए, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद सरकार अब पूरे देश में संपर्क प्रणाली को दुरुस्त करने की बात कर रही है।

ऑप्टस ऑस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है। उसने बताया कि गुरुवार को एक तकनीकी खराबी के चलते 624 फोन कॉल आपातकालीन सेवा (000 नंबर) से नहीं जुड़ पाईं। अमेरिका में आपात स्थिति में लोग 911 डायल करते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में 000 पर कॉल किया जाता है। जिन कॉल के दौरान दिक्कत आई, उनमें से चार मामलों में लोगों की जान चली गई। यह पहली बार नहीं है, जब इस कंपनी पर ऐसी लापरवाही का आरोप लगा हो। पिछले साल नवंबर में भी नेटवर्क बंद होने के दौरान मदद के लिए फोन कर रहे लोग संपर्क नहीं कर पाए, जिस कारण कंपनी पर 1.2 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब आठ मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया गया था। देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी टेल्स्ट्रा को भी पिछले साल दिसंबर में 30 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब दो मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना देना पड़ा था, क्योंकि उसके केंद्र में तकनीकी खामी आने से लोग समय पर संपर्क नहीं कर पाए थे।

ऑस्ट्रेलिया की सूचना मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, ऑप्टस और अन्य सभी कंपनियों की यह जिम्मेदारी है कि लोग जब भी किसी परेशानी में हों, तो उनका संपर्क बिना किसी बाधा के हो।

उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी और सभी कंपनियों को अब सतर्क रहना होगा। इस चूक के लिए ऑप्टस को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

ऑप्टस के प्रमुख स्टीफन रुए ने इस घटना पर दुख जताया और माफी मांगी। उन्होंने कहा, मैं उन चार लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं, जो जरूरत के समय मदद नहीं ले पाए। उन्होंने माना कि शुरुआती जांच में ये सामने आया है कि तय तरीकों का पालन नहीं किया गया।

ट्रंप ने बेन कार्सन को अमेरिका का सर्वोच्च सम्मान देने का किया एलान

वाशिंगटन, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बेन कार्सन को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम देने का एलान किया। यह अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। ट्रंप ने माउंट वर्नन में अमेरिकन कॉर्नरस्टोन इंस्टीट्यूट के एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। कार्सन (74) एक पूर्व न्यूरोसर्जन हैं। उन्होंने 2016 के रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के चुनाव में ट्रंप के खिलाफ चुनाव लड़ा था। ट्रंप ने इस महीने तीसरी बार किसी को यह पुरस्कार देने का एलान किया है। इससे पहले, उन्होंने रूडी गिउलिआनी और चार्ली किर्क को मरणोपरांत यह सम्मान देने की घोषणा की थी।

चीनी डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी से लैस होगा एशिया में अमेरिका का सबसे पुराना सहयोगी

बैंकॉक, 22 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया में अमेरिका के सबसे पुराने सहयोगियों में से एक थाईलैंड को चीन अपनी डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी से लैस करने जा रहा है। इसे लेकर चीन और थाईलैंड में एक समझौते पर हस्ताक्षर भी हुए हैं। इस समझौते के तहत थाईलैंड अमेरिका के सबसे बड़े दुश्मन चीन से टाइप 039ए (थाई नाम एस26टी) डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी खरीदेगा। यह समझौता कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था, जबकि चीन ने इसकी डिलीवरी के लिए पतवार 2019 में ही बना ली थी। इस पनडुब्बी समझौते को अमेरिका के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि थाईलैंड परंपरागत रूप से अमेरिकी हथियारों की खरीद करता था।

रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना जर्मनी के चीन को पनडुब्बी के लिए डीजल इंजन बेचने से मना करने के कारण अटकी हुई थी। दरअसल 1989 में बीजिंग के तियानमेन स्क्वायर पर लोकतंत्र समर्थक छात्रों के खिलाफ हुई सैन्य कार्रवाई के बाद चीन पर यूरोपीय संघ ने हथियार प्रतिबंध लगा दिया था।

इस कारण जर्मनी ने चीन को पनडुब्बी के लिए डीजल इंजन बेचने से मना कर दिया। अब चीन ने स्वदेशी तौर पर डीजल इंजन का निर्माण किया है, जिसके व्यापक परीक्षण के बाद थाईलैंड ने इस सौदे को मंजूरी दी है। थाईलैंड का कहना है कि वह चीन के इस डीजल इंजन के प्रदर्शन से संतुष्ट है।

डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी परियोजना का हस्ताक्षर समारोह मंगलवार (16 सितंबर) को बीजिंग में चाइना शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंटरनेशनल के मुख्यालय में आयोजित किया गया था। इस समारोह में रॉयल थाई नौसेना के प्रमुख एडमिरल जिरापोल बोंगफिट ने भाग लिया। यह सौदा मूल रूप से तीन पनडुब्बियों का होना था, लेकिन बजट में कटौती के कारण यह घटकर केवल एक रह गया। चीन निर्मित इस पनडुब्बी की डिलीवरी अब 2028 में होने की उम्मीद है।

थाईलैंड को मिलने वाली पनडुब्बी को जानें

नेवल न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, थाईलैंड को मिलने वाली टाइप 039ए पनडुब्बी 2,550 टन वजनी, 255 फीट (77.7 मीटर) लंबी है। इसमें चीन के स्वदेशी एमटीयू 396 डीजल इंजन के अलावा स्टर्लिंग टाइप की एयर इंडिपेंडेंट प्रपल्शन सिस्टम भी लगा हुआ है, जो पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को एआईपी तकनीक के साथ समुद्र के अंदर 65 दिनों तक छिपे रहने की क्षमता प्रदान करता है। इस समझौते में ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ ही थाई नौसैनिकों को ट्रेनिंग देने का प्रावधान भी शामिल है।

16 अक्टूबर तक ईडी की रिमांड पर रिटायर्ड आईएएस शुक्ला-टुटेजा

नान घोटाला केस में सरेंडर, कोर्ट के चक्कर काट रहे थे, दिल्ली में होगी पूछताछ

रायपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा 16 अक्टूबर तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कस्टोडियन रिमांड पर रहेंगे। दोनों से ईडी के हेड ऑफिस दिल्ली में पूछताछ की जाएगी। नान घोटाला केस में दोनों आरोपी सरेंडर करने के लिए 5 दिनों से ईडी कोर्ट के चक्कर लगा रहे थे।

आलोक शुक्ला तीसरी बार सरेंडर करने कोर्ट पहुंचे थे। ईडी के अधिकारियों की मौजूदगी में कोर्ट में अभी सरेंडर करने की प्रक्रिया की गई। कोर्ट के बाहर सीआरपीएफ जवानों की तैनाती रही।

सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के बाद रायपुर की ईडी कोर्ट में सुनवाई हुई। घोटाले के आरोपी रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा भी कोर्ट पहुंचे। ईडी ने कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट का आवेदन लगाया है। प्रोडक्शन वारंट एक्सेप्ट होने के बाद ईडी आलोक और टुटेजा को

रिमांड पर लेगी। इसके पहले आलोक शुक्ला 18 सितंबर को भी कोर्ट पहुंचे थे, लेकिन कोर्ट ने सरेंडर कराने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अभी सुप्रीम कोर्ट का ऑर्डर अपलोड नहीं हुआ है। सरेंडर नहीं करा सकते हैं। इसके बाद 19 सितंबर को शुक्ला फिर कोर्ट पहुंचे थे, लेकिन ईडी के वकील केस डायरी लेकर नहीं पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा था?

दरअसल, नान घोटाला केस में रिटायर्ड आईएएस आलोक शुक्ला को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी, लेकिन ईडी ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। ईडी ने कोर्ट में बताया कि आरोपियों ने 2015 में दर्ज नान घोटाला मामले और जांच को प्रभावित करने की कोशिश की थी। हमारी जांच अभी पूरी नहीं हुई है।

जस्टिस सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने सुनवाई के बाद हाईकोर्ट से आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा को मिली अग्रिम जमानत को रद्द कर दी। कोर्ट ने ईडी की कस्टडी के लिए आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि पहले 2 हफ्ते ईडी की हिरासत और उसके बाद 2 हफ्ते न्यायिक हिरासत में रहना होगा। इसके बाद ही उन्हें जमानत मिल सकेगी।

सुप्रीम कोर्ट बोला- 3 महीने में जांच पूरी करे ईडी

इसके साथ ही जस्टिस सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने ईडी और ईओडब्ल्यू को जांच पूरी करने के लिए तय समय सीमा दी है। बेंच ने ईडी को तीन महीने और ईओडब्ल्यू को 2 महीने में जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि पेंडिंग मामलों का निपटारा समय पर होना चाहिए।

नागरिक आपूर्ति निगम में चावल, नमक सहित खाद्य पदार्थों के परिवहन और भंडारण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायतें सामने आई थीं। इन शिकायतों के आधार पर एसीबी और ईओडब्ल्यू ने 12 फरवरी 2015 को नान मुख्यालय और 28 अन्य स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान नान के रायपुर स्थित मुख्यालय से पौने 2 करोड़ रुपए से ज्यादा नगदी बरामद हुई। सभी जगहों पर छापों के बाद एसीबी ने कुल 3.50 करोड़ रुपए जब्त किए। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए गए।

जांच पूरी होने के बाद एसीबी ने नान के मैनेजर समेत 16 लोगों के खिलाफ चालान पेश किया। करीब 5 हजार पेज के चालान में 213 गवाह बनाए गए थे। दो आईएएस अधिकारी आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा के खिलाफ केंद्र सरकार से अनुमति मिलने के बाद पूरक चालान पेश किया गया।

आलोक शुक्ला खाद्य विभाग के प्रमुख सचिव थे

आईएएस अफसर आलोक शुक्ला पेशे से डॉक्टर रह चुके हैं। फरवरी 2015 में नागरिक खाद्य आपूर्ति निगम में आर्थिक अनियमितताओं का मामला उजागर हुआ। इस मामले में आलोक शुक्ला और आईएएस अनिल टुटेजा भी आरोपी बनाए गए। उस समय शुक्ला खाद्य विभाग के प्रमुख सचिव थे और टुटेजा नान के एमडी थे।

सौरभ चंद्राकर के भांजे ने युवक को लात-घूसों से पीटा

रायपुर के जूक क्लब में पुराने विवाद में वारदात, फिर डांस कर भागे आरोपी

रायपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर के जूक क्लब में महादेव सट्टा ऐप के संचालक सौरभ चंद्राकर के भांजे ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक युवक की पिटाई की है। उस पर जमकर लात-घूंसे बरसाए गए। जिससे युवक लहूलुहान हो गया। घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है। मामला तेलीबाधा थाना इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित अज्जू पांडे ने पुलिस को बताया कि, रविवार की रात वो जूक क्लब गया था।

इस दौरान भिलाई निवासी प्रखर, पुलकित और प्रेम अपने साथियों के साथ पहुंचे थे। अज्जू का इन आरोपियों से पुराना विवाद था।

रात 11 बजे अज्जू क्लब में आरोपियों को दिखा तो पहले बातचीत शुरू हुई। इसी दौरान विवाद शुरू हो गया। आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। उस पर लात-घूंसे और कुर्सी से हमला किया गया। जिससे अज्जू के नाक, चेहरे और कमर में चोटें आई है। वारदात के बाद आरोपी डांस करते भी दिख रहे।

क्लब के सीसीटीवी कैमरे में मैनेजर और कर्मचारी आरोपियों से युवक को बचाते दिख रहे हैं। मारपीट के दौरान पिस्टल के बट से हमला करने की बात कही जा रही है, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

आरोपी सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर के रिश्तेदार

शिकायतकर्ता अज्जू ने आरोपियों को सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर का रिश्तेदार बताया है। घटना के बाद पुलिस ने एक युवक को पकड़ लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस क्लब संचालकों से सीसीटीवी फुटेज मांगकर आगे की जांच कर रही है।

इस मामले में एएसपी लखन पटले ने बताया कि, क्लब में अज्जू पांडे से मारपीट की गई है। पीड़ित की शिकायत पर क्लब से घटना का सीसीटीवी फुटेज मांगा गया है। आरोपियों के खिलाफ जांच की जा रही है।

दुर्गा पूजा में झारखंड में झमाझम बारिश का अलर्ट

बंगाल की खाड़ी में बन रहा सिस्टम, 24 और 25 सितंबर को 7 जिले में भारी बारिश

रांची, 22 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में इस बार दुर्गापूजा का उत्साह बारिश के साए में रहने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने 24 और 25 सितंबर को राज्य में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहे निम्न दबाव के कारण प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश होगी।

विशेषकर कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा जिलों में भारी वर्षा का अनुमान जताया गया है।

वहीं धनबाद समेत आसपास के इलाकों में भी दो दिनों तक बारिश का असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान गरज के साथ बारिश और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

सोमवार से नवरात्र की शुरुआत हो रही है। 25 सितंबर से पूजा पंडालों व बाजारों में भीड़ उमड़ने लगेगी। ऐसे में बारिश लोगों के उत्साह पर पानी फेर सकती है। पंडालों के आसपास दुकान लगाने

वालों और छोटे कारोबारियों को भी इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मौसम विभाग का कहना है कि 26 सितंबर तक पूरे झारखंड में रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। इससे अगले तीन दिनों में तापमान में भी 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है। बारिश किसानों और फसलों के लिए राहत लेकर आएगी, लेकिन दुर्गापूजा की तैयारियों और आम लोगों की दिनचर्या पर असर डाल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर अंडमान सागर और इससे सटे म्यानमार तट के ऊपर ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवात सक्रिय है। इसके प्रभाव से अगले 24 घंटों में दक्षिण बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। 25 सितंबर तक यह सिस्टम पूर्व-मध्य और उत्तर बंगाल की खाड़ी में सक्रिय रहेगा।

इसके बाद यह और मजबूत हो सकता है। 27 सितंबर तक इसके दक्षिण ओडिशा-उत्तर आंध्र प्रदेश तट तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में बिहार और झारखंड के उत्तरी, मध्य और पश्चिमी जिलों में अच्छी बारिश देखने को मिलेगी।

मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

मधुपुर-एचडीएफसी बैंक में कैश और सोने के सिक्के की लूट

6 अपराधी कैश और सोने के सिक्के लेकर भागे, कस्टमर-बैंक स्टाफ से मारपीट भी की

देवघर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। देवघर स्थित मधुपुर में सोमवार को एचडीएफसी बैंक से बदमाशों ने कैश और सोने के सिक्कों की लूट की है। 6 की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने हथियार के बल पर स्टाफ और कस्टमर के साथ मारपीट भी की, इसके बाद कैश और सोने के सिक्के लेकर फरार हो गए। घटना मधुपुर शहर के राज बाड़ी रोड स्थित एचडीएफसी बैंक के ब्रांच में हुई।

इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। बैंक मैनेजर धीरज कुमार ने बताया, अपराधी 6 की संख्या में थे और सभी ने अपने हाथों में रिवॉल्वर ले रखा था।

बैंक के अंदर घुसते ही बदमाशों ने सभी का मोबाइल ले लिया और मारपीट करने लगे। सभी को एक जगह बैठा दिया। हालांकि, कितने की लूट हुई है, इसका आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है।

मैनेजर धीरज कुमार के मुताबिक, लूटपाट के दौरान एक कस्टमर बाहर से आया तो उन्हें बैंक के अंदर लेकर लुटेरों ने उनसे भी मोबाइल और कैश ले लिया। इसके बाद हथियार के बल पर बैंक के लॉकर को खुलवाया और सारा कैश निकाल लिया। गोल्ड के सिक्के भी अपने साथ ले गए।

मैनेजर का कहना है कि यह लूट करोड़ों रुपए की हो सकती है। अभी लूट की राशि और गायब सोने के सिक्कों के मूल्य का आकलन किया जा रहा है।

लुटेरे अपने साथ दो बैग लेकर आए थे और कैश व सोने के सिक्के लेकर फरार हो गए। जाते वक्त बदमाशों ने बैंक का शटर बाहर से बंद कर दिया। इधर, घटना की सूचना पर मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सतेन्द्र प्रसाद, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी नागेंद्र मंडल सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद नईम अंसारी बैंक पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए हैं।

बस-ट्रक की टक्कर

ट्रक चालक और महिला यात्री की मौत, 7 गंभीर घायल रिम्स रेफर

रामगढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले में एनएच-23 पर कोठार के पास एक बड़ी सड़क दुर्घटना हुई। श्री गोकुल बस और एलपी ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई।

बोकारो से रांची जा रही बस (नंबर JH10BM-8219) की विपरीत दिशा से आ रहे एलपी ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वह दुर्घटना के बाद गाड़ी में ही फंसा रहा।

बस में सवार एक महिला यात्री बिराजो देवी की भी मौत हो गई। दुर्घटना में दर्जनों यात्री घायल हुए। सभी घायलों को रामगढ़ सदर अस्पताल ले जाया गया। इनमें से सात गंभीर घायलों को रांची के रिम्स रेफर किया गया है।

राजद नेता का शव खेत में मिला

परिजनों का एसिड से जलाकर हत्या का आरोप पुलिस ने वज्रपात से मौत की जताई आशंका

पलामू, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पलामू में राष्ट्रीय जनता दल के पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष जयशंकर ठाकुर (52) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। जयशंकर ठाकुर उताकी गांव के निवासी थे। वे रोज की तरह सुबह साढ़े छह बजे खेत गए थे।

चार घंटे तक घर नहीं लौटने पर बेटों ने खोजबीन शुरू की। उन्हें घर से करीब आधा किलोमीटर दूर एक खेत में मृत अवस्था में पाया गया। शव पर जलने के निशान मिले हैं।

परिजनों का आरोप है कि उन्हें एसिड से जलाकर मार दिया गया है।

पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और डॉग स्क्वायड की मदद से जांच की। डॉग स्क्वायड आसपास ही घूमकर रुक गया और किसी संदिग्ध तक नहीं पहुंच सका।

थाना प्रभारी शशि शेखर पांडेय ने प्रथम दृष्टया इसे वज्रपात से मौत का मामला बताया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही मौत का सही कारण पता चल पाएगा।

हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि सुबह से मौसम साफ था और वज्रपात की कोई घटना नहीं हुई।

मृतक के तीन बेटे हैं, जिनमें से बड़ा बेटा बाहर रहता है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से लोग मौके पर पहुंच गए।

चोरी की वारदातों का खुलासा

7 चोर गिरफ्तार, मोटरसाइकिल और चोरी के औजार बरामद

कोडरमा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कोडरमा पुलिस ने पिछले दो महीनों में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी अनुदीप सिंह ने नवलशाही थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

दुर्गा पूजा के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी थाना प्रभारियों को गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। शनिवार की रात नवलशाही थाना पुलिस को गश्त के दौरान खटोलिया क्रेशर मंडी के पास तीन संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल पर दिखे। पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे युवकों को पकड़ लिया गया।

आरोपियों के पास से एक बोरा बरामद हुआ, जिसमें ताला तोड़ने के औजार मिले। पूछताछ में पता चला कि वे खटोलिया क्रेशर मंडी में चोरी करने आए थे। उनके पास से बरामद मोटरसाइकिल भी चोरी की निकली। आरोपियों ने स्वीकार

किया कि पिछले कुछ महीनों से वे अपने 8-10 अन्य साथियों के साथ चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

एसपी ने एसडीपीओ अनिल सिंह के नेतृत्व में विशेष दल का गठन किया। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के बाद उनके अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।उनके निशानदेही पर पुलिस द्वारा सभी सामानों की बरामदगी की गई।

चोरी की कांड में लिप्त जिन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, उसमें मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत बेको निवासी 25 वर्षीय प्रभु मलहार पिता बलदेव मलहार, 18 वर्षीय सचिन मलहार, पिता सुरेश मलहार, 22 वर्षीय मिथिलेश मलहार पिता कृष्णा मलहार, 20 वर्षीय विशाल मलहार पिता सुरेश मलहार तथा हजरीबाग के लगनवां थाना क्षेत्र निवासी 40 वर्षीय अरुण मलहार पिता नंदू मलहार, 18 वर्षीय रामु मलहार पिता विजय मलहार तथा 18 वर्षीय मुन्ना मलहार पिता अरुण मलहार के नाम शामिल हैं।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर युवाओं से ठगी

चतरा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। चतरा के हंटरगंज थाना पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान पटना के आलमगंज निवासी नीरज कुमार (45) और औरंगाबाद के गोह निवासी धीरेंद्र कुमार (40) के रूप में हुई है। यह कार्रवाई एक पीड़ित छात्र पंकज कुमार की शिकायत पर की गई। पंकज ने रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर हुई धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने शिकायत मिलते ही कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों के पास से एक सफारी गाड़ी, एक स्मार्टफोन और दो कीपैड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

मोबाइल फोन से कई अन्य पीड़ित छात्रों की लिस्ट भी मिली है। दोनों आरोपियों पर हंटरगंज थाना में बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। जल्द ही इस मामले में और भी खुलासे हो सकते हैं।

खाई में गिरी कार, पति-पत्नी समेत 3 की मौत

कलश स्थापना के लिए गंगा जल लेकर लौट रहे थे गोड्डा, क्रेन से बाहर निकाली गई गाड़ी

गोड्डा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। गोड्डा में सोमवार को सड़क हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दंपती और एक पड़ोसी महिला शामिल है। हादसा कार के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे करीब दो फीट गहरी खाई में गिरने से हुआ। घटना महागामा-एकचारी मुख्य मार्ग पर ग्राम शीतल के पास हुई।

मृतकों की पहचान महागामा ऊर्जा नगर निवासी जोगेंद्र कुमार यादव, उनकी पत्नी बिंदेश्वरी देवी (53) और कौशल्या देवी (48) के रूप में की गई है। नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना के लिए भागलपुर स्थित कहलगांव की गंगा घाट से जल लेकर तीनों वापस घर लौट रहे थे। इसी बीच यह हादसा हो गया।

इधर, सूचना मिलते ही महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, महागामा और हनवारा पुलिस मौके पर पहुंची। स

थानीय ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया। क्रेन की मदद से कार को खाई से बाहर निकाला गया। पुलिस ने कार जब्त कर ली है और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है।

मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि महागामा थाना क्षेत्र के शीतला के नजदीक सड़क हादसा में 3 लोगों की मौत हो गई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए गोड्डा भेजा गया है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

पहले सामाजिक बहिष्कार फिर मकान पर चला बुलडोजर

वोट नहीं देने पर आदिवासी परिवार से सरपंच ने लिया बदला

बेमेतरा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में एक परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने के बाद उसने मकान को गिरा दिया गया है। आरोप है कि ऐसा सरपंच के कहने पर किया है। दरअसल, इसी साल राज्य में त्रिस्तरीय चुनाव हुए थे। उस दौरान इस परिवार ने मौजूदा सरपंच को वोट नहीं दिया था जिसके कारण दोनों के बीच रंजिश थी। सरपंच के कहने ने पर परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया।

25 सालों से यहीं रहता था परिवार

मामला, बेमेतरा की नवागढ़ तहसील के गदामोड़ ग्राम पंचायत का है। पीड़ित परिवार सतनामी समुदाय से हैं। पीड़ित परिवार की सदस्य विजय लक्ष्मी मनहरे ने कहा, हमारे परिवार में 10 लोग हैं। हम सभी लोग डर के साये में जी रहे हैं। 25 सालों से जहां हमारा घर बना था उसे सरपंच महाजन मनहरे के निर्देश पर तहसीलदार व स्थानीय थाना प्रभारी की मौजूदगी में गिरा दिया गया है।

पीड़ित परिवार ने कहा कि हमें सरपंच के आदेश को चुनौती देने का समय नहीं किया गया। अब परिवार ने न्याय और मुआवजे की मांग करते हुए अनुविभागीय मजिस्ट्रेट, एसपी ऑफिस और तहसीलदार से शिकायत की है। पीड़ित परिवार ने कहा कि हमारी जमीन को सरपंच ने कथित तौर पर अवैध रूप से कब्जा दिखाकर बुलडोजर चलवा दिया।

पीड़िता ने कहा कि हमने पहले नवागढ़ तहसीलदार और पुलिस थाना प्रभारी को लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की। हमें सरपंच के निर्देशों का पालन करने के लिए कहा। परिवार ने आरोप लगाया कि महाजन मनहरे पंचायत चुनाव के दौरान समर्थन नहीं देने के कारण उनसे गहरी रंजिश रखता था। उसने वोट नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी थी।

परिवार ने कहा कि उनके बच्चों को स्कूल में मिड डे मील योजना का लाभ भी नहीं मिलता है। इसके साथ ही गांव के बच्चों को हमारे बच्चों के साथ खेलने से मना कर दिया गया है।

बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कहा कि ग्राम सभा को अपने अधिकार क्षेत्र में कानून के अनुसार अवैध अतिक्रमण हटाने का अधिकार है।

कलेक्टर ने बताया, मुझे इस घटना की जानकारी नहीं है। लेकिन अगर प्रभावित परिवार का सामाजिक बहिष्कार किया जाता है, तो हम कार्रवाई करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सामाजिक कल्याण योजनाओं से वंचित न किया जाए।

सूंड से उठाकर पटक दिया फिर पैरों तले कुचला

हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत

कोरबा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जंगली हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कटघोरा वनमंडल के अंतर्गत पसान वन परिक्षेत्र में रविवार शाम जंगली हाथी के हमले में तनेरा गांव निवासी धन सिंह पोर्ते की मृत्यु हो गई। पसान वन परिक्षेत्र के अधिकारी मनीष सिंह ने बताया कि तनेरा गांव निवासी पोर्ते जंगल गया हुआ था, उस दौरान उसका सामना एक दंतैल हाथी से हो गया।

अधिकारी ने बताया कि पोर्ते हाथी को देखकर भागने का प्रयास किया लेकिन हाथी ने उसे सूंड से उठाकर पटक दिया और पैरों तले कुचल दिया। इस घटना में पोर्ते की मौके पर ही मौत हो गई। सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग और पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया

गया तथा शव को बरामद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

अधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को तत्काल सहायता राशि 25 हजार रुपये दे दी गई है। शेष 5.75 लाख रुपये शासन के नियमानुसार सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद दे दी जाएगी। सिंह ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 57 हाथी विचरण कर रहे हैं, जिसे देखते हुए ग्रामीणों को जंगल की ओर जाने के लिए मना किया गया है। राज्य के उत्तरी भाग में मानव-हाथी संघर्ष पिछले एक दशक से चिंता का एक प्रमुख कारण रहा है, जबकि पिछले कुछ वर्षों में यह खतरा मध्य क्षेत्र के कुछ जिलों में भी फैल गया है। इस खतरे का सामना करने वाले जिले मुख्य रूप से सरगुजा, रायगढ़, कोरबा, सूरजपुर और बलरामपुर हैं।

इससे पहले रविवार को एक हाथी के बच्चे का शव कोरबा जिले में झाड़ियों में मिला था। वन विभाग की टीम के अनुसार, इस हाथी का जन्म करीब एक सप्ताह पहले हुआ था। संभावना है कि वह नदी की तेज धार में बहकर आ गया होगा।

बंद पड़े प्राइमरी हेल्थ सेंटर ने ली 14 साल के बच्चे की जान

इलाज के लिए भटकता रहा परिवार

साहेबगंज, 22 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के साहेबगंज जिले में समय पर इलाज न मिलने के कारण एक 14 साल के बच्चे गुलाम हुसैन की मौत हो गई। सबसे दुख की बात यह है कि उसके गांव में एक प्राइमरी हेल्थ सेंटर कई सालों से बनकर तैयार है, लेकिन वो काफी दिनों से बंद पड़ा है।

बच्चे की मौत की घटना साहेबगंज के उधवा प्रखंड के बेगमगंज गांव की है। यहां का प्राइमरी हेल्थ सेंटर लंबे समय से बनकर तैयार है, लेकिन उस प्राइमरी हेल्थ सेंटर पर ताला पड़ा है, जिसके कारण ग्रामीणों को इलाज के लिए 70 किलोमीटर दूर पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा जाना पड़ता है।

16 सितंबर को गुलाम हुसैन की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसके परिवार वाले उसे मालदा के एक निजी अस्पताल में ले गए, लेकिन वहां उसे सही इलाज नहीं मिला। वापस लौटने के बाद उसे रांची भेजा गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

बेगमगंज के सामाजिक कार्यकर्ता यूसुफ शेख ने एनबीटी ऑनलाइन को बताया कि गांव वाले कई बार प्रशासन और सरकार से हेल्थ सेंटर को खोलने की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि यह केवल एक घटना नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का नतीजा है, जहां छोटी बीमारियों के लिए भी लोगों को इतनी दूर जाना पड़ता है। यूसुफ शेख ने बताया कि इलाके में अस्पताल की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को हमेशा खतरा रहता है। हालांकि, गुलाम हुसैन के इलाज के लिए सिविल सर्जन ने एंबुलेंस की सुविधा दी थी, लेकिन बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी।

भारतीय आईटी कंपनियों का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे ट्रंप

दिग्गज अमेरिकी कंपनी जेफरीज ने कर दी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने भारतीय आईटी कंपनियों को लेकर एक बड़ा अनुमान लगाया है. एफई की एक रिपोर्ट के मुताबिक जेफरीज ने लार्जकैप सेक्टर में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इंफोसिस को अपनी पसंदीदा कंपनियों में शामिल किया है. जेफरीज का मानना है कि ये दोनों कंपनियां अमेरिका के नए एच-1बी वीजा नियमों से आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं.

एच-1बी वीजा नियमों का बड़ा असर

अमेरिका की ट्रंप सरकार ने 21 सितंबर से नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर $100,000 का नया शुल्क लगाया है. ब्रोकरेज फर्म ने बताया कि इस बदलाव के असर को समझने और एडजस्ट करने के लिए आईटी कंपनियों के पास लगभग 4-5 साल का समय है. जेफरीज का कहना है कि इंफोसिस और कुछ अन्य कंपनियों के पास एच-1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या ज्यादा है, इसलिए इन्हें इस बदलाव का असर ज्यादा दिखेगा.

टीसीएस और इंफोसिस को लेकर जेफरीज की राय

जेफरीज ने टीसीएस को होल्ड रेटिंग दी है और इसका 12 महीने का टारगेट प्राइस 3,230 रुपये बताया है, जो वर्तमान स्तर से लगभग 2% ऊपर है. वहीं, इंफोसिस के शेयर की कीमत अगले साल 1,750 रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो करीब 13% की बढ़त दर्शाता है. एचसीएल टेक्नोलॉजीज के लिए भी ब्रोकरेज ने 1680 रुपये का लक्ष्य रखा है और इसे खरीदने की सलाह दी है.

कमाई पर पड़ेगा असर

भारतीय आईटी कंपनियों की कमाई का बड़ा हिस्सा एच-1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों की वजह से आता है. हर ऑनसाइट कर्मचारी से कंपनियां लगभग $150-200 हजार सालाना कमाती हैं, जिसमें से 10% यानी $15-20 हजार प्रॉफिट होता है. नया $100,000 शुल्क कर्मचारियों की आय का पांच से छह साल का लाभ समेटने जैसा है. इसलिए, कंपनियां भविष्य में एच-1बी वीजा के इस्तेमाल को कम कर सकती हैं. एच-1बी कर्मचारियों की संख्या कम होने से आईटी कंपनियां अब स्थानीय कर्मचारियों या सब-कॉन्ट्रैक्टिंग की ओर रुख कर सकती हैं. इसके अलावा, वे मेक्सिको, कनाडा और भारत जैसे देशों से भी हायरिंग कर सकती हैं. हालांकि, स्थानीय हायरिंग के लिए लागत ज्यादा हो सकती है जिससे मुनाफे पर असर पड़ेगा.

आईटी सेक्टर की भविष्य की चुनौतियां

जेफरीज का मानना है कि इस बदलाव के कारण आईटी कंपनियों को ऑपरेशनल मॉडल में बदलाव करना पड़ेगा. वेतन बढ़ोतरी और एआई टेक्नोलॉजी से जुड़ी चुनौतियां भी विकास की रफ्तार धीमी कर सकती हैं. इसके चलते आईटी कंपनियों के मुनाफे में 4% से 13% तक की गिरावट आ सकती है.

जीएसटी सुधारों से किराने का बिल 13 प्रतिशत कम होगा

छोटी कार खरीदने पर 70000 रुपये बचेंगे

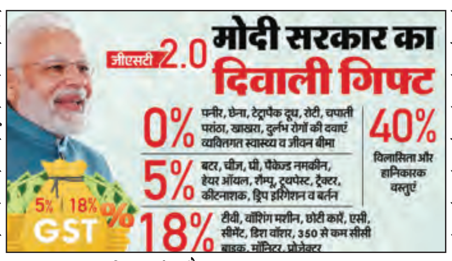

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी के तहत होने वाले सुधारों से किराने और दैनिक उपयोग के लिए जरूरी वस्तुओं के घरेलू बिल में 13 प्रतिशत की बचत होने का अनुमान है। जीएसटी की नई दरें सोमवार से लागू हो गई हैं। जीएसटी 2.0 से एक छोटी कार खरीदने वाले को करीब 70,000 रुपये की बचत हो सकती है।

सरकारी अनुमान के अनुसार, स्टेशनरी, कपड़े, जूते और दवाइयों की खरीद पर 7-12 प्रतिशत की बचत होगी। वहीं, व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियों के मामले में यह बचत 18 प्रतिशत तक हो सकती है। सोमवार से लागू हुए जीएसटी 'नेक्स्ट-जेन' सुधार के तहत किराना, कृषि उपकरण, कपड़े, दवाइयाँ और ऑटोमोबाइल समेत 375 वस्तुएं सस्ती हो गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सुधार को 'जीएसटी बचत उत्सव' करार दिया है। सरकार के अनुमानों के मुताबिक 1800 सीसी तक के ट्रैक्टरों की खरीद पर खरीदारों को 40,000 रुपये की बचत होगी। ट्रैक्टरों पर जीएसटी की दर 12-18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। बाइक/स्कूटर (350 सीसी तक) खरीदने पर 8,000 रुपये की बचत होगी। टीवी (32 इंच से ऊपर) पर 3,500 रुपये की बचत होगी। एयर कंडीशनर खरीदने पर 2,800 रुपये की बचत होगी। इन वस्तुओं पर जीएसटी दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है।

जीएसटी की नई दरें लागू होने से पहले पीएम मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि 'जीएसटी बचत उत्सव' और बजट में आयकर छूट की सीमा बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने से लोगों को दोहरा लाभ मिलेगा। पीएम ने जीएसटी दरों में कटौती और आईटी छूट सीमा में बढ़ोतरी से परिवारों को सालाना 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत करने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा, अब गरीब, नव-मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग को दोहरा लाभ मिल रहा है। जीएसटी में कमी से उनके लिए अपने सपने पूरे करना आसान हो जाएगा। सोमवार से प्रभावी जीएसटी 2.0 एक दो-स्तरीय संरचना है। इसमें अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर क्रमशः 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से कर लगेगा। विलासितापूर्ण वस्तुओं पर 40 प्रतिशत कर लगेगा। हालांकि, तंबाकू और संबंधित उत्पाद 28 प्रतिशत कर और अतिरिक्त उपकर की श्रेणी में बने रहेंगे।

1 जुलाई, 2017 को लागू होने के बाद जीएसटी में 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की चार स्लैब थे। इसके अलावा विलासिता की वस्तुओं और हानिकारक या अहितकर वस्तुओं पर क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता था। वर्तमान में 12 प्रतिशत जीएसटी स्लैब के अंतर्गत आने वाली लगभग 99 प्रतिशत वस्तुएं 5 प्रतिशत कर स्लैब में आ जाएंगी। इस बदलाव के असर से 28 प्रतिशत कर स्लैब के अंतर्गत आने वाली 90 प्रतिशत वस्तुएं भी 18 प्रतिशत कर स्लैब में आ जाएंगी।

जीएसटी दर में कटौती के बाद क्या सस्ते हुए पेट्रोल और शराब?

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सोमवार, 22 सितंबर से भारत के इनडायरेक्ट टैक्सेशन सिस्टम में बड़े बदलाव हो गए हैं. टैरिफ अनिश्चितताओं के बीच इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए कम से कम 375 प्रोडक्ट्स पर से जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) में कटौती की जा रही है. भारत भर के कंज्यूमर्स को राहत देते हुए देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में टैक्स की 4 स्लैब को कम कर 2 कर दिया था.

इस जीएसटी रिफॉर्म के बाद 5 और 18 फीसदी जीएसटी स्लैब ही रहेंगी. वहीं एक 40 फीसदी कस स्पेशल स्लैब होगा, जिसमें लग्जरी और सिन प्रोडक्ट्स को रखा गया है. 12% जीएसटी स्लैब के तहत लगभग 99 फीसदी वस्तुएं 5% टैक्स स्लैब में आ गई हैं. इस बदलाव का मतलब यह भी है कि 28 फीसदी टैक्स स्लैब स्लैब के तहत 90 फीसदी प्रोडक्ट्स 18 फीसदी टैक्स स्लैब में आ गई हैं. सरकार ने तंबाकू, सिगरेट, लग्जरी कारों और कुछ अन्य वस्तुओं के लिए एक अलग 40 फीसदी जीएसटी स्लैब की भी घोषणा की है.सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी रिफॉर्म से इकोनॉमी में 2 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा, जिससे लोगों के हाथ में ज़्यादा कैश आएगा.

कम से कम 375 प्रोडक्ट्स के टैक्स में कमी की गई है, लेकिन कुछ लोग सोच रहे होंगे कि इस नए जीएसटी रिफॉर्म से पेट्रोल, डीजल और शराब की कीमतों का क्या होगा तो पेट्रोल और डीजल वर्तमान में जीएसटी के दायरे में नहीं आते हैं.

क्रिप्टोकरेंसी में हाहाकार: 13हजार करोड रुपये स्वाहा

बाइनेंस, पाई नेटवर्क सब धड़ाम

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में सोमवार को भारी गिरावट आई। बिटकॉइन से लेकर इथेरियम, बाइनेंस, सोलाना समेत लगभग सभी क्रिप्टो 24 घंटे में धड़ाम हो गईं। पाई नेटवर्क में 15 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। क्रिप्टो मार्केट में गिरावट से ट्रेडर्स को 1.5 अरब डॉलर (करीब 13 हजार करोड़ रुपये) से ज्यादा का नुकसान हुआ। ये नुकसान उन लोगों को हुआ जिन्होंने सोचा था कि कीमतें बढ़ेंगी। कॉइन मार्केट कैप के मुताबिक सोमवार शाम 4:30 बजे पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन में 2.40 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई। इस गिरावट के साथ बिटकॉइन की कीमत 1.13 लाख डॉलर रह गई है। वहीं पिछले 24 घंटे में इथेरियम 6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ करीब 4185 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। रिपल में 5 फीसदी से ज्यादा, सोलाना में करीब 7 फीसदी, डॉगकॉइन में करीब 10 फीसदी और पाई नेटवर्क में करीब 17 फीसदी की गिरावट आ चुकी थी। पाई नेटवर्क की कीमत 0.30 डॉलर से भी नीचे आ गई है। किसी समय इसकी कीमत करीब 3 डॉलर हुआ करती थी। अगस्त में बिटकॉइन और इथेरियम की कीमतें बहुत बढ़ गई थीं।

जीएसटी के बाद ब्याज दरों में भी कमी हो सकती है, महंगाई पर चाबुक चलाने की तैयारी

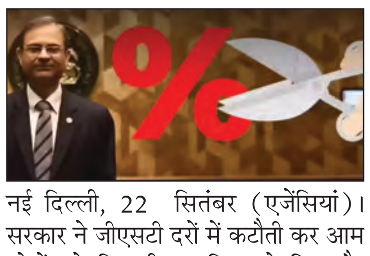

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने जीएसटी दरों में कटौती कर आम लोगों को दिवाली का गिफ्ट दे दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले के प्राचीर से इस बारे में घोषणा की थी। अब रिजर्व बैंक दिवाली से पहले आम आदमी को एक और गिफ्ट देने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि रिजर्व बैंक इस महीने ब्याज दरों यानी रेपो रेट में कटौती कर सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। अभी ब्याज दर 5.50% है। अगर ब्याज दरों में कटौती होती है तो इससे बैंक से लोन लेना सस्ता होगा। साथ ही ईएमआई का बोझ भी कम होगा। रिजर्व बैंक की इस महीने मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग होगी। माना जा रहा है कि इस मीटिंग में रिजर्व बैंक ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट (0.25%) की कमी कर सकता है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में ब्याज दरें घटाना सही रहेगा। अभी महंगाई कंट्रोल में है और आगे भी इसके कम होने की उम्मीद है। एमपीसी की मीटिंग 29 से 30 सितंबर को होगी और पॉलिसी का फैसला 1 अक्टूबर 2025 को होगा। एसबीआई की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर ब्याज दरें नहीं घटाई गईं तो 'टाइप 2 एरर' होने का खतरा है। पहले भी ऐसा हो चुका है जब रिजर्व ने अच्छी स्थिति होने के बावजूद ब्याज दरें नहीं घटाई थीं। 'टाइप 2 एरर' का मतलब है कि जब कोई चीज करनी चाहिए, तब उसे न करना।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सेंट्रल बैंकों का बिना शोर-शराबे वाला कम्युनिकेशन भी एक पॉलिसी टूल है। सितंबर में भी 'टाइप 2 एरर' (न्यूट्रल रुख के साथ ब्याज दर में कटौती नहीं) करने का कोई मतलब नहीं है। रिजर्व के लिए सितंबर में 25 बेसिस पॉइंट्स की ब्याज दर में कटौती सबसे अच्छा ऑप्शन है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जून के बाद से ब्याज दरें घटाने के लिए और भी ज्यादा मजबूत वजह चाहिए। इसलिए आरबीआई को साफ-साफ बात करनी होगी। एसबीआई का मानना है कि अभी ब्याज दरें घटाना सबसे अच्छा ऑप्शन है। सितंबर और अक्टूबर में महंगाई 2% से भी कम रहने की उम्मीद है। साथ ही वित्तीय वर्ष 2027 तक महंगाई कम रहने की उम्मीद है। एसबीआई का कहना है कि अभी सही समय है क्योंकि महंगाई कंट्रोल में है और वित्तीय वर्ष 2027 में भी इसके कम होने की उम्मीद है। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स लगभग 4% या उससे कम रहने का अनुमान है। अगर जीएसटी रिफॉर्म्स उम्मीद के मुताबिक करे तो अक्टूबर में यह 1.1% तक भी गिर सकती है।

देख ली दुनिया ने अडानी की 'पावर'

15 लाख के पार हुआ ग्रुप, 2 दिन में हुई 1.7 लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सोमवार को अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली. मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा हिंडनबर्ग रिसर्च मामले में आरोपों को खारिज करने के आदेश के बाद, अडानी पावर 15 महीने के हाई पर पहुंच गया. वहीं दूसरी ओर ग्रुप की दूसरी कंपनियों के शेयरों में भी इजाफा देखने को मिल रहा है. अडानी टोटल गैस, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट, सांघी इंडस्ट्रीज और अडानी की सीमेंट कंपनियों के शेयर रॉकेट बने हुए हैं. खास बात तो ये है कि शुक्रवार को कंपनी की वैल्यूएशन में करीब 69 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला था.

जबकि सोमवार को ग्रुप की वैल्यूएशन में 1.13 लाख करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला. इसका मतलब है कि अडानी ग्रुप की वैल्यूएशन में दो दिनों में 1.7 लाख करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अडानी ग्रुप के शेयरों में कितनी तेजी देखने को मिल रही है. बीएसई पर अडानी पावर 19.99 फीसदी बढ़कर 170.15 रुपए के साथ डेढ़ साल के हाई पर पहुंच गया है. अडानी टोटल गैस 17.49 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी 8.12 फीसदी और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस 5.67 फीसदी चढ़े. समूह की अन्य कंपनियों में, अडानी एंटरप्राइजेज में 4 फीसदी, एनडीटीवी में 3.51 फीसदी, सांघी इंडस्ट्रीज में 3.29 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स में 2-2 फीसदी की वृद्धि हुई. ताज्जुब की बात तो ये है कि ओवरऑल शेयर बाजार में दबाव देखने को मिल रहा है. सेंसेक्स में 500 से ज्यादा अंकों की गिरावट देखने को मिल रही है. जबकि निफ्टी 131 अंकों की गिरावट देखने को मिल रही है.

अमेरिका को भारतीय निर्यात में लगातार तीसरे महीने गिरावट, श्रेणी सी उत्पादों पर 50% टैरिफ का भारी असर

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।भारत के अमेरिका निर्यात में गिरावट के संकेत मिल रहे हैं, क्योंकि सितंबर पहला पूरा महीना है जब प्रमुख उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू है। जीटीआरआई की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि अगस्त के आंकड़े आंशिक रूप से ही उच्च टैरिफ का असर दिखाते हैं। बताया गया कि 6 अगस्त तक 10 प्रतिशत, 27 अगस्त तक 25 प्रतिशत और 28 अगस्त के बाद 50 प्रतिशत टैरिफ लागू हुआ था। रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर में श्रेणी सी निर्यात पर पूर्ण 50% टैरिफ लागू होने के कारण टेक्सटाइल, आभूषण, झींगा, रसायन और सोलर पैनल जैसे सेक्टरों में गिरावट और गहरी हो सकती है। अमेरिका के निर्यात में लगातार तीसरे महीने गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण टैरिफ में भारी बढ़ोतरी को माना जा रहा है। हालांकि ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि स्मार्टफोन और दवाइयों जैसे टैरिफ मुक्त निर्यात में अप्रत्याशित गिरावट आई है। जीटीआरआई रिपोर्ट में बताया गया है कि श्रेणी सी के निर्यात, जो भारत से अमेरिका को होने वाले कुल निर्यात का 62.7 प्रतिशत है, को सबसे ज्यादा टैरिफ नुकसान का सामना करना पड़ा है। इस श्रेणी में निर्यात 10.8 प्रतिशत घटकर मई में 4.82 अरब अमेरिकी डॉलर से अगस्त 2025 में 4.30 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। यह गिरावट श्रम-प्रधान क्षेत्रों में केंद्रित रही है, जो मूल्य प्रतिस्पर्धा के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। इस बीच, टैरिफ-मुक्त उत्पाद, जो भारत के अगस्त निर्यात का 28.5 प्रतिशत था। इसमें 41.9 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई, जो मई में 3.37 अरब डॉलर से घटकर अगस्त में 1.96 अरब डॉलर रह गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तीव्र गिरावट का कारण, कंपनियों द्वारा उच्च टैरिफ से बचने के लिए फ्रंटलोडिंग करना है। उद्योग संगठन भारत सरकार से शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह कर रहे हैं। साथ ही ब्याज समकारी योजना के तहत ब्याज सब्सिडी, शीघ्र शुल्क माफी और तरलता सहायता के रूप में सहायता की मांग कर रहे हैं।

नवरात्रि के पहले दिन खूब चमका सोना, जानें कल से आज कितनी बढ़ी कीमत? चांदी का भी भाव बढ़ा

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। आज 22 सितंबर को नवरात्रि के त्योहार का पहला दिन है. फेस्टिव सीजन और वैश्विक बाजारों के संकेतों के चलते आज सोने की कीमतों में तगड़ा उछाल आया. सोमवार को 24 कैरेट सोने की कीमत 43 रुपये बढ़कर 11,258 रुपये प्रति ग्राम हो गई, जबकि पिछले सत्र में यह 11,215 प्रति ग्राम थी. इसी तरह से 22 कैरेट सोने की कीमत 40 बढ़कर 10,320 रुपये प्रति ग्राम हो गई, जबकि 18 कैरेट सोने की कीमत 33 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 8,444 प्रति ग्राम हो गई है. इससे पता चल रहा है कि त्योहारी सीजन के मौके पर निवेशकों के बीच सोने पर निवेश को बढ़ावा मिला है.

देश के कुछ बड़े शहरों में आज सोने की कीमत

मुंबई में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 11,258 रुपये, 22 कैरेट की कीमत 10,320 और 18 कैरेट की कीमत 8,444 रुपये प्रति ग्राम है. दिल्ली में आज 24 कैरेट सोने की कीमत प्रति ग्राम 11,273 रुपये, 22 कैरेट की कीमत 10,335 और 18 कैरेट की कीमत 8,459 रुपये है. बेंगलुरु, हैदराबाद और केरल में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 11,258 रुपये, 22 कैरेट की कीमत 10,320 रुपये और 18 कैरेट की 8,444 रुपये है.

चेन्नई में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 11,302 रुपये, 22 कैरेट की कीमत 10,360 रुपये और 18 कैरेट की कीमत 8,580 रुपये प्रति ग्राम है.

एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ने से टूटा बाजार

आईटी कंपनियों में बिकवाली, सेंसेक्स-निफ्टी फिसले

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर 1,00,000 डॉलर प्रति कर्मचारी करने के फैसले के बाद बढ़ी चिंता के बीच आईटी शेयरों में गिरावट दिखी। इसके असर से सोमवार को बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी फिसलकर बंद हुए। इसके अलावा, ब्लू-चिप रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली ने भी बाजार मूड बिगाड़ा। लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 466.26 अंक या 0.56 प्रतिशत गिरकर 82,159.97 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 628.94 अंक या 0.76 प्रतिशत गिरकर 81,997.29 अंक पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124.70 अंक या 0.49 प्रतिशत गिरकर 25,202.35 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विस, इंफोसिस, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। बाजार के अनुमानों के मुताबिक गिरावट की बड़ी वजह अमेरिकी वीजा प्रकारण से जुड़ी अनिश्चितता है। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान आईटी शेयरों के मार्केट कैप में करीब 1 लाख करोड़ रुपये का सेंध लगने का अनुमान है। एच-1बी वीजा आवेदन शुल्क में भारी वृद्धि के बाद आईटी शेयरों में 3.6% की गिरावट आई। वीजा फीस में बदलाव को अमेरिका में कुशल कर्मचारियों को स्थानांतरित करने की लंबे समय से चली आ रही प्रथा के लिए खतरा माना जा रहा है। इंफोसिस , टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , टेक महिंद्रा और विप्रो में के शेयरों में 2.2% से 3.1% तक की गिरावट आई आई। इन शेयरों के कारण निफ्टी 50 पर सबसे अधिक दबाव बना। फार्मास्यूटिकल शेयरों में 1.4% की गिरावट आई। हालांकि, इटरनल, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहे। राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत अमेरिका में रहने और काम करने के लिए भारत सहित अन्य देशों से काम करने वाले कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए जरूरी वीजा पर शुल्क बढ़ा दिया गया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने शनिवार को स्पष्ट किया कि 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का एच-1बी वीजा शुल्क केवल नए आवेदकों पर लागू होगा। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति	लग्नारंभ समय
कन्या	कन्या-- 05-43 बजे
कन्या	तुला---- 07-49 बजे
तुला	वृश्चिक...10-00 बजे
कन्या	धनु...... 12-12 बजे
मिथुन	मकर... 14-18 बजे
सिंह	कुंभ.... 16-09 बजे
मीन	मीन.... 17-47 बजे
कुंभ	मेष..... 19-23 बजे
सिंह	वृष.... 21-08 बजे
	मिथुन.. 23-08 बजे
	कर्क... 01-21 बजे
	सिंह--- 03-33 बजे

दिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया 04-52 तक उपरान्त तृतीया
मास- आश्विन कृष्ण ,मंगलवार 23 September
नक्षत्र- हस्त 13-40 तक उपरान्त चित्रा
योग - ब्रह्म 20-22 तक ऐन्द्र
करण- बालव 15-51 तक उप कौलव
विशेष:- व्रत -त्योहार द्वितीय नवरात्रि

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-09 से 16-40 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
रोग 06-08 - 07-37 अशुभ	काल 18-10 - 19-40 अशुभ
उत्पात 07-37 - 09-07 अशुभ	लाभ 19-40 - 21-09 शुभ
चंचल 09-07 - 10-38 शुभ	उत्पात 21-09 - 22-39 अशुभ
लाभ 10-38 - 12-08 शुभ	शुभ 22-39 - 00-08 शुभ
अमृत 12-08 - 13-39 शुभ	अमृत.00-08 - 01-38 शुभ
काल 13-39 - 15-09 अशुभ	चंचल 01-38 - 03-07 शुभ
शुभ 15-09 - 16-40 शुभ	रोग 03-07 - 04-37 अशुभ
रोग 16-40 - 18-10 अशुभ	काल 04-37 - 06-08 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
काम पर संबंधों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है, जबकि तेज विश्लेषणात्मक कौशल आपको विस्तार से ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। तार्किक सोच और सावधानीपूर्वक योजना बनाना प्रगति लाता है, लेकिन नियंत्रण करने की इच्छा से बचें। इसके बजाय, अपनी तीव्रता को विचारशील संचार में लगाएं, स्पष्टता और प्रभाव के साथ बोलने या लिखने की अपनी क्षमता को मजबूत करें। दृढ़, विचारशील रुख अपनाएं।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपकी रचनात्मकता उच्च है, लेकिन ध्यान केंद्रित रखने के लिए अनुशासन की आवश्यकता है। आप कई बार खुद को असंगत महसूस कर सकते हैं, इसलिए असफलताओं से बचने के लिए शारीरिक संतुलन बनाए रखें। कठोरता की ओर झुकाव सामने आ सकता है, इसलिए जागरूकता और सहानुभूति के साथ आगे बढ़ें। अपनी ऊर्जा को रचनात्मक रूप से चैनल करें और आप अपने करियर में स्थिर विकास देखेंगे।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपकी भावनात्मक संवेदनशीलता आज आपके करियर को प्रभावित कर सकती है, जिसके लिए नाजुक स्वास्थ्य मामलों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करना आवश्यक है। आज आपकी जीवन शक्ति में वृद्धि होगी, जो रचनात्मक ऊर्जा को प्रोत्साहित करेगी। हालाँकि, दिन चुनौतियों को प्रस्तुत कर सकता है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन के मेल से आपका कार्य जीवन सुचारू रूप से चलता रहेगा। आप केंद्रित और स्पष्ट सोच महसूस करेंगे, जिससे कार्यों को निपटाना और समस्याओं का समाधान करना आसान हो जाएगा। यह आंतरिक सामंजस्य उत्पादक सहयोग और निर्णय लेने में सहायक होता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता आपको काम और पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद करती है। अनुशासन आपको केंद्रित रखता है, जबकि ऊर्जा का विस्फोट आपको कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है। आज आपके पास महान चीजें हासिल करने की प्रेरणा है। सतर्क रहें और जल्दबाजी से बचें। सावधानीपूर्वक प्रयास से, आप अपने लक्ष्यों की ओर मजबूत प्रगति कर सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप अपनी रचनात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़कर दूसरों से अलग दिखने के लिए प्रेरित हैं। कार्यस्थल पर रिश्ते मददगार साबित हो सकते हैं। अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और उन विकर्षणों से बचें जो आपको अपने लक्ष्य से भटका सकते हैं। दूसरों से प्रेरणा लेकर खुद को प्रेरित करें और अपनी व्यक्तिगत दिशा को नज़रअंदाज़ न करें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
संतुलन और संयम से आपकी सेहत को लाभ मिलता है। हृदय और रक्त संचार स्वास्थ्य के प्रति सक्रिय रहें। कैफीन, नमक और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करें। अपने भोजन में कैल्शियम युक्त विकल्प शामिल करें। अपने शरीर के एसिड/क्षारीय संतुलन का समर्थन करें और नसों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
जैसे-जैसे आपकी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प बढ़ता है, आपका करियर और पढ़ाई गति पकड़ती है। आप दृढ़ निश्चयी हैं और अवसरों का लाभ उठाने के लिए उत्सुक हैं, जिससे यह लक्ष्य निर्धारण और त्वरित कार्रवाई के लिए एक मज़बूत समय है। मानसिक स्पष्टता और तीक्ष्ण संवाद आपको परिस्थितियों का शीघ्र आकलन करने और आत्मविश्वास से प्रतिक्रिया देने में मदद करते हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन आपके काम के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। आज आपका आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा हुआ रहेगा। आप खुद को गहरी दूरदर्शिता के साथ पाएंगे, अक्सर सही समय पर सही जगह पर। हालाँकि, खुद को दूसरों के नियंत्रण से दूर रखें। आपकी सफल संचार कौशल चमकेगी, जिससे आपको अपने लक्ष्यों पर टिके रहने में मदद मिलेगी।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपके कार्य जीवन में अंतर्ज्ञान और अनुकूलनशीलता का लाभ मिलेगा। आप पाएंगे कि संचार प्रवाह आसानी से प्रवाहित होता है, जिससे आपको दूसरों से जुड़ने में मदद मिलती है। तीव्र भावनाएँ उभर सकती हैं, लेकिन ज़मीन पर टिके रहने से आपको उन्हें संभालने में मदद मिलेगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आपका करियर स्थिर और अप्रत्याशित दोनों लग सकता है। आपको बदलते कार्यों के साथ लचीले बने रहने के साथ-साथ कार्यस्थल के संबंधों को पोषित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आ सकते हैं, लेकिन आपका दृढ़ संकल्प आपको ट्रैक पर बने रहने में मदद करेगा।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज, आप सुरक्षात्मक और भावनात्मक रूप से जागरूक दोनों महसूस कर सकते हैं। जब आप साधन संपन्न होते हैं, तो आत्म-दया के क्षण आ सकते हैं। एक स्थिर, सतर्क मानसिकता आपको परिवर्तन को नेविगेट करने में मदद करती है, हालांकि लचीलापन एक चुनौती हो सकती है। आपके लक्ष्य स्पष्ट महसूस करते हैं,

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आस्था का प्रतीक देवी माता मंदिर जहां नवरात्रि पर दर्शन मात्र से पूरी हो जाती है मुराद

वैष्णो देवी मंदिर, कटरा

हरसिद्धि मंदिर, उज्जैन

अगर आप नवरात्रि में माता रानी के दर्शन की इच्छा रखते हैं तो देश के इन पांच सबसे बड़े देवी मंदिरों की यात्रा के लिए जा सकते हैं। यहां आपको पांच प्राचीन, चमत्कारी और विश्व प्रसिद्ध देवी माता के मंदिरों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

मां दुर्गा के नौ रूपों की हर दिन पूजा होती है। घटस्थापना करने से माता रानी का घर पर आगमन होता है, वहीं मंदिरों में भी नवरात्रि पर हर दिन विशेष श्रृंगार, भोग और पूजन की व्यवस्था की जाती है। पूरे देश भर के देवी मंदिरों में इस दौरान नजारा देखने योग्य होता है। देशभर में कई प्रसिद्ध और प्राचीन देवी मंदिर हैं, जहां दर्शन के लिए केवल देश ही नहीं विदेशों से भी हिंदू भक्त पहुंचते हैं। भारत के उत्तर में कटरा में माता वैष्णो देवी माता का मंदिर है, वहीं दक्षिण में चामुंडेश्वरी मंदिर और मदुरै का मीनक्षी मंदिर है। इसके अलावा 52 शक्तिपीठ भी हैं, जो भारत में ही नहीं बल्कि पड़ोसी देशों, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश में भी मौजूद हैं।

अन्नपूर्णा मंदिर, वाराणसी

अगर आप नवरात्रि में माता रानी के दर्शन की इच्छा रखते हैं तो देश के इन पांच सबसे बड़े देवी मंदिरों की यात्रा के लिए जा सकते हैं। यहां आपको पांच प्राचीन, चमत्कारी और विश्व प्रसिद्ध देवी माता के मंदिरों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

वैष्णो देवी मंदिर, कटरा

जम्मू-कश्मीर के कटरा में माता वैष्णो देवी का मंदिर है। इस मंदिर को भारत का सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय देवी मंदिर माना जाता है। हर साल वैष्णो देवी मंदिर में लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। वहीं नवरात्रि में यहां का नजारा देखते ही बनता है। वैष्णो देवी माता के दर्शन के लिए भक्तों को पैदल यात्रा करनी होती है। हालांकि सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा और घोड़े व पालकी की व्यवस्था भी है। इस मंदिर से जुड़ी कई धार्मिक मान्यता है।

असम राज्य के गुवाहाटी में कामाख्या देवी मंदिर स्थित है। यह मंदिर 52 शक्तिपीठों में से एक है। यहां माता सती का योनि भाग गिरा था। कामाख्या देवी मंदिर को तंत्र साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है और देवी के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं।

भगवान शिव की नगरी काशी में माता अन्नपूर्णा का मंदिर है जो कि देवी पार्वती का प्रमुख स्थल है। यह मंदिर भक्तों को सुख-समृद्धि और अन्न-धन का आशीर्वाद देने वाला माना जाता है। नवरात्रि के समय यहां भव्य पूजा और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी शक्तिपीठ है, जिसका नाम हरसिद्धि माता मंदिर है। इसे देश के प्रमुख शक्ति पीठों में गिना जाता है। यहां माता सती की कोहनी गिरी थी। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं, और मां काली की भव्य आरती भक्तों को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव देती है।

नवरात्रि का दूसरा दिन:मां ब्रह्मचारिणी

नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है। यह ब्रह्म शक्ति यानि तप की शक्ति का प्रतीक हैं। इनकी आराधना से भक्तों की तप करने की शक्ति बढ़ती है। शास्त्रों में बताया गया है कि मां दुर्गा ने पार्वती के रूप में पर्वतराज के यहां पुत्री बनकर जन्म लिया और महर्षि नारद के कहने पर अपने जीवन में भगवान महादेव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। हजारों वर्षों तक अपनी कठिन तपस्या के कारण ही इनका नाम तपश्चारिणी या ब्रह्मचारिणी पड़ा।

स्वरूप- माता अपने इस स्वरूप में बिना किसी वाहन के नजर आती हैं। मां ब्रह्मचारिणी के दाएं हाथ में माला और बाएं हाथ में कमंडल है।

महत्त्व- माता ब्रह्मचारिणी हमें यह संदेश देती हैं कि जीवन में बिना तपस्या अर्थात कठोर परिश्रम के सफलता प्राप्त करना असंभव है। बिना श्रम के सफलता प्राप्त करना ईश्वर के प्रबंधन के विपरीत है। अतः ब्रह्मशक्ति अर्थात समझने व तप करने की शक्ति हेतु इस दिन शक्ति का स्मरण करें। योग-शास्त्र में यह शक्ति स्वाधिष्ठान में स्थित होती है। अतः समस्त ध्यान स्वाधिष्ठान में करने से यह शक्ति बलवान होती है एवं सर्वत्र सिद्धि व विजय प्राप्त होती है।

॥स्तुति मंत्र॥

दधाना करपद्माभ्याम्, अक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि, ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

(जिनके एक हाथ में अक्षमाला है और दूसरे हाथ में कमण्डल है, ऐसी उत्तम ब्रह्मचारिणीरूपा मां दुर्गा मुझ पर कृपा करें।)

भोग: उपवास के बाद माता को शक्कर का भोग लगाया जाता है। इससे घर के सभी सदस्यों की आयु बढ़ती है।

नवरात्रि में रखें अपने स्वास्थ्य का ध्यान

नवरात्रि में खानपान का बहुत महत्व होता है क्योंकि ये समय साधना, उपवास और शारीरिक व मानसिक शुद्धि का होता है। इस दौरान क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, यह परंपरागत नियमों व शरीर की पवित्रता के अनुसार तय किया गया है। नवरात्रि व्रत रखने वाले जातक को पूरी तरह से पवित्रता का पालन करना चाहिए। शुद्धता का भी इस व्रत में बेहद ध्यान रखने की जरूरत है। इस दौरान विचारों की शुद्धता सबसे ज्यादा जरूरी है। इस दौरान आपके मन में कई बुरे विचार, दूसरों के प्रति ईर्ष्या का भाव नहीं रहना चाहिए। इस दौरान पूर्णतः ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए साथ ही झूठ नहीं बोलना चाहिए।

शारदीय नवरात्रि का पर्व 22 सितंबर से शुरू हो रहा है। जो 1 अक्टूबर तक रहेगा। इन नौ दिनों में भक्त नवदुर्गा की पूरी श्रद्धानुसार पूजा-अर्चना करते हैं। इन दिनों मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए व्रत रखने के साथ-साथ उनके लिए विशेष पूजा-पाठ भी किया जाता है। शास्त्रों में मां के नवरात्रि व्रत के जरूरी नियम भी बताए गए हैं। नवरात्रि व्रत के नियम व व्रत में क्या खाएं, क्या न खाएं ताकि आप से व्रत में कोई गलती न हो और आपकी पूजा सफल और शुभ फलदायक रहे।

फल – सेब, केला, अनार, पपीता, अंगूर आदि।

सब्जियां- आलू, कद्दू, अरबी, खीरा, मूली आदि।

साबूदाना – साबूदाना खिचड़ी, वड़ा, खीर।

कुट्टू का आटा – कुट्टू की पूरी, पराठा, पकौड़े।

सिंघाड़े का आटा – हलवा, पूरी, पकोड़े।

शकरकंद और आलू – उबले या हल्के मसाले में बने।

समक (सांवा चावल) – खिचड़ी, खीर, पुलाव।

दूध और दही – लस्सी, छाछ, रायता।

सूखे मेवे – बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश।

मखाना – भुना हुआ या खीर के रूप में।

सेंधा नमक – साधारण नमक की जगह प्रयोग करें।

शहद और गुड़ – मिठास के लिए।

ये हैं दिल्ली के 5 'मनोकामना सिद्ध पीठ' मंदिर, यहां की चौखट से कभी खाली हाथ नहीं लौटते भक्त

कालका जी मंदिर

नवरात्र में लोग अपनी भक्ति और मां का आशीर्वाद लेने के लिए पूजा उपासना करते हैं। भक्त माता दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। कहा जाता है इन नौ दिनों में आपके अंदर की आध्यात्मिक और मानसिक शक्तियां जागृत होती हैं। इन दिनों लोग अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए भी व्रत उपवास का नियम करते हैं। अगर आपकी भी कोई मनोकामना है तो दिल्ली में ऐसे कई मंदिर है जो मनोकामना सिद्ध पीठ के नाम से जाने जाते हैं। कहा जाता है इन मंदिरों में पहुंचने वाले हर भक्त की मनोकामना पूरी होती है। जानिए दिल्ली के सबसे प्राचीन देवी के मंदिर कौन से हैं जहां मनोकामना पूरी होती है।

दिल्ली के प्राचीन सिद्ध पीठ देवी मंदिर

झंडेवालान माता मंदिर- दिल्ली के प्राचीन देवी मंदिरों में झंडेवालान देवी माता का मंदिर शामिल है। यहां देश विदेश से भक्त दर्शनों के लिए पहुंचते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में जाने पर मां भक्तों की सभी मनोकामना पूरी करती हैं। आप भी इस बार नवरात्रि के मौके पर झंडेवालान देवी माता के मंदिर दर्शनों के लिए जा सकते हैं। यहां आप मेट्रो से आसानी से जा सकते हैं।

कालका जी मंदिर- देवी के प्राचीन मंदिरों में कालका जी मंदिर भी शामिल है। दिल्ली में नेहरू प्लेस के पास कालका जी मंदिर स्थित है। इस मंदिर में मां दुर्गा का काली रूप है। कहा जाता है कि कालका मंदिर में भक्तों की सारी मनोकामना सिद्ध हो जाती हैं। इसीलिए कालकाजी मंदिर को मनोकामना सिद्ध पीठ के नाम से जाना जाता है।

योगमाया मंदिर- योगमाया को देवी शक्ति का ही रूप कहा जाता है। पौराणिक मान्याओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण योग योगेश्वर हैं और भगवती योगमाया हैं। योगमाया ने मां यशोदा की कोख से जन्म लिया था। इस दुनिया में को कुछ भी दिख रहा है वो सब योगमाया की ही माया है। कहा जाता है इस मंदिर में दर्शन करने से भक्तों की सभी मनोकामना पूरी होती है।

आद्या कात्यायिनी मंदिर- दिल्ली के छतरपुर देवी मंदिर को आद्या कात्यायिनी मंदिर कहा जाता है। इस मंदिर का नाम आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मन्दिर है जो प्राचीन देवी के मंदिरों में से एक है। यहां देवी कात्यायनी की पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्रि के दिनों में जो भक्त यहां पहुंचकर दर्शन करते हैं उनकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। छतरपुर देवी का मंदिर गुंडग़ांव-महरौली रोड़ पर पड़ता है।

गुफा वाला मंदिर- प्रीचीन देवी के मंदिरों में गुफा मंदिर भी शामिल है। ये मंदिर पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार में है। इस मंदिर को गुफा मंदिर कहा जाता है। यहां मां चिंतपूर्णी, माता कात्यायनी, संतोषी माता, देवी लक्ष्मी और ज्वाला जी की मूर्तियां हैं। मंदिर से गंगा जल की एक धारा बहती रहती है। मान्यता है कि इस मंदिर की चौखट पर पहुंचने वाले सभी भक्तों की मनोकामना पूरी होती है।

आद्या कात्यायिनी मंदिर

योगमाया मंदिर

गुफा वाला मंदिर

नेशनल टीवी पर बॉयफ्रेंड संग शादी करेंगी टीवी की बालिका वधू, 30 को लेंगी फेरे

टीवी की दुनिया में 'बालिका वधू' से घर-घर में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री अविका गौर इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड के साथ शो 'पति,पत्नी और पंगा' में नदजर आ रही हैं। अवीका अब अपनी जिंदगी का सबसे खास अध्याय शुरू करने जा रही हैं। दरअसल अविका अपने मंगेतर मिलिंद चंदवानी के साथ 30 सितंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी। खास बात यह है कि उनकी ये शादी केवल परिवार और दोस्तों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी दुनिया इसे नेशनल टेलीविजन पर देख पाएगी।

अविका ने शादी की खबर को किया कन्फर्म

अविका ने इस खुशी को साझा करते हुए कहा कि अभी भी उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि यह सब सच में हो रहा है। एचटी सिटी से बातचीत में उन्होंने कहा, 'कभी-कभी सुबह उठते ही खुद को याद दिलाना पड़ता है कि यह सपना नहीं, बल्कि मेरी जिंदगी का हकीकत है। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे मिलिंद जैसा साथी मिला, जो न केवल मेरा समर्थन करते हैं बल्कि मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं।'

शो में शादी करने के पीछे का आइडिया

28 साल की अविका ने अपनी शादी को नेशनल टेलीविजन पर दिखाने का फैसला यूं ही नहीं लिया। उन्होंने कहा कि साल 2008 से वो लगातार लोगों के सामने रही हैं और दर्शकों से उन्हें हमेशा बेहिसाब प्यार और दुआएं मिली हैं। यही वजह है कि उन्होंने चाहा कि उनके चाहने वाले भी इस सफर का हिस्सा बनें। उन्होंने मुस्कुराते हुए याद किया कि बचपन में अक्सर कहा करती थीं कि या तो उनकी शादी कोर्ट में होगी, जिसके बारे में किसी को पता भी नहीं चलेगा या फिर इतनी बड़ी होगी कि पूरा देश जश्न में शामिल होगा। अब जाकर उनका वो सपना साकार हो रहा है।

परिवार का रिएक्शन

अविका ने बताया कि परिवार की बात करें तो इस फैसले को सुनकर सभी बेहद खुश हैं। अविका ने कहा, 'जब शादी का निमंत्रण सेट पर पहली बार दिखाया गया तो मां भावुक हो गईं। शादी के कार्ड अभी आधिकारिक रूप से बांटे नहीं गए हैं। परिवार का कहना है कि पहले वो सिद्धिविनायक मंदिर जाकर भगवान का आशीर्वाद लेंगे, उसके बाद ही कार्ड बांटे जाएंगे।'

शादी के लुक को लेकर अविका ने साफ कहा है कि वो पारंपरिक अंदाज ही अपनाएंगी। उन्होंने बताया कि उनके लिए लाल रंग सबसे खास है और वो अपनी शादी में केवल लाल जोड़ा ही पहनेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मेहमानों से उन्होंने हल्के रंगों के कपड़े पहनने को कहा है ताकि उनकी ब्राइडल ड्रेस अलग और खास लगे।

शादी में कौन-कौन होगा शामिल?

अविका की मानें तो उनके कुछ करीबी दोस्त जैसे हर्ष लिंबाचिया, भारती सिंह, जन्नत जुबैर और अली गोनी शूटिंग शेड्यूल के चलते शादी में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन सभी ने उन्हें वीडियो संदेश और शुभकामनाएं भेजी हैं। अविका ने भावुक होकर बताया कि नागार्जुन, अनुपम खेर और महेश भट्ट जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी उन्हें आशीर्वाद भेजा है। ये प्यार और सम्मान उनके लिए बेहद खास है।

जुबीन गर्ग का दोबारा होगा पोस्टमार्टम, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने साझा की जानकारी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि कुछ लोगों की मांग के बाद जुबीन गर्ग के शव का दूसरा पोस्टमार्टम होगा। मंगलवार को गुवाहाटी के अस्पताल में जुबीन गर्ग का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

असम के सीएम ने रविवार को जांच का आश्वासन भी दिया था

सिंगर जुबीन गर्ग का डेथ सर्टिफिकेट सिंगापुर हाइकमिशन द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को भेजा गया था। डेथ सर्टिफिकेट में सिंगर की मौत का कारण भी स्पष्ट लिखा है। इस डेथ सर्टिफिकेट को पाने के बाद भी असम के सीएम ने जुबीन की मौत के मामले में जांच का आश्वासन परिवार को दिया था। एएनआई के अनुसार मीडिया से बात करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, ' सिंगापुर हाइकमिशन ने जुबीन गर्ग का डेथ सर्टिफिकेट भेजा है, उसमें मौत का कारण डूबना बताया गया है लेकिन यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट अलग है और डेथ सर्टिफिकेट अलग है। हम डॉक्यूमेंट सीआईडी को भेजेंगे। असम सरकार के मुख्य सचिव जल्द से जल्द पोस्टमार्टम रिपोर्ट हासिल करने के लिए सिंगापुर के राजदूत से संपर्क कर रहे हैं।' अब सोमवार को असम के सीएम ने जुबीन गर्ग के शव के दोबारा पोस्टमार्टम होने की जानकारी साझा की है।

कब और कैसे हुआ सिंगर जुबीन का निधन

19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग करते हुए सिंगर जुबीन गर्ग का निधन हुआ। सिंगर जुबीन पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के लिए सिंगापुर में थे। उनके निधन के बाद महोत्सव के आयोजकों ने एक बयान जारी कर कहा कि स्कूबा डाइविंग के दौरान जुबीन गर्ग को सांस लेने में तकलीफ हुई थी, उन्हें सिंगापुर जनरल अस्पताल ले जाने से पहले सीपीआर दिया गया। लेकिन जुबीन को बचाया नहीं जा सका। जुबीन गर्ग के निधन से असम और संगीत जगत में शोक का माहौल है।

ओजी मूवी से दमदार एक्शन के साथ लौटे पवन कल्याण

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार पवन कल्याण की मच अवेटेड पीरियड गैंगस्टर ड्रामा 'दे कॉल हिम ओजी' का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म की रिलीज से कुछ ही दिन पहले ट्रेलर में सुपरस्टार के दमदार डायलॉग्स और एक्शन देखने को मिल रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैंस फिल्म 'ओजी' के हर अपडेट को बारीकी से ट्रैक कर रहे थे और उत्साह अपने चरम पर था।

फैंस पवन कल्याण की इस फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर में पवन कल्याण का दमदार अंदाज देखने को मिल रहा है। उनके एक्शन ने फैंस का दिल जीत लिया है। ट्रेलर में विलेन बने इमरान हाशमी, पवन कल्याण को जबरदस्त टक्कर दे रहे हैं।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म में पवन कल्याण के साथ प्रियंका अरुलमोहन फीमेल लीड में हैं, जबकि एंटैगनिस्ट की भूमिका में इमरान हाशमी नजर आएंगे। इसके अलावा श्रीया रेड्डी, प्रकाश राज, अर्जुन दास और शाम जैसी प्रमुख भूमिकाओं में कलाकार हैं।

संगीत की रचना थमन ने की है, जबकि डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर के तहत डीवीवी दानय्या और कल्याण दास इस प्रोजेक्ट के निर्माता हैं। फिल्म की कहानी को पीरियड गैंगस्टर ड्रामा के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसके किरदार और सेटअप दर्शकों को एक बड़े और ग्रिटी अनुभव की ओर ले जाएंगे।

आर्यन खान की वेब सीरीज में रणबीर कपूर ने किया 'फू-फू', अब मुसीबत पड़ी गले, क्या है पूरा मामला

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख के बेटे आर्यन खान ने द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के जरिए डेब्यू किया है. जहां बॉलीवुड सितारों की फौज देखने को मिली है. सलमान खान, करण जौहर, रणवीर सिंह, रणबीर कपूर से लेकर इमरान हाशमी समेत तमाम सितारों के कैमियो है. अब इस सीरीज के चलते रणबीर कपूर की आफत बढ़ सकती है. साथ ही ये सीरीज विवादों में घिरती दिख रही हैं.

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में रणबीर कपूर का भी एक कैमियो है जहां वह करण जौहर के साथ दिखते हैं. इसी सीन को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लेते हुए सीरीज के प्रोड्यूसर और एक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने को कहा है.

आखिर क्यों हुआ आर्यन की

सीरीज पर बवाल

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के एक सीन में रणबीर कपूर, करण जौहर और एक्ट्रेस के साथ नजर आते हैं. जहां वह ई-सिगरेट पीते हुए दिख रहे हैं. मगर इस सीन में मेकर्स ने किसी भी तरह का डिसक्लेमर मतलब चेतावनी नहीं लगाया हुआ था. इसी मामले को लेकर एक शिकायतकर्ता ने एनएचआरसी को शिकायत की और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भी कार्रवाई की मांग की है.

नोटिस जारी

शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह के सीन्स से युवाओं पर गलत असर पड़ेगा. साथ ही नियमों का उल्लंघन भी हुआ है. इस मामले में एनएचआरसी ने ऐसे कंटेंट पर रोक लगाने के लिए नोटिस भी जारी किया है.

भारत में ई-सिगरेट

इस सीन को लेकर मुंबई के पुलिस आयुक्त ने भी इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट बेचने वालों को लेकर भी जांच की बात कही है. बता दें भारत में ई-सिगरेट बनाना, लाना-ले जाना, जमा करना और बेचना सब बैन है. दुनिया के कुछ ही देशों में ई-सिगरेट की बिक्री पर पूरी तरह रोक है, और भारत उन्हीं में से एक है.

'ताकि मैं अपने तन - मन से और भी ज्यादा शुद्ध रहूं' 'रामलीला' में मंदोदरी बनने के लिए पूनम पांडे कर रहीं तपस्या

दिल्ली के लाल किला मैदान में आयोजित होने वाली 'लव कुश रामलीला' के कलाकारों में पूनम पांडे को शामिल करने का जमकर विरोध हुआ। हालांकि विरोधों के बावजूद इस रामलीला में पूनम पांडे हिस्सा लेने जा रही हैं। बता दें कि इस आयोजन के लिए एक्ट्रेस पूनम पांडे को रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभाने के लिए चुना गया है। वहीं एक्टर राज बब्बर के बेटे आर्य बब्बर इस साल रावण की भूमिका में दिखेंगे। पूनम पांडे ने इसे लेकर खुशी जताते हुए एक वीडियो भी शेयर किया है।

सोशल मीडिया पर पूनम पांडे का एक वीडियो जारी किया गया है। इसमें उन्होंने बताया कि वह मंदोदरी का रोल प्ले कर रही हैं और इसके लिए उन्होंने क्या संकल्प लिया है। पूनम ने इस रामलीला मे जगह पाने को लेकर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि यह उनके करियर का बेहद अहम मौका है और वह पूरे मन से मंदोदरी का किरदार निभाएंगी।

'मैं बहुत ही ज्यादा खुश हूं'

पूनम पांडे ने वीडियो शेयर कर कहा, 'दिल्ली के लाल किला में होने वाली वर्ल्ड फेमस लव-कुश रामलीला का प्ले होते है उसमें मुझे मंदोदरी (एक जो बहुत ही इम्पॉर्टेंट कैरक्टर है जो रावण की पत्नी थी) उनका किरदार निभाने का अवसर मिला है। मैं बहुत ही ज्यादा खुश हूं। ये बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है।'

'मैं पूरे नवरात्रि के दौरान व्रत रखूंगी'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने ये भी फैसला लिया है कि मैं पूरे नवरात्रि के दौरान व्रत रखूंगी ताकि मैं अपने मन से तन से और भी ज्यादा शुद्ध रहूं इस खूबसूरत से रोल को प्लेक करने के लिए। जय श्रीराम, मिलते हैं रामलीला में।'

इस रोल पर लोगों ने काफी आपत्ति जताई थी

बता दें कि पूनम पांडे को लेकर उनके इस रोल पर लोगों ने काफी आपत्ति जताई थी। हालांकि, कमेटी इन विरोधों को दरकिनार करते हुए अपने फैसले पर अड़ी रही। बता दें कि पिछले सप्ताह की शुरुआत में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने रामलीला में पूनम पांडे को लिए जाने पर आपत्ति जताई थी। वहीं, रविवार को रामलीला कमेटी के चेयरमैन अर्जुन कुमार ने भी स्पष्ट कर दिया था कि पूनम पांडे ही मंदोदरी का किरदार निभाएंगी।

'पूनम पांडे का यह किरदार उनके जीवन को मर्यादित दिशा में ले जाएगा'

अर्जुन कुमार ने कहा था, 'स्वाभाविक है कि सभी लोग एक जैसी सोच नहीं रख सकते। कुछ लोग पूनम पांडे के चयन का विरोध कर रहे हैं, जबकि कुछ सपोर्ट में हैं। हर किसी की अपनी सोच हो सकती है। हमारा मानना है कि भले ही किसी ने पहले में बोल्ड सीन दिए हों, लेकिन जब वह प्रभु राम के इस मर्यादित मंच पर मंदोदरी जैसे पवित्र किरदार में आएंगी, जो रावण को अच्छाई का रास्ता दिखाने की कोशिश करती हैं, तो निश्चित रूप से इससे उनके मन और विचारों में सकारात्मक बदलाव आएगा। हमारा मानना है कि पूनम पांडे का यह किरदार उनके जीवन को धार्मिक और मर्यादित दिशा में ले जाएगा।'

'लव कुश रामलीला' 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक

बता दें कि 'लव कुश रामलीला' 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी। इस बार रावण का किरदार बॉलीवुड एक्टर आर्य बब्बर निभा रहे हैं। राम की भूमिका में किंशुक वैद्य, सीता की भूमिका में रिनी आर्य, और परशुराम की भूमिका में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी दिखाई देंगे।

इस एक्टर के पास कभी कपड़े खरीदने तक के नहीं थे पैसे, फिर खड़ा किया करोड़ों का ब्रांड

तेलुगू फिल्मों के स्टार विजय देवरकोंडा की गिनती आज देश के पॉपुलर एक्टर्स में की जाती है, पर कभी उन्होंने बुरा दौर देखा था। करियर के शुरुआती दिनों में ऐसी हालत भी थी, जब वह अपने लिए कपड़े तक अफोर्ड नहीं कर पाते थे। विजय देवरकोंडा फिल्म 'लिटिल हार्ट्स' के एक इवेंट में मौजूद थे, जहां फिल्म की सफलता का जश्न मनाया जा रहा था।

विजय देवरकोंडा ने पूरी टीम को बधाई दी और अपने कपड़ों के ब्रांड से कपड़े गिफ्ट में दिए। इवेंट में होस्ट ने देखा कि एक्टर मौली तनुज प्रशांत ने विजय के ब्रांड की शर्ट पहनी हुई थी। होस्ट ने विजय देवरकोंडा से पूछा कि क्या उन्होंने उन्हें अपने ब्रांड से कपड़े गिफ्ट किए हैं या एक्टर चुरा लिए हैं क्योंकि उन्होंने प्रमोशन के दौरान उन्हें सिर्फ विजय के ब्रांड के कपड़े पहने देखा था।

यह बोले विजय देवरकोंडा

इस पर विजय देवरकोंडा ने कहा, 'मैंने मौली तनुज प्रशांत को गिफ्ट में दिए और मार्थंड (राइटर और डायरेक्टर) ने खरीदे थे। मैंने उन्हें सभी प्रोग्राम और प्रमोशन्स में 'राउडी' के कपड़े पहने देखा है। मैं सोच रहा था कि वह कितने खरीदेंगे क्योंकि मुझे पता है कि शुरुआत में क्या होता है। आप हमेशा इन्हें अफोर्ड नहीं कर सकते।'

कपड़े खरीदने के नहीं थे पैसे तो फिल्म के कॉस्ट्यूम पहने

विजय ने आगे बताया, 'मैंने 'येवड़े सुब्रमण्यम' के प्रमोशन के दौरान फिल्मों के कॉस्ट्यूम पहने थे क्योंकि मेरे पास नए कपड़े खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें कपड़े गिफ्ट किए। हालांकि, मुझे नहीं पता था कि वो इंस्टाग्राम पर खुशी-खुशी इतना कमा रहे हैं।'

विजय देवरकोंडा का करियर और स्ट्रगल

विजय देवरकोंडा ने करियर में बहुत स्ट्रगल किया है। बतौर हीरो उनकी पहली फिल्म साल 2016 में आई थी, जिसका नाम Pelli Choopulu था। लेकिन इससे पहले तक वह फिल्मों में सिर्फ साइड रोल्स ही कर रहे थे। फिर धीरे-धीरे वह तेलुगू सिनेमा में अपने कदम जमाने में कामयाब हो गए। विजय ने 'जर्सी', 'डियर कॉमरेड', 'गीता गोविंदम' और 'लाइगर' जैसी फिल्में कीं।

विजय देवरकोंडा की फीस, नेट वर्थ और क्लोदिंग ब्रांड

विजय के पास भले ही पहले कपड़े खरीदने के लिए पैसे नहीं थे, पर आज वह करोड़ों के मालिक हैं।

वह एक फिल्म के लिए 6-7 करोड़ रुपये फीस लेते हैं। वहीं, 'लाइगर' के लिए 20-25 करोड़ रुपये लेने की खबरें आई थीं। 'जीक्यू' की रिपोर्ट के मुताबिक, विजय देवरकोंडा की नेट वर्थ 39 करोड़ रुपये है। उनके क्लोदिंग ब्रांड से भी हर साल करोड़ों की कमाई होती है।

'दोगुनी सैलरी और 5 घंटे शूटिंग...' दीपिका पादुकोण के 'कल्कि 2' विवाद पर भूमि पेडनेकर-तब्बू का आया रिएक्शन

दीपिका पादुकोण पहले संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर हुईं. अब 'कल्कि 2' से भी उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. एक्ट्रेस और प्रभास स्टारर फिल्म के मेकर्स के बीच क्या गलत हुआ? इसे कई मीडिया रिपोर्ट्स में समझाने की कोशिश की है. एक वीडियो में आमिर खान समझा रहे हैं कि एक प्रोडक्शन हाउस को एक्टर को कितना पेमेंट देना चाहिए, इस बीच, भूमि पेडनेकर और तब्बू ने दीपिका पादुकोण विवाद पर रिएक्शन दिया है.

भूमि पेडनेकर ने एक खबर पर रिएक्शन देते हुए कहा कि दीपिका पादुकोण को फिल्म से उनकी ऊंची डिमांड के कारण हटाया गया है. तेलुगु न्यूज पोर्टल 'द आकाशवाणी' के अनुसार, दीपिका पादुकोण ने 'कल्कि 2' के मेकर्स से अपनी पहली फिल्म की तुलना में दोगुना पेमेंट मांगा था. यह भी दावा किया गया कि दीपिका पादुकोण ने शूटिंग के दौरान अपनी टीम के लिए शानदार सुविधाओं की मांग की थी. वह हर दिन सिर्फ पांच घंटे की शिफ्ट चाहती थीं. भूमि पेडनेकर ने रिपोर्ट को इंस्टाग्राम पर 'लाइक' करके रिएक्शन दिया.

'किंग' की शूटिंग में बिजी हुईं दीपिका पादुकोण

दिलचस्प बात है कि भूमि ने दीपिका पादुकोण की शाहरुख खान के साथ 'किंग' की शूटिंग शुरू करने वाली इंस्टाग्राम पोस्ट को भी 'लाइक' किया. इस बीच, तब्बू ने एक पोस्ट को 'लाइक' किया जिसका टाइटल था, 'दीपिका पादुकोण को कल्कि और स्पिरिट से क्यों निकाला गय?'. पोस्ट में आमिर खान का एक इंटरव्यू क्लिप शामिल था, जिसमें वह समझा रहे थे कि मेकर्स की जिम्मेदारी नहीं है कि वे अभिनेताओं की टीम के लिए भी पेमेंट करें.

दीपिका पादुकोण को 'कल्कि 2' से क्यों हटाया गया?

बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'कल्कि 2' के मेकर्स ने दीपिका को इसलिए हटाने का फैसला किया, क्योंकि वह अपनी फीस में 25 फीदी की वृद्धि और 7 घंटे की शिफ्ट की डिमांड कर रही थीं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स ने इन दोनों डिमांड पर एक्ट्रेस के साथ बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन वह अडिग रहीं. उसी रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि दीपिका 25 लोगों की टीम के साथ यात्रा करती हैं. एक्ट्रेस अपनी टीम के लिए 5 स्टार आवास और शूटिंग के दौरान भोजन की भी मांग कर रही थीं. जबकि मेकर्स ने उनके साथ बातचीत करने और उनकी टीम की संख्या कम करने का अनुरोध किया, दीपिका अपनी मांगों पर अडिग रहीं. 'कल्कि 2' के मेकर्स ने दीपिका के फिल्म से बाहर होने की जानकारी सोशल मीडिया के जरिये दी.

'कांग्रेस ने देश को लूटा और बर्बाद किया'
सीपी जोशी का गांधी परिवार पर निशाना

अजमेर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (राजस्थान) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सीपी जोशी ने अजमेर में आयोजित प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम में कांग्रेस और गांधी परिवार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया 'मां की बात' उद्बोधन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह देश की करोड़ों आबादी के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

सीपी जोशी ने केंद्र सरकार की नीतियों, विशेषकर जीएसटी सुधारों की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि आज देश की 99% वस्तुएं 0 से 5% टैक्स स्लैब में आ चुकी हैं, जिससे आम जनता, व्यापारियों और किसानों को अभूतपूर्व राहत मिली है।

राहुल गांधी पर पलटवार

राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'सबसे कमजोर प्रधानमंत्री' कहने वाले ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए जोशी ने कहा कि कांग्रेस नेता दूसरों पर आरोप लगाने से पहले अपनी पार्टी के इतिहास को देखें। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में देश को लूटा और बर्बाद किया। जोशी ने दावा किया कि कांग्रेस ने चीन को हजारों हेक्टेयर जमीन सौंप दी, कश्मीर में धारा-370 लागू कर उसे भारत से अलग करने की कोशिश की और इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) में ले जाकर देश की छवि को धूमिल किया।

उन्होंने कहा कि 60 वर्षों तक कांग्रेस ने धर्म, जाति और पंथ के आधार पर देश को बांटा और आर्थिक रूप से कमजोर किया। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी ने केवल 11 वर्षों में देश को एक परिवार मानकर विकास की नई गाथा लिखी है। जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा गांधी परिवार को ही देश माना, जबकि मोदी ने

समूचे भारत को प्राथमिकता दी।

जीएसटी सुधार- आम जनता को राहत

सीपी जोशी ने जीएसटी को देश के सबसे बड़े टैक्स सुधारों में से एक बताते हुए कहा कि इससे खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर घरेलू उत्पादों तक 90-99% चीजें सस्ती हो गई हैं। उन्होंने बताया कि पहले 28% और 18% टैक्स स्लैब में आने वाली वस्तुओं पर अब केवल 12% या 5% टैक्स लगता है।

सीपी जोशी ने सीमेंट, बीमा, जीवन रक्षक दवाइयां और कृषि उपकरणों पर दी गई छूट से न केवल आम आदमी को लाभ हुआ है, बल्कि किसानों और व्यापारियों के लिए भी यह वरदान साबित हुआ है। जोशी ने इसे प्रधानमंत्री मोदी की ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए कहा कि यह कदम हर वर्ग के चेहरे पर खुशहाली लाने में सफल रहा है।

वाहन और निर्माण सामग्री पर छूट

जीएसटी सुधारों का जिक्र करते हुए जोशी ने कहा कि मोटरसाइकिल और कार जैसी वस्तुओं पर 10% टैक्स छूट कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। उन्होंने सीमेंट की बोरी का उदाहरण देते हुए बताया कि इसकी कीमत 28% टैक्स स्लैब से घटकर 18% हो गई है। इसके अलावा, बीमा पॉलिसियों और जीवन रक्षक उपकरणों पर टैक्स को शून्य से 5% तक सीमित करना एक क्रांतिकारी कदम है।

जोशी ने कहा कि यह सुधार न केवल मध्यम वर्ग और व्यापारियों के लिए, बल्कि गृहिणियों और किसानों के लिए भी लाभकारी है। उन्होंने इसे 'विकास का असली मॉडल' करार देते हुए कहा कि मोदी सरकार की नीतियों ने हर वर्ग को समृद्ध बनाने का काम किया है।

मोदी सरकार की उपलब्धियां

जोशी ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और नीतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने न केवल आर्थिक सुधार किए, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को भी बढ़ावा दिया। जोशी ने दावा किया कि जहां कांग्रेस ने देश को बांटने का काम किया, वहीं मोदी सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को साकार किया।

सीएम के नशा मुक्ति कार्यक्रम पर डोटासरा ने तीर छोड़ा
बोले- बच्चों को जबरन बुलाकर आयोजन किया

सीकर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने एक दिवसीय दौरे पर सीकर पहुंचे। उन्होंने कल्याण मेडिकल कॉलेज के सामने सांवली गांव में आयोजित कार्यक्रम में हजारों स्टूडेंट्स को नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई। करीब आधे घंटे तक चले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पिछली कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले युवा पेपर देने जाते थे तो पेपर लीक हो जाते थे, जिससे उनकी मेहनत व्यर्थ जाती थी। भाजपा सरकार आने के बाद अब तक कई परीक्षाएं आयोजित हुईं और एक भी पेपर लीक नहीं हुआ।

नशे के मुद्दे पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि पिछली सरकार में नशे का कारोबार फैला हुआ था, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद सीमा क्षेत्रों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई। नशे के खिलाफ हजारों मुकदमे दर्ज किए गए और हजारों गिरफ्तारियां भी हुईं।

कार्यक्रम के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर बयान जारी करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री मेरे गृह जिले सीकर आए और कोचिंग संस्थाओं, निजी व सरकारी शिक्षण संस्थाओं को टारगेट कर जबरदस्ती बच्चों को बुलाकर कार्यक्रम आयोजित कर दिया। डोटासरा ने सवाल उठाया कि सीकर को इससे क्या मिला, जबकि नानी गांव में जलभराव की समस्या, मास्टरप्लान की विसंगति, नीमकाथाना जिले की मांग और यमुना के पानी जैसी महत्वपूर्ण समस्याओं पर मुख्यमंत्री ने कोई शब्द नहीं कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि न सीकर को भूला जाएगा और न ही इसकी समस्याओं को।

बता दें कि इससे पहले भी डोटासरा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर लगातार बयान देते रहे हैं। अब मुख्यमंत्री के सीकर दौरे के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का ये बयान फिर से राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर सकता है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा
मोदी सरकार ने आठ साल तक जनता से नाजायज वसूली की

अलवर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सोमवार को अलवर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार को कई मुद्दों पर कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने जीएसटी, विदेश नीति और अलवर में जल संकट जैसे विषयों पर सरकार को घेरा। साथ ही उन्होंने अलवर सरस डेयरी चुनाव पर कहा कि केंद्रीय मंत्री अपने पीए को चेयरमैन बनाना चाहते हैं। जूली ने सबसे पहले जीएसटी को लेकर केंद्र पर तीखे सवाल किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से जीएसटी को सही ठहराया था, लेकिन अब जनता को राहत देने की बातें की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आठ साल तक सरकार ने जनता से हजारों-लाखों करोड़ रुपये नाजायज जीएसटी के रूप में वसूले और अब राहत देने के नाम पर वाहवाही लूटने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा आज भाजपा यह दिखाने की कोशिश कर रही है जैसे कांग्रेस ने जीएसटी लगाया और उन्होंने हटा दिया हो। वास्तविकता यह है कि आठ साल तक जनता की जेब पर बोझ डालने के बाद अब जीएसटी दरें घटाई जा रही हैं। सरकार को जनता से माफी मांगनी चाहिए कि इतने साल तक गलत वसूली की गई। जूली ने यह भी जोड़ा कि राहुल गांधी ने शुरू से ही जीएसटी की स्लैब व्यवस्था को अन्यायपूर्ण बताया था, जिसे अब केंद्र सरकार मानने पर मजबूर हुई है।

विदेश नीति पर सरकार घिरी

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जूली ने विदेश नीति को लेकर भी मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने अमेरिका द्वारा H-1B वीजा पर भारी शुल्क लगाए जाने का मुद्दा उठाया। जूली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दोस्ती' का भारत को कोई लाभ नहीं मिला।

उन्होंने कहा अब कंपनियों को अमेरिका में भारतीय कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए करीब 88 लाख रुपये का शुल्क भरना होगा। इससे भारतीयों के लिए अमेरिका में नौकरी पाना बेहद मुश्किल हो जाएगा। यह सरकार की कूटनीति की विफलता है। जूली ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान और चीन जैसे देशों के साथ भी भारत की नीति असफल रही है। उन्होंने कहा कि चीन हमारी जमीन पर कब्जा जमाए बैठा है और सैनिकों पर हमला कर चुका है, लेकिन सरकार अब उसी से बातचीत कर रही है।

चैटजीपीटी से सीखा नकली नोट बनाने का तरीका, आरोपी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़ कोतवाली थाना पुलिस की ओर से नकली नोट सहित पकड़े गए तीन आरोपियों से पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि सोशल मीडिया और चैटजीपीटी ऐप से उन्होंने नकली नोट बनाने की तकनीक सीखी थी। अनुसंधान अधिकारी विजयपुर थाना प्रभारी प्रभुसिंह चुंडावत ने बताया कि चित्तौडग़ढ़ जिले में नकली बाजार में चलाने वाले गिरोह से पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। पकड़े गए तीनों आरोपियों ने नकली नोट बनाने की तकनीक सोशल मीडिया और चैटजीपीटी ऐप से सीखी थी। नोट बनाने का सामान भी आरोपियों ने ऑनलाइन खरीदा था। इस काम के लिए आरोपियों ने अपने ही गांव में एक और कमरा किराए पर लिया, जहां यह लोग नकली नोट बनाने का काम करते थे। आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके पास कुल पन्द्रह हजार रुपए के 500-500 रुपए के नकली नोट बरामद हुए थे। गिरफ्तार आरोपी सारोला झालावाड़ निवासी आसिफ अली पुत्र नूर मोहम्मद, आदिल खान पुत्र अब्दुल गफूर और कैथून निवासी शाहनवाज पुत्र मंसूर अहमद ने पूछताछ में अनुसंधान अधिकारी चुंडावत को बताया कि झालावाड़ में उन्होंने अपने ही गांव के दूसरे मोहल्ले में किराए का कमरा लिया हुआ था। उन्होंने मकान मालिक को यह कह रखा था कि वह ऑनलाइन कम्प्यूटर का काम करते हैं। जबकि हकीकत यह थी कि उसी कमरे में नकली नोट बनाने का काम चल रहा था। पुलिस ने मौके पर जाकर वहां से प्रिंटर, खास किस्म का पेपर, इंक, केमिकल, हरी टेप, सांचा और वाटरमार्क तैयार करने का लकड़ी का फ्रेम बरामद किया है।

कागजों में बोया ग्वार, खेतों में उगी गाजर-मक्का, बीज फर्जीवाड़े में कंपनी व अधिकारी दोनों दोषी,परिणाम भुगतना होगा

श्रीगंगानगर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कृषि उत्पादन में अग्रणी श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों में प्रमाणित बीज के नाम पर जो फर्जीवाड़ा हो रहा है,उसमें कंपनी और अधिकारी दोनों दोषी हैं। अब इन्हें परिणाम भुगतना होगा। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने यह संकेत सर्किट हाउस में पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए दिए। मीणा हनुमानगढ़ जिले में प्रमाणित बीज के नाम पर हो रहे फर्जीवाड़े की परतें उधडऩे के बाद शनिवार रात श्रीगंगानगर आ गए थे।

कृषि मंत्री ने कहा कि कंपनियों के रिकार्ड में जहां बीज उत्पादन होना बताया गया, वहां निरीक्षण के दौरान अलग फसल खड़ी मिली। कंपनी की मंशा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिस किसान के खेत में उसने प्रमाणित बीज का उत्पादन होना बताया, उस खेत के मालिक को इसकी जानकारी तक नहीं थी। मीणा ने कहा की प्रमाणित बीज

का उत्पादन करने वाली कंपनियों ने किसानों को अप्रमाणित बीज बेच कर धोखाधड़ी की है। इसमें वे अधिकारी भी दोषी हैं, जिन पर फसल का निरीक्षण करने की जिमेदारी थी। इस फर्जीवाड़े में अधिकारियों की संलिप्तता है या नहीं? यह बाद की बात है। अधिकारियों ने जिमेदारी का निर्वाह ईमानदारी से नहीं किया। उन्होंने बताया कि बीज निर्माण के दौरान अधिकारियों को तीन बार मौके पर जाकर बीज प्रदर्शन का निरीक्षण करना होता है। जो फर्जीवाड़ा पकड़ में आया है, उसे देखकर लगता है कि अधिकारी एक बार भी बीज प्रदर्शन देखने नहीं गए।

कृषि मंत्री ने प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक खेती पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि इसमें भी गड़बड़झाला है। उन्होंने कहा कि श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ जिलों की भूमि उर्वरा है, लेकिन बेहिसाब रासायनिक खाद और पेस्टीसाइड के प्रयोग से उपजाऊ भूमि की सेहत को बिगाड़ दिया है। इसके लिए सभी दोषी हैं। नकली खाद के मामलों में कार्यवाही के सवाल पर मीणा ने कहा कि कोई दोषी बचेगा नहीं। कृषि मंत्री ने श्रीगंगानगर की रामदेव सीड्स और धालीवाल सीड्स के बीज प्रदर्शन क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। बीज कंपनी ने जहां ग्वार की बिजाई दिखा रखी थी, वहां मूंग और मक्का मिला। कृषि मंत्री ने कहा कि बीज माफिया का यह कुकृत्य किसानों की आय दुगनी करने के मिशन में रुकावट पैदा कर रहा है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई
गोदाम से नकली डीएपी खाद जब्त

दौसा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कृषि विभाग ने लालसोट के बगड़ी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गोदाम से भारी मात्रा में नकली डीएपी खाद बरामद की। यह कार्रवाई जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार मीणा के नेतृत्व में की गई। गोदाम को तुरंत सील कर दिया गया और आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। सूचना मिलने के बाद कृषि विभाग की टीम पुलिस के साथ गोदाम पर पहुंची। शटर अंदर से बंद होने के कारण दुकानदार को बुलाकर जांच की गई और टीम ने अवैध रूप से रखी गई 187 बैग नकली डीएपी खाद जब्त की। सहायक निदेशक कृषि अशोक कुमार मीणा और सुज्ञान सिंह गुर्जर ने बताया कि हरियाणा के एक व्यक्ति द्वारा इस खाद की सप्लाई की जा रही थी। बिक्री से पहले ही कार्रवाई करके नकली खाद को दबोचा गया। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि यह कार्रवाई किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इससे यह सुनिश्चित होता है कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद मिले और नकली खाद से उनकी फसलों और मेहनत को नुकसान न पहुंचे। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार नकली खाद की पहचान करना किसानों के लिए जरूरी है। यूरिया को तवे पर गर्म करने पर यह पिघल जाना चाहिए और डीएपी के दानों को हथेली पर चूना लगाकर रगड़ने पर तेज गंध आती है। नकली खाद से किसानों की मेहनत और पैसा बर्बाद होता है, फसलों का उत्पादन और गुणवत्ता प्रभावित होती है। इ

कन्हैयालाल हत्या मामले पर अशोक गहलोत का बड़ा बयान
भाजपा ने भ्रम फैलाकर केस भुनाया, अब कुछ नहीं बोल रही

उदयपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कन्हैयालाल हत्या प्रकरण में केंद्र सरकार और भाजपा को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि चुनावों में पांच लाख बनाम 50 लाख का भ्रम फैलाकर भुनाने वाली भाजपा अब कुछ नहीं बोल रही। तीन साल से ज्यादा समय से केस एनआइए के पास लंबित है। इससे कन्हैयालाल का परिवार भी सदमे में है।

गहलोत ने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को (बांसवाड़ा में 25 सितंबर को प्रस्तावित दौरे में) कम से कम यह तो स्पष्ट करना चाहिए कि केस आगे क्यों नहीं बढ़ रहा। दो दिवसीय दौरे पर उदयपुर आए गहलोत ने कन्हैयालाल के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की। उसके बाद सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह प्रकरण बहुत गंभीर था।

सीएस और डीजीपी के साथ वे स्वयं उदयपुर आए। परिवार से बातचीत की। चंद घंटों में आरोपियों को पकड़ा। आजादी के बाद यह पहला केस है, जिसमें परिवार को इतना बड़ा पैकेज दिया, जिसमें दोनों बच्चों को नौकरी और 51 लाख रुपए शामिल है। तत्कालीन विपक्ष, जिसमें गुलाबचंद कटारिया भी शामिल थे, उन्होंने भारी गलती की और केस एनआइए को दिलवा दिया। गहलोत ने कहा, एनआइए एक विश्वसनीय एजेंसी है, लेकिन इतने संगीन मामले में ऐसी लापरवाही समझ में नहीं आ रही। गहलोत ने कहा कि पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह आए थे, तब उन्होंने यह मामला उठाया था। लेकिन गृहमंत्री ने जवाब नहीं दिया। गहलोत ने दावा किया कि यदि वे होते तो यह मामला छह महीने-साल भर में नतीजे पर पहुंच जाता। आरोपियों को अब तक फांसी या आजीवन कारावास की सजा मिल चुकी होती। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार की हार में एक प्रमुख कारण यह भी था, जिसमें भाजपा भ्रम फैलाने में कामयाब रही।

गहलोत ने तंज कसा कि स्मार्ट सिटी के नाम पर खूब ढोल पीटा गया, लेकिन धरातल पर €या स्थिति है सब जानते हैं। उन्होंने उदयपुर की आयड़ नदी में सफाई के नाम पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह मुद्दा उठाएंगे। उन्होंने कहा, स्मार्ट सिटी तो छोड़िए, कोई एक गांव भी स्मार्ट बना हो तो बता दें।

गहलोत ने कहा कि एमएलएसयू की वीसी के खिलाफ गंभीर शिकायतें हैं। वीसी निवास पर काम करने वाली महिलाओं की आपबीती सुनकर वे खुद आश्चर्य चकित हैं। महिलाओं को इस तरह प्रताड़ित किया गया, कोई सोचा भी नहीं सकता। गहलोत ने कहा कि वीसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के नाते लोग समस्याएं लेकर उनके पास आते हैं। वे पत्र लिख अवगत कराते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री जवाब तक नहीं देते। ऐसा पहली बार देखा है कि इस सरकार में आम जनता की किसी को फिक्र नहीं है। सरकार का इकबाल तक नहीं है।

12वीं फेल बंशीलाल बना नटवरलाल
फर्जी स्कीम के जाल में फंसा कर 50 करोड़ ठगे

जयपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने हाई-प्रोफाइल ठगी के मामले में मास्टरमाइंड समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने फर्जी निवेश योजनाओं से झांसा दिया। इसके लिए वेबसाइट बनाई और सोशल मीडिया पर प्रचार किया। ऑफर और मुनाफे के सपने दिखाए। महज 12वीं फेल आरोपी ने 6 लाख में एसयूवी दिलवाने का झांसा देकर 250 से ज्यादा लोगों से ठगी। इसी तरह अलग-अलग स्कीम्स में हजारों लोगों से 50 करोड़ रुपए से ज्यादा ठग लिए स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के आइजी शरत कविराज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी प्रिंस सैनी उर्फ बंशीलाल (24) भोपालगढ़ जोधपुर, मंगेतर ममता भाटी (24) ब्यावर और साथी दिनेश बागड़ी (24) मेड़ता सिटी नागौर का रहने वाला है। आरोपियों ने बाड़मेर, जोधपुर, पाली, जालोर सहित अन्य जगहों पर लोगों को शिकार बनाया। पुलिस का कहना है कि प्रिंस, ममता एवं हार्वेस्ट कंपनी के खातों की पड़ताल की तो उनमें कुल 6 लाख रुपए से भी कम रकम पाई गई।

पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी प्रिंस सैनी उर्फ बंशीलाल खुद को प्रभावशाली दिखाने के लिए सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढक़र भाग लेता था। लोगों को प्रभावित करने के लिए कई जगह हेलिकॉप्टर से पहुंचा और दान के नाम पर लाखों लुटाए। उसके काफिले में लग्जरी कारों के साथ 10 से ज्यादा एसयूवी चलती थीं, जिससे वह वीआइपी नजर आता था।

मोती महल के झंडा विवाद में नया मोड़
मनुदेव सिनसिनी ने तोड़ा सदर गेट, पुलिस-प्रशासन में मचा हड़कंप

भरतपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के मोती महल पर रियासतकालीन झंडा विवाद में नया मोड़ आ गया है। जाट समाज ने 21 सितंबर को मोती महल पर रियासतकालीन झंडा लगाने का ऐलान किया था, लेकिन महाराजा विश्वेंद्र सिंह की अपील के बाद उन्होंने अपना फैसला बदल दिया। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मोती महल के आस-पास पुलिस बल तैनात किया। शाम होते ही मनुदेव सिनसिनी ने सोशल मीडिया पर लाइव दिखाते हुए मोती महल के पीछे के गेट सदर गेट को गाड़ी से तोड़ दिया और अंदर प्रवेश किया। मनुदेव सिनसिनी के हाथ में रियासतकालीन झंडा था और उन्होंने वीडियो बनाई, लेकिन झंडा नहीं लगाया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

एसडीएम राजीव शर्मा और एडिशनल एसपी सतीश कुमार यादव मौके पर पहुंचे और एफएसएल टीम ने सबूत जुटाए। एडिशनल एसपी सतीश यादव ने बताया कि जांच में पता चला है कि तीन लोग थे, जिन्होंने सदर गेट पर टक्कर मारी और अंदर करीब 50 मीटर तक प्रवेश किया। यह झंडे को लेकर के राज परिवार का विवाद था लेकिन जानबूझकर के इसे तूल देने की कोशिश की गई है। पुलिस को फायरिंग की सूचना मिली थी लेकिन मामला कुछ और निकला। जब तीनों ने अंदर प्रवेश किया तो गेट की आवाज सुनकर गार्ड मौके पर आए। गार्डों को देखकर वे सभी भाग गए। पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि शांति व्यवस्था बनी हुई है। तीनों आरोपी मौके से भाग निकले हैं और पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। पुलिस ने जिस गाड़ी से गेट को टक्कर मारी गई थी उसे मनुदेव सिनसिनी के आवास से अपने कब्जे में ले लिया है। उस वक्त अनिरुद्ध सिंह महल के अंदर थे। घटना के बाद मथुरा गेट थाने आकर अनिरुद्ध सिंह ने स्वयं परिवाद दिया है। 21 सितम्बर को एक समुदाय विशेष की ओर से झंडा विवाद पर चेतावनी दी गई थी।

विवाहिता की मौत के बाद चल रही थी अंतिम संस्कार की तैयारी
फिर दिखा ऐसा निशान की मच गया बवाल

सवाई माधोपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। गंगापुरसिटी के वजीरपुर उपखण्ड क्षेत्र के मोहचा का पुरा में विहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पहले जहां महिला की मौत हार्ट अटैक से बताकर अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही थी, वहीं एकाएक गले पर निशान दिखने पर बवाल मच गया और पीहर पक्ष ने पुलिस बुला ली। इसके बाद शव को गंगापुरसिटी राजकीय सामान्य चिकित्सालय लाया गया, जहां पर पोस्टमार्टम कराया। इधर फुलवाड़ा पेपट निवासी विवाहिता पूजा पत्नी अवधेश जाटव के पिता ने पीलोदा थाने में ससुराल जनों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है। प्राथमिकी में पिता रतीराम ने बताया कि बेटी की शादी मई 2012 में मोहचा का पुरा निवासी अवधेश से की थी। इसके कुछ साल बाद ही बेटी से लड़ना-झगड़ना शुरू कर दिया। कई बार समझाइश की गई, लेकिन ससुराल वाले नहीं माने। कई बार मारपीट कर पीहर भेज देते, लेकिन हम समझाइश कर फिर से भेज देते थे। बेटी से सास रूपन और उसके बेटे अवधेश, राकेश, अमीन सभी मारपीट करते थे। शनिवार को उनके पास फोन आया तो छोटी बेटी काजल ने बताया कि पापा जीजी कुछ बोल नहीं रही है। फिर बताया कि उसे श्रीमहावीरजी में निजी चिकित्सालय में लेकर गए है। उसके बाद जानकारी दी कि पूजा की मौत हो गई है। रात को ही सभी ससुराल पहुंचे। सुबह हिन्दू रीति-रिवाज के तहत शव को नहलाते समय छोटे भाई की पत्नी (भाभी) को पूजा के गले पर निशान दिखाई दिए। इस पर अंतिम संस्कार के लिए इनकार कर दिया। साथ ही पुलिस को सूचित किया। इस दौरान पति और ससुराल वाले झगड़ने लगे। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर राजकीय चिकित्सालय गंगापुरसिटी पहुंचाया। इधर थाना प्रभारी मानसिंह ने बताया कि दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई : हाथोज पटवारी का दलाल 30 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार, पटवारी फरार

जयपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हाथोज (कालवाड़ रोड) के पटवारी नरेंद्र मीणा के दलाल विकास शर्मा को 30 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह रकम भूमि नामांतरण के मामले में ली जा रही थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि परिवादी की हाथोज क्षेत्र में स्थित 10 बीघा भूमि का नामांतरण खोलने के एवज में पटवारी नरेंद्र मीणा और उसके दलाल द्वारा 50 लाख रुपये रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत का सत्यापन कराने पर यह पाया गया कि पटवारी द्वारा 30 लाख रुपये की अंतिम मांग की गई है।

एसीबी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जयपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन में ट्रैप योजना बनाई। एस.आई.यू. इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को जाल बिछाया और दलाल विकास शर्मा को 30 लाख रुपये लेते हुए धर दबोचा। इसमें 5 लाख रुपये वास्तविक मुद्रा और 25 लाख रुपये के डमी नोट बरामद किए गए।

गिरफ्तारी के समय पटवारी नरेंद्र मीणा मौके से नदारद रहा। सूत्रों के अनुसार उसे एसीबी ट्रैप की आशंका हो गई थी, जिसके चलते वह मौके पर नहीं पहुंचा और फरार हो गया। वर्तमान में एसीबी की टीम उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी दलाल से गहन पूछताछ की जा रही है और पटवारी की संलिप्तता की पुष्टि के लिए तलाशी अभियान जारी है।

दक्षिण मध्य रेलवे पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में अपर प्रबंधक सत्यप्रकाश, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी.खाडे, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, अपर मंडल रेल प्रबंधक/हैदराबाद, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/लालागुडा, मुख्य कारखाना प्रबंधक/मेट्टुगुडा, संबंधित अधिकारी उपस्थित थे तथा अन्य मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की। महाप्रबंधक ने कहा कि इस रेलवे पर राजभाषा के क्षेत्र में अच्छा कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रयोग बढाने के लिए अनुवाद की भाषा से बचा जाए और सरल तथा बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया जाए। अपर महाप्रबंधक ने कहा कि इस रेलवे पर राजभाषा का प्रयोग-प्रसार बढाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यालयीन कार्य में क्विक नोटिंग, मानक प्रपत्रों का प्रयोग कर हिंदी का प्रयोग बढाया जा रहा है। इसे बनाए रखा जाए। बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस रेलवे के मुख्यालय सहित सभी मंडलों और कारखानों में हिंदी पखवाडा मनाया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

बैठक के दौरान इस रेलवे की हिंदी ई-पत्रिका रेल सुधा का विमोचन महाप्रबंधक महोदय द्वारा किया गया। वर्ष के दौरान हिंदी में अधिकाधिक एवं सराहनीय कार्य करनेवाले अधिकारियों व कर्मचारियों को महाप्रबंधक व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कार प्रदान किए गए। डॉ. श्याम सुंदर साहु, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के. नागराजु, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी।

वैश्य समुदाय अहिंसा प्रिय समाज : डॉ. गिरीश कुमार संघी

नवरात्रि समारोहों में डीजे पर प्रतिबंध लगाने की मांग

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने कहा कि नवरात्रि समारोहों के दौरान डीजे गानों और अश्लील नृत्यों के जरिए पश्चिमी संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो हिंदू संस्कृति और परंपराओं के विरुद्ध है।

रविवार को काचीगुडा स्थित बजरंग सेना कार्यालय में एम. मनोज कुमार और नरेश कुमार के साथ मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि गैर-हिंदू ऐसे आयोजनों में घुसपैठ कर रहे हैं और हमारी संस्कृति को नष्ट कर रहे हैं। इसलिए, उन्होंने सरकार से समारोहों के दौरान डीजे पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने अनुरोध किया कि हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय इन आयोजनों में डीजे की अनुमति न दें। यह भी मांग की कि केवल हिंदुओं को ही इसमें भाग लेने की अनुमति दी जाए और अन्य धर्मों के लोगों को इसमें शामिल होने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। राव ने बताया कि अतीत में, जब गैर-हिंदू हिंदू त्योहारों में शामिल होते थे, तो कई झड़पें हुई थीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीशियनों से लेकर बाउंसरों तक, इन आयोजनों में शामिल सभी लोग हिंदू होने चाहिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से अनुरोध किया कि सभी समारोह आधी रात से पहले समाप्त हो जाएं।

निर्माण कार्य के बाद चिन्तल के श्री श्रीयादे माताजी मंदिर में पुनः तस्वीर स्थापित

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रजापति समाज ट्रस्ट चिन्तल की पावन धरा पर श्री श्रीयादे माताजी मंदिर में पुनः तस्वीर स्थापना की गई!

जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रजापति समाज के चेयरमैन अमरचंद झुझणोदिया व अध्यक्ष प्रकाश हाटवा ने बताया की मंदिर प्रांगण में शैड निर्माण कार्य चल रहा था जिसमें माताजी व रामदेवजी की तस्वीर को कुछ दिनों से स्थापित जगह से हटाकर पूजा-अर्चना की जा रही थी और अब मंदिर में स्पर्श व दीवार टाइल्स और प्रांगण में शैड निर्माण कार्य पूर्ण होने पर शुभ मुहूर्त में पुनः माताजी व रामदेवजी की तस्वीर स्थापना की गई।

अवसर पर समाज बन्धुओं ने महायज्ञ का लाभ लिया। कार्यक्रम में पधारे हुए सभी समाज बन्धुओं के लिए प्रसाद का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया गया। अवसर पर पूरी कार्यकारिणी एवं पदाधिकारिगण एम. घेवरचंद, तुलसीराम, रामनिवास, प्रेमचंद बाबरीया, बजरंगलाल, सचिव धन्नाराम, भंवरलाल, संचार मंत्री मुन्नालाल, राकेश कुमार, तिलक प्रजापति, सलाहाकार, जोगाराम, धर्मीचंद, मोहनलाल, हनुमानलाल, अशोक कुमार, महेन्द्र कुमार, महावीरचंद, नरेश कुमार, धर्मेन्द्र कुमार एवं सभी समाज बन्धुओं उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

समाज अनुशासन, एकता में रहेगा तभी आगे बढ पाएगा। डॉ. संघी ने बताया कि अगले वर्ष अगर समाज संगठित एकता में रहेगा तो इस प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कहीं बडे मैदान में कार्यक्रम को भव्य रूप से मनायेंगे। उन्होंने समाज का पुन: आभार प्रकट करते हुए कहा कि समाज द्वारा दिये गये तन-मन-धन से सहयोग के लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे। दिल से समाज की एकजुटता के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज विकास का परिचायक है। वैश्य समाज के साथ विकास चलता है। देश की आजादी से लेकर आज तक के विकास में इस समाज का अहम योगदान को आखिर कौन नहीं जानता। यह समाज अपनी समाज सेवा के लिए विख्यात है। देश-विदेश में आपदा आदि में समाज के लोग पीड़ित लोगों की मदद करते हैं।

संयोजक सुरेश अग्रवाल ने बताया कि प्रतिमा को इस चौक में स्थापित कराने में डॉ. गिरीश कुमार संघी का विशेष सहयोग रहा है, जिनके अथक प्रयास से आज यह भव्य प्रतिमा इस क्षेत्र में स्थापित है। समाज सदैव उनका आभारी रहेगा, जिनके अथक प्रयास से समाज का यह सपना साकार हो सका था। समाज बन्धुओं द्वारा समाज में की गयी सेवाओं के लिए डॉ. गिरीश कुमार संघी का पुष्पमाला, शॉल व मोमेन्टो से विशेष सम्मान किया। जयंती महोत्सव कार्यक्रम में बडी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पधारी अलका संघी का भी समाज की महिलाओं ने विशेष सम्मान किया। अलका संघी ने बताया कि अग्रसेन जी महाराज की जयंती पर सेवाभाव की प्रेरणा लेकर महिलाओं को भी समाज सेवा में बढचढ कर भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम में ए.के. गोयल (सेवानिवृत्त आईएएस), विनोद अग्रवाल (सेवानिवृत्त आईएएस), अग्रवाल समाज तेलंगाना अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, बद्री विशाल बंसल, गोपाल मोर, सुरेश अग्रवाल, सुनिल पटोदिया, सुरेश जगनानी, मुन्नालाल अग्रवाल, नरेन्द्र कुमार गोयल आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन गोपाल मोर ने किया। डॉ. गिरीश कुमार संघी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पूर्वोत्तर के राज्य ...

तीसरा, अरुणाचल प्रदेश में कई बड़े परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जो राज्य के विकास को नई गति देंगे। मोदी ने कहा कि तवांग मठ से नमसाई तक अरुणाचल शांति और संस्कृति का अद्भुत संगम है और मां भारती का गौरव है।

कार्यक्रम में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी पूर्वोत्तर को राजनीति के तराजू में नहीं तोला। उन्होंने हमेशा यही कहा कि भारत तभी आगे बढ़ेगा जब नॉर्थ ईस्ट आगे बढ़ेगा।

2014 से पहले पूर्वोत्तर नकारात्मक कारणों से जाना जाता था, लेकिन अब यह विकास का इंजन बनकर देश की प्रगति में योगदान दे रहा है। मोदी ने अरुणाचल को 'उगते सूरज की धरती' बताते हुए कहा कि यहां का हर नागरिक शौर्य और शांति का प्रतीक है, जैसे तिरंगे का पहला रंग केसरिया है, वैसे ही अरुणाचल का रंग भी शौर्य का प्रतीक है।

स्थानीय लोगों से स्वदेशी को बढ़ाने पर की चर्चा :

इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थानीय व्यापारियों, उद्योगपतियों और करदाताओं के साथ जीएसटी दरों में हालिया सुधारों के प्रभाव पर चर्चा की। पीएम ने व्यापारियों से सीधे बातचीत की और उनकी चिंताओं को सुना। यह बैठक एक सक्रिय संवाद के रूप में आयोजित की गई, जिसमें व्यापारियों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से राव की अंतरिम जमानत रद्द करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सनसनीखेज फोन टैपिंग मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रभाकर राव को दी गई अंतरिम जमानत रद्द करने की तेलंगाना सरकार की याचिका पर सोमवार को सुनवाई स्थगित कर दी। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 8 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। जब मामला न्यायमूर्ति बीवी नागरत्न के समक्ष सुनवाई के लिए आया, तो सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि राव जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राव ने उन्हें दिए गए आधिकारिक लैपटॉप और कंप्यूटर के पासवर्ड नहीं बताए, और बताया कि फोरेंसिक रिपोर्ट से पता चला है कि इन उपकरणों को फ़ैक्टरी रीसेट कर दिया गया था, जिससे महत्वपूर्ण सबूत मिट गए। मिटाए गए डेटा में विधायकों, सांसदों, राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों और अन्य लोगों के फोन टैपिंग के सबूत थे। उन्होंने कहा कि वास्तव में, सरकारी नियमों के अनुसार, अधिकारियों को सेवा छोड़ते समय सभी आधिकारिक उपकरण बरकरार रखने होते हैं, लेकिन राव ने उन्हें नष्ट कर दिया और सारा डेटा मिटा दिया। राज्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने अदालत से राव की अंतरिम जमानत रद्द करने का आग्रह किया। उन्होंने पीठ को बताया कि नोटिस जारी होने के बाद राव विदेश चले गए और इस बात पर जोर दिया कि उनके उपकरणों से सबूत मिटाए जाने के मामले में गहन जांच जरूरी है। दूसरी ओर, प्रभाकर राव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शेषाद्रि नायुडू ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि राव जब भी बुलाए गए, पेश हुए और उनसे कम से कम 15 बार पूछताछ की गई। उन्होंने तर्क दिया कि कार्यवाही राजनीति से प्रेरित थी और कई लोगों पर राव के खिलाफ बयानों पर हस्ताक्षर करने का दबाव डाला जा रहा था। अंतरिम ज़मानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए नायुडू ने समय बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राव को दो हफ़्ते का समय दिया और मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

पार्षद राकेश जायसवाल, एएमसी बोइनपल्ली के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार ए. गौतम जैन, कांग्रेस नेता राजेंद्र यादव, गजानन चौधरी, प्रेमचंद मुणोत, किशन शर्मा, आदर्श मुणोत, मूल सिंह आदि।

अग्रणी महिला मंच द्वारा लोअर टैंक बंड स्थित जगदीश मंदिर में श्री महाराज अग्रसेन जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, संगीता जजोड़िया, रूपा गुप्ता, रितु गोयल, प्रीति गोयल, नीता अग्रवाल एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

शिवमंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में सर्वपितृ अमावस्या पर गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन मायच्छ, बृजगोपाल कड़ेल, सत्यनारायण मौसूण (पहलवान), पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, गोविंद कड़ेल, यशमित वर्मा आदि।

अब तक 50,000 करोड़ रुपये की संपत्ति संरक्षित : हाइड्रा आयुक्त

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के आयुक्त एवी रंगनाथ ने सोमवार को कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा के लिए नहरों और तालाबों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटा दिए गए हैं। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए, आयुक्त ने कहा कि नहरों या तालाबों को बाधित करने वाले किसी भी अवैध निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे जल निकाय सामुदायिक संपत्ति हैं। उन्होंने बताया, इनकी रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। हमने बतुकम्मा कुंटा की रूपरेखा बदल दी है। गजुलारामारम में, जमीन हड़पने वालों ने 300 एकड़ से ज्यादा जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था और 900 से ज्यादा घर बना लिए थे। कल इनमें से 260 घर गिरा दिए गए, जबकि 640 अभी भी बचे हुए हैं। कुछ गरीब परिवारों ने अनजाने में सरकारी जमीन पर बने घर खरीद लिए थे। रंगनाथ ने कहा कि 12 प्रमुख बिल्डरों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं और हाइड्रा ने वर्टेक्स और वासावी बिल्डर्स जैसे प्रभावशाली लोगों के साथ कोई समझौता नहीं किया है। उन्होंने बताया कि 19 जुलाई, 2024 को अपने गठन के बाद से, हाइड्रा ने 45,000 से 50,000 करोड़ रुपये मूल्य की 923.14 एकड़ सार्वजनिक संपत्ति का पुनः दावा किया है और लगभग 581 अतिक्रमण हटाए गए हैं।

पारसीगुट्टा स्थित श्री माताजी मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिन घट स्थापना कार्यक्रम में पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य यजमान अध्यक्ष मोहनलाल-सुगनाबाई हाम्बड़, जसवंतकुमार-सुशीला देवड़ा, मांगीलाल-निर्मला देवड़ा, मोहनलाल-गवरीदेवी परिहार, खंगारराम-गवरीदेवी आगलेचा, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा व समाज बन्धु।

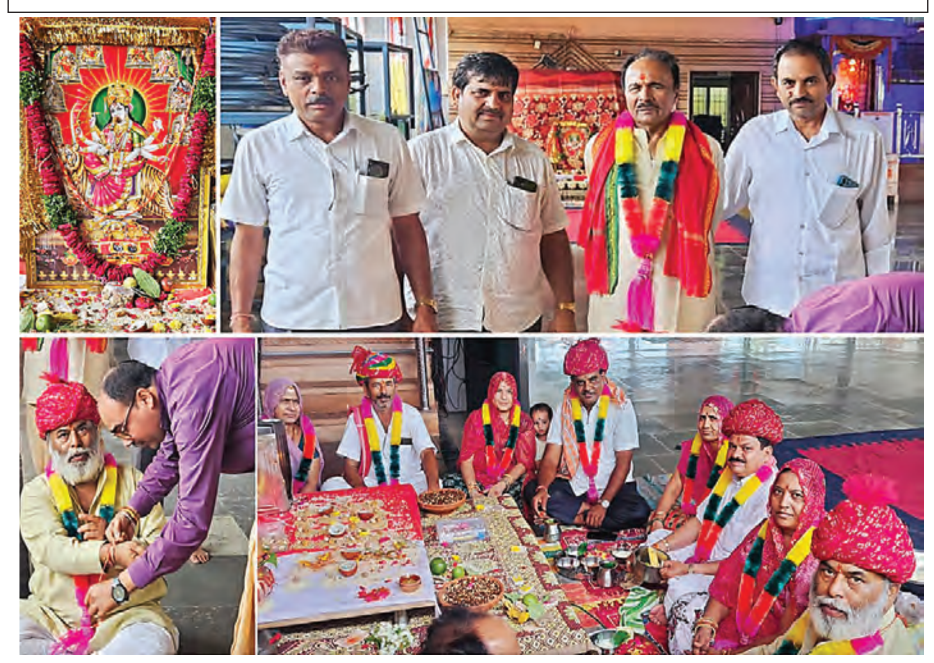

करमनघाट अलमासगुड़ा स्थित श्री आईमाताजी बडेर में नवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिवस पंडित मिश्रा महाराज के मंत्रोच्चारण, पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष भाणाराम बर्फा, सचिव पुखराज चोयल, सलाहकार मगाराम परिहार, पुजारी अब्बाराम सोलंकी, हीरालाल सेणचा, हेमाराम बर्फा, मोतीराम पँवार व समाज बन्धु।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें, द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है।

संख्याःसी/ई-नीलामी कैटलॉग /दम/2025-26, दि.22-09-2025

कृते राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे द्वारा वाणिज्यिक आय एवं एनएफआर अनुबंधों या कान्ट्राक्ट्स के लिए ई-नीलामी आमंत्रित है। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम संख्याः 1 श्रेणीः पे एण्ड यूज कैटलॉग संख्याः पीएनयु-एससी-एचटीसीवाय-टीओआय नीलामी शुरू तिथि व समयः 24 सितंबर-25 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन(रेलें)-एचटीसीवाय नीलामी विवरणः हायटेक सिटी स्टेशन पर पे एण्ड यूज शौचालय ठेका।

क्रम संख्याः 2 श्रेणीः एमपीएस कैटलॉग संख्याः एससीएमपीएस-बी-09-25-12 नीलामी शुरू तिथि व समयः 25 सितंबर-25 के 11.30 बजे संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन(रेलें)-डब्ल्यूएल, केएमटी, केजेडजे, पीआरएलआई, एचटीसीवाय नीलामी विवरणः वरंगल, खम्मम काजीपेट, परली, तथा हायटेक सिटी स्टेशनों पर बहुउध्देशीय स्टाल कान्ट्राक्ट्स या ठेका।

क्रम संख्याः 3 श्रेणीः पार्किंग कैटलॉग संख्याः पीआरकेजी-डी09-25-32 नीलामी शुरू तिथि व समयः 26 सितंबर-25 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन(रेलें)-आलेर बिदर नीलामी विवरणः आलेर, बिदर रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग कान्ट्राक्ट या ठेका।

क्रम संख्याः 4 श्रेणीः पार्किंग कैटलॉग संख्याः पीआरकेजी-इ09-25-33 नीलामी शुरू तिथि व समयः 27 सितंबर-25 के 12.00 बजे संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन(रेलें)-डब्ल्यूएल, बीएमटी,एससी नीलामी विवरणः वरंगल, बेगमपेट, सिकंदराबाद स्टेशनों पर रेडियो टैक्सी कान्ट्राक्ट या ठेका।

क्रम संख्याः 5 श्रेणीः एडवर्टाइजिंग कैटलॉग संख्याः एससी-एडीवीटीएस-एमआयएक्सइडी नीलामी शुरू तिथि व समयः 29 सितंबर-25 के 12.00 बजे संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/ट्रेन(रेलें)- एससी डिवीजन के चारों ओर, एमसीआय, बीआयडीआर, सीएचजेड, जेइटी, एलपीआय, केएमटी, बीडीसीआर, एमएबीडी, डब्ल्यूएल, रेलें या ट्रेनेः 12759/60, 12791/92, 12721/22, 12723/24

नीलामी विवरणः मंचेरियाल रेलवे स्टेशन के लिए नान-डिजीटल कान्ट्राक्ट या ठेका।

सिकंदराबाद डिवीजन के चारों ओर स्टेशनों पर, तत्संबंधित शर्तों के विवरितानुसार, क्षेत्र के लिए लिफ्ट्स के भीतर विनायल रैपिंग के माध्यम से स्थैतिक विज्ञापन हेतु कान्ट्राक्ट या ठेका। बिदर रेलवे स्टेशन के पास किमी नं.66/2-3 पर रोड अंडर ब्रिज चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के परिसंचरण क्षेत्र या सर्कूलेटिंग एरिया में बिपोले होर्डिंग (स्थैतिक) तथा लोल्लीपाप्स (स्थैतिक मीडिया) के माध्यम से विज्ञापन के लिए ठेका।

चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के परिसंचरण क्षेत्र या सर्कूलेटिंग एरिया में बिपोले होर्डिंग (स्थैतिक) तथा लोल्लीपाप्स (स्थैतिक मीडिया) के माध्यम से विज्ञापन के लिए ठेका। जेम्स स्ट्रीट स्टेशन के पास पांच स्थानों पर रोड अँडर ब्रिज (आरयुबी) पर स्थैतिक मीडिया (ओओएच) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका या कान्ट्राक्ट।

लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन के परिसंचरण या सर्कूलेटिंग क्षेत्र में डिजीटल मीडिया के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों का डिसप्ले या प्रदर्शन। खम्मम रेलवे स्टेशन के समीप लेवल क्रासिंग गेट नं.104 पर तथा भद्राचलम रोड पर रोड अंडर ब्रिज (आरयुबी) 61केके पर होर्डिंग एवं बोर्ड्स (स्थैतिक मीडिया) के माध्यम से विज्ञापन का ठेका।

महबूबाबाद रेलवे स्टेशन के समीप आउट आफ होम (ओओएच) (स्थैतिक होर्डिंग, डिजीटल एलइडी बोर्ड्स, वाल पेन्टिंग्स आदि) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों के लिए ठेका। वरंगल स्टेशन के आरयुबीज पर आउट आफ होम (स्थैतिक होर्डिंग, डिजीटल एलइडी बोर्ड्स, वाल पेन्टिंग्स आदि) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका।

मंचेरियाल रेलवे स्टेशन के परिसंचरण क्षेत्र के भीतर वाणिज्यिक स्थैतिक विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु ठेका। रेल संख्या 12721/22 एचवायबी-एनजेडएम-एचवायबी दक्षिण एस/एफ एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के भीतरी क्षेत्र में विज्ञापन व्यवस्था।

रेल संख्या 12791/92 एससी- डीएनआर -एससी दानापुर एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के भीतरी क्षेत्र में विज्ञापन व्यवस्था। 12723/24 तेलंगाना एक्सप्रेस के पैसेंजर एरिया के भीतर स्टीकर्स के माध्यम से विज्ञापन हेतु ठेका या कान्ट्राक्ट। 12759/60 चारमिनार एस /एफ एक्सप्रेस के पैसेंजर एरिया के भीतर स्टीकर्स के माध्यम से विज्ञापन हेतु ठेका या कान्ट्राक्ट।

क्रम संख्याः 6 श्रेणीः पार्किंग कैटलाग नं.- पीआरकेजी-एफ09-25-34 नीलामी शुरू तिथि व समयः 29 सितंबर-25 के 12.00 बजे संबंधित स्टेशन(न्स) / रेल(रेलें)- एससी
नीलामी विवरणः सिकंदराबाद स्टेशन पर रेडियो टैक्सी कान्ट्रैक्ट या ठेका।

क्रम संख्याः 7. श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक कैटलाग नं. -एससी-जीएएमइ-इवी-02 नीलामी शुरू तिथि व समयः1, 29 सितंबर-25 के 13.00 बजे संबंधित स्टेशन(न्स) /रेल(रेलें)-एफजेडजीएच, एचएफजेड, सीएचजेड नीलामी विवरणः फिरोजगुडा रेलवे स्टेशन के बाहर उपलब्ध क्षेत्र में फन झोन की स्थापना का ठेका।
2. हाफीजपेटा रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिकल व्हीकल चार्जिंग स्टेशन हेतु ठेका।
3. हाफीजपेटा रेलवे स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग स्टेशन हेतु ठेका।
4. चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनस के कानकोर्स क्षेत्र में हेल्थ कियोस्क की स्थापना, रखरखाव व संचालन

क्रम सं. 8 श्रेणीः पार्किंग कैटलाग नं.- पीआरकेजी-जी09-25-35 नीलामी शुरू तिथि व समयः 4 अक्तूबर -25 के 12.00 बजे संबंधित स्टेशन (न्स) / रेल(रेलें)- एसएनएफ, जेइटी, बीजी
नीलामी विवरणः सनतनगर, जेम्स स्ट्रीट तथा भोंगिर स्टेशनों पर पार्किंग का ठेका।

क्रम संख्याः 9 श्रेणीः पार्सिल्स कैटलाग नं.- एससी पार्सिल्स-1625 नीलामी शुरु तिथि व समयः 7 अक्तूबर-25 के 12.00 बजे संबंधित स्टेशन(न्स) /रेल(रेलें) - 17320, 17230, 12604, 12710 **नीलामी विवरणः** 17320, 17230, 12604, 12710 पर एसएलआर कोच (सिंगल कम्पार्टमेन्ट) में पार्सिल स्पेस

क्रम संख्याः 10 श्रेणीः एमआयएससी-स्थैतिक कैटलाग नं.-एससी-आरसीआर-013 नीलामी शुरू तिथि व समयः 21 अक्तूबर .25 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन(न्स)/रेल(रेलें)-एफजेडजीएच, एनएलआरडी, एचटीसीवाय नीलामी विवरणः फिरोजगुडा, नेकलेस रोड तथा हायटेक सिटी स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टारेंट की स्थापना व इंस्टाल्लेशन हेतु ठेका।

इच्छुक पार्टीज एवं ठेकेदार इस बात पर ध्यान दें कि, ई-नीलामी सूचना के विस्तृत विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं।

पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क

A1482 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद**

भारत-पाकिस्तान 28 सितंबर को फिर भिड़ सकते हैं क्या कहता है पूरा समीकरण ?

दुबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में भारत -पाकिस्तान मैच का रोमांच थमने का नाम नहीं ले रहा. 9 सितंबर से शुरू हुए इस टूर्नामेंट में अब तक 2 बार दोनों चिर-प्रतिद्वन्दी आमने-सामने हो चुके हैं. और, अभी आगे भी टकराते दिख सकते हैं. मगर सवाल है कि भारत-पाकिस्तान के बीच अगला मुकाबला होगा कब? टूर्नामेंट के फॉर्मेट के अनुसार अब अगर फाइनल में ही इन दोनों टीमों को टकराना है, तो वहां तक इनके पहुंचने की राह तैयार कैसे होगी?

सुपर-4 स्टेज पर अभी क्या है हाल ?

भारत और पाकिस्तान दोनों ही एशिया कप 2025 में फिलहाल सुपर-4 राउंड के मुकाबले खेल रहे हैं. सुपर-4 की पॉइंट्स टैली पर गौर करें तो इस स्टेज पर अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराने के बाद भारतीय टीम टॉप पर है. उसके 2 अंक हैं और उसका रनरेट 0.689 का है.

वहीं पाकिस्तान की टीम भारत से हारकर सुपर-4 की पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे हैं. उसका रनरेट भी माइनस (-0.689) में है. सुपर-4 राउंड में 1-1 मैच खेलने के बाद बांग्लादेश दूसरे नंबर पर जबकि श्रीलंका तीसरे नंबर पर है. बांग्लादेश का रनरेट भी प्लस में हैं जबकि श्रीलंका का माइनस में.

भारत- पाक फिर भिड़ेंगे, क्या कहता है समीकरण ?

अब सवाल है कि भारत-पाकिस्तान आगे कैसे बढ़ें, जिससे वो एशिया कप 2025 के फाइनल में भी एक-दूसरे के आमने-सामने दिखें. और, फैंस को टूर्नामेंट में तीसरी बार भारत-पाकिस्तान क्रिकेट के रोमांच से रूबरू होने का मौका मिले? आइए एक नजर डालते हैं, इससे जुड़े समीकरण पर.

सुपर-4 में भारत और पाकिस्तान को अब 2-2 मैच खेलने हैं. भारतीय टीम तो जैसे विजय रथ पर सवार है, वैसे ही जीतती हुई जाए तो उसका फाइनल में पहुंचना पक्का है. वहीं सुपर-4 में भारत के खिलाफ हारने के बाद पाकिस्तान को अब अपने अगले दोनों मैच जीतने होंगे. उसे 23 सितंबर को होने वाले श्रीलंका और 25 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में जीत दर्ज करनी होगी.

अगर पाकिस्तान ये दोनों मैच जीत लेता है और उधर भारत भी बांग्लादेश को 24 सितंबर और श्रीलंका को 26 सितंबर को होने वाले मैच में हरा देता है , तो फिर 28 सितंबर को होने वाला एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान का भिड़ना तय हो जाएगा. कुल मिलाकर बांग्लादेश वाला मुकाबला भारत-पाकिस्तान दोनों के लिए अहम रहने वाला है. ये इसलिए क्योंकि बांग्लादेश सुपर-4 राउंड में अपना पहला मैच जीत चुकी है.

सीपीएल : ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स 5वीं बार चैंपियन

पोलार्ड ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, 7वीं बार फाइनल में हारी अमेजन वॉरियर्स

खेल डेस्क, 22 सितंबर (एजेंसियां)। ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग के फाइनल में गयाना अमेजन वॉरियर्स को हराते हुए एक बार फिर खिताब जीत लिया है. ये उसका 5वां सीपीएल खिताब है. 5 ट्रॉफी के साथ अब ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स ने सीपीएल की सबसे सफल टीम होने के तमगे को और मजबूत किया है. ये छठी बार था जब ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स सीपीएल के फाइनल में पहुंची थी और उसमें से 5 बार वो चैंपियन बनी है. उसने ये खिताब 2015, 2017, 2018, 2020 और 2025 में जीता.

नाइट राइडर्स फिर चैंपियन, अमेजन 7वीं बार असफल

दूसरी ओर गयाना अमेजन वॉरियर्स की बात करें तो सीपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा बार फाइनल में पहुंचने वाली टीम रही है. इस बार वो अपना 8वां फाइनल खेल रही थी. लेकिन, सबसे ज्यादा बार सीपीएल फाइनल में पहुंचने वाली इस टीम ने खिताब जीतने के मौके को 7वीं बार गंवा दिया है. मतलब अब तक गयाना अमेजन सिर्फ एक बार ही सीपीएल चैंपियन बनी है.

गयाना अमेजन ने 20 ओवर में बनाए 130 रन

सीपीएल 2025 के फाइनल मुकाबले की बात करें तो टॉस जीतकर गयाना अमेजन वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. उसने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 130 रन बनाए. गयाना की ओर से पाकिस्तान के इफ्तिखार अहमद सबसे सफल बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 30 रन बनाए. नाइट राइडर्स की ओर 3 विकेट लेकर सौरभ नेत्रवलकर सबसे सफल गेंदबाज रहे.

काइरन पोलार्ड ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

गयान अमेजन वॉरियर्स की इनिंग के दौरान ही ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाड़ी काइरन पोलार्ड ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. वो अब T20 क्रिकेट में 400 या उससे ज्यादा कैच पकड़ने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं. पोलार्ड ने गयाना की इनिंग के दौरान कुल 4 कैच पकड़े, जिसमें से तीसरा कैच उनका 400वां कैच रहा. मतलब, T20 क्रिकेट में उनके कुल कैचों की संख्या अब 401 हो चुकी है.

ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स 2 ओवर पहले ही बन गई चैंपियन

ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स को अब 5वीं बार खिताब जीतने के लिए 131 रन बनाने थे. जबकि, गयाना अमेजन को दूसरी बार चैंपियन बनने के लिए 130 रन डिफेंड करने थे. हालांकि. बाजी आखिर में ट्रिनबागो के नाम हुई, जिन्होंने 2 ओवर बचे रहते ही टारगेट को चेज कर लिया. ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स ने 18 ओवर में 7 विकेट खोकर 133 रन बनाए और ना सिर्फ ये फाइनल मुकाबला बल्कि खिताब भी जीत लिया.

अंपायर से तो मिल लो, गौतम गंभीर ने खिलाड़ियों को दिया ऑर्डर

दुबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के सुपर 4 मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर अपनी ताकत का लोहा मनवा लिया. लेकिन मैच के बाद का सीन कुछ और ही था. भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने एक ऐसा कदम उठाया, जिसने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चौंका दिया. पिछली बार ही तरह इस बार भी टॉस से ही नया विवाद शुरू हो गया था, जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा के साथ हाथ न मिलाकर मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट और रवि शास्त्री को प्राथमिकता दी.

टीम इंडिया ने इस मुकाबले में एकतरफा अंदाज में बाजी मारी. पाकिस्तान की टीम ने भारत के सामने 172 रनों का टारगेट रखा था, जो अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की तूफानी पारियों के आगे छोटा साबित हुआ. वहीं, अंत में तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या ने मुकाबले को खत्म करने का काम किया. लेकिन मुकाबला खत्म करते ही तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या सीधे ड्रेसिंग रूम में चले गए. दोनों टीमों के बीच खेले गए ग्रुप स्टेज मैच में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था.

हालांकि, इस बार हेड कोच गौतम गंभीर ने खिलाड़ियों को एक खास ऑर्डर दिया. गंभीर ने टीम को मैदान पर वापस बुलाया और खिलाड़ियों को अंपायर्स से हाथ मिलाने के लिए कहा. सोशल मीडिया पर इस घटना से जुड़ा एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें गौतम गंभीर कह रहे हैं कि अंपायर से तो मिल लो. पाकिस्तानी खिलाड़ी इस व्यवहार से पूरी तरह हैरान रह गए, क्योंकि क्रिकेट में मैच के बाद हाथ मिलाना एक पुरानी परंपरा है. यह घटना दुबई में एक हफ्ते पहले हुए हैंडशेक विवाद की याद दिला गई, जब दोनों टीमों के बीच तनाव चरम पर था.

रोमांचक हुई फाइनल की रेस

टूर्नामेंट में भारत का अगला मुकाबला बुधवार को दुबई में बांग्लादेश से है. अगर यह मैच जीत लिया तो फाइनल में जगह पक्की हो जाएगी, जो 28 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा. वहीं पाकिस्तान मंगलवार को अबू धाबी में श्रीलंका से भिड़ेगा. सुपर फोर में इससे पहले बांग्लादेश ने श्रीलंका को चार विकेट से मात दी थी. ऐसे में श्रीलंका-पाकिस्तान के बीच खेला जाने वाला मैच दोनों ही टीमों के लिए करो या मरो जैसा रहने वाला है.

इंग्लैंड ने आयरलैंड को हराकर 2-0 से सीरीज जीती

डबलिन, 22 सितंबर (एजेंसियां)। आयरलैंड और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आखिरी मुकाबला 21 सितंबर 2025 को डबलिन में खेला गया. जहां आखिरी मुकाबले में भी इंग्लिश टीम छह विकेट से बाजी मारने में कामयाब रही. मैच के हीरो फिरकी गेंदबाज आदिल रशीद रहे. जिन्होंने अपने चार ओवरों के स्पेल में 7.25 की इकोनॉमी से 29 रन खर्च करते हुए सर्वाधिक तीन सफलता प्राप्त की. जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया.

154/8 रन बनाने में कामयाब हुई थी आयरलैंड

डबलिन में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड की टीम 20 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 154 रन बनाने में कामयाब हुई थी. सातवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए गैरेथ डेलानी सर्वोच्च स्कोरर रहे. जिन्होंने 29 गेंदों में 48 रनों की नाबाद महत्वपूर्ण पारी खेली. उनके अलावा रॉस अडायर ने 33, हैरी टेक्टर ने 28 और बेन कैलित्ज ने 22 रनों का योगदान दिया.

17.1 ओवरों में जीत गई इंग्लैंड

आयरलैंड की तरफ से मिले 155 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड की टीम ने 17.1 ओवरों में चार विकेट के नुकसान पर आसानी से प्राप्त कर लिया. चौथे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए जॉर्डन कॉक्स ने 35 गेंद में 55 रन की सर्वाधिक अर्धशतकीय पारी खेली. उनके अलावा टॉम बैंटन ने 26 गेंदों में नाबाद 37 रनों का योगदान दिया.

इन गेंदबाजों का रहा जलवा

इंग्लैंड की तरफ से तीसरे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड की तरफ से आदिल राशिद ने जहां सर्वाधिक तीन सफलता प्राप्त की. उनके अलावा लियाम डॉसन और जेमी ओवरटन ने क्रमशः दो-दो, जबकि रेहान अहमद ने एक विकेट चटकाए.

वहीं आयरलैंड की तरफ से कुल चार गेंदबाजों ने क्रमशः एक-एक सफलता प्राप्त की. ये गेंदबाज बैरी मैकार्थी, क्रेग यंग, कर्टिस कैंपर और बेन व्हाइट हैं.

इरफान पठान ने खींची पाकिस्तान की टांग

भारत से हार के बाद 1 मिनट के अंदर किये 3 पोस्ट

मुंबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। इरफान पठान और पाकिस्तान का पुराना याराना है. इरफान को पाकिस्तान तब तो पसंद था ही, जब वो क्रिकेट खेला करते थे. अब जब वो क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं, फिर भी पाकिस्तान की खिंचाई करने का कोई भी मौका वो छोड़ नहीं रहे. 21 सितंबर को दुबई में एशिया कप 2025 के खेले सुपर-4 मुकाबले में जब भारत ने पाकिस्तान को हराया तो इरफान पठान को जले पर नमक छिड़कने का एक और मौका मिल गया. पाकिस्तान की हार के बाद उनकी खुशी का आलम ऐसा रहा कि उन्होंने एक मिनट के अंदर ही 3 पोस्ट अपने एक्स हैंडल पर कर डाले, जिसमें से एक तो सीधे-सीधे पाकिस्तान के दिल पर लगने वाले तीर जैसा था.

इरफान पठान ने 1 मिनट के अंदर किए ये 3 पोस्ट

अब सवाल है कि भारत के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान के वो 3 पोस्ट क्या रहे? इरफान पठान ने तीनों पोस्ट रात 12 बजे से 12 बजकर 1 मिनट के बीच किए. उन्होंने पहला पोस्ट जो 12 बजे पोस्ट किया , उसमें लिखा- तिलक वर्मा का शानदार फीनिश.

दूसरा पोस्ट जो उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर 12 बजकर कुछ सेकंड के अंतराल पर लिखा, उसमें टीम इंडिया को जीत की ये कहते हुए शाबाशी दी की उनका क्लास किसी भी टीम के मुकाबले ऊपर है.

इरफान पठान के ये पहले दो पोस्ट पाकिस्तान को शायद उतना ठेस पहुंचाने वाले ना रहे हों, पर अब जो उन्होंने तीसरा पोस्ट रात 12 बजकर 1 मिनट पर किया, उसमें सीधे-सीधे हमला बोला. बेशक, इरफान पठान ने अपने उस पोस्ट में पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, पर उनके निशाने पर पड़ोसी देश ही था. इरफान पठान ने भारत से पाकिस्तान के हारने के बाद पोस्ट किया- हां जी, कैसा रहा संडे?

इरफान पठान इससे पहले भी पाकिस्तान को कई बार आड़े हाथ ले चुके हैं, जिसे लेकर पूर्व पाक क्रिकेटरों के बयान भी सुनने को मिलते रहे हैं. एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया है.

हार्दिक पांड्या ने तोड़ा चहल का रिकॉर्ड

बन गए दूसरे सबसे सफल गेंदबाज

खेल डेस्क, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-फोर मैच को नंबर वन ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपने लिए यादगार बना लिए। हमेशा की तरह इस मुकाबले में भी गेंदबाजी की शुरुआत हार्दिक पांड्या ने की। उन्होंने तीसरे ओवर में फखर जमां को आउट कर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

सुपर-फोर इस मुकाबले में टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लीग मुकाबले में भी भारत ने पहले गेंदबाजी ही की थी और लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की थी।

हार्दिक की गेंद पर छूटा कैच

हार्दिक पांड्या ने गेंदबाजी की शुरुआत की। तीसरी ही गेंद पर अभिषेक शर्मा ने साहिबजादा फरहान का आसान सा कैच छोड़ दिया। फरहान उस वक्त फरहान केवल 2 रन के निजी स्कोर पर खेल रहे थे।

हार्दिक ने दिलाई पहली सफलता

हार्दिक पांड्या ने अपने दूसरे ओवर के तीसरी गेंद पर फखर जमां को संजू सैमसन के हाथों कैच करवाया। हालांकि, बल्लेबाज अपायर के इस फैसले से खुश नहीं दिखे। फखर 9 गेंद में 15 रन बनाकर आउट हुए।

तोड़ दिया चहल का रिकॉर्ड

फखर जमां को आउट करते ही हार्दिक पांड्या ने युजवेंद्र चहल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह उनके टी20 करियर का 97वां विकेट था और वह इस मामले में चहल से आगे निकल गए हैं। हार्दिक ने 106वीं पारी में यह कारानामा किया।

टी20 में दूसरे सबसे सफल

इस विकेट के साथ ही हार्दिक पांड्या भारत के लिए इस फॉर्मेट में दूसरे सबसे सफल गेंदबाज बन गए। इस लिस्ट में टॉप पर 100 विकेट ले चुके अर्शदीप सिंह हैं।

नंबर 3 पर खिसके चहल

अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वालों की सूची में युजवेंद्र चहल नंबर तीन पर खिसक गए हैं। चहल के नाम 79 पारी में 96 विकेट है।

प्रो कबड्डी लीग : हरियाणा स्टीलर्स के उपकप्तान राहुल सेठपाल पूरा करना चाहते हैं अपना सपना

जयपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। हर मध्यमवर्गीस परिवार की तरह राहुल सेठपाल के माता-पिता भी चाहते थे कि वे पढ़-लिखकर कोई अच्छी नौकरी पा लें, ताकि उनका भविष्य अच्छा हो। लेकिन, राहुल का सपना कुछ और था। गांव में जब लड़के कबड्डी खेलने जाया करते तो राहुल का भी उनके साथ जाने का मन करता। धीरे-धीरे दोस्तों के कहने पर उन्होंने भी कबड्डी खेलना शुरू किया। पहली बार खेलने पर जर्सी मिली तो इस खेल के प्रति जुनून जागा। आज इसी खेल की बदौलत उनके पास नौकरी और एक विशेष पहचान है। प्रो कबड्डी लीग के सीजन-12 में हरियाणा स्टीलर्स के उपकप्तान नियुक्त किए गए राहुल सेठपाल इन दिनों जयपुर में हैं।

पहले मना किया आज मेरे लिए प्रार्थना करते हैं

राहुल ने कहा, पहले मां और पापा मुझे मना करते थे कबड्डी खेलने के लिए, लेकिन फिर जब मुझे सफलता मिलने लगी तो उनका नजरिया भी बदल गया। आज वे मेरी सफलता के लिए प्रार्थना करते हैं। कबड्डी खेलने के कारण ही मुझे भारतीय सेना में हवलदार के पद पर नियुक्ति मिली है। आज उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। राहुल ने बताया कि मेरे साथी खिलाड़ी नितिन रावल ने कई मौकों पर भावनात्मक और आर्थिक रूप से मुझे सपोर्ट किया है।

प्रो कबड्डी हम जैसे खिलाड़ियों के लिए अच्छा मंच

राहुल के अनुसार, प्रो कबड्डी लीग हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन मंच है। प्रो कबड्डी टीम फ्रेंचाइजियां हमें वह मंच प्रदान करती हैं जिससे हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए खुद को तैयार कर पाते हैं। यहां अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हमारे साथ खेलते हैं, जिनसे काफी सीखने को मिलता है। प्रो कबड्डी ने मुझे आर्थिक रूप से मजबूत बनने में भी काफी मदद की है।

भारत के लिए खेलने का सपना

प्रो कबड्डी लीग में पहचान बनाने के बाद अब राहुल भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल ने कहा, मेरा लक्ष्य अगले साल होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी के लिए गर्व की बात होती है। मैं भी देश के लिए पदक जीतना चाहता हूं।

जूनियर नेशनल में जीत चुके हैं पदक

राहुल 2020 और 2021 में जूनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य रहे हैं। राहुल ने हरियाणा स्टीलर्स को 2024 में उसका पहला खिताब दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने सीजन-11 में 24 मैचों में 73 अंक टैकल से हासिल किए थे। वैसे अब तक वे कुल 207 टैकल पाइंट हासिल कर चुके हैं।

पाकिस्तान की हार से बौखलाए शोएब अख्तर

अंपायर पर लगाए चीटिंग के आरोप !

दुबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के सुपर 4 मैच में पाकिस्तान को करारी हार का सामना करना पड़ा. भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत अपने नाम की. पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमान, हार्दिक पांड्या की गेंद पर पीछे संजू सैमसन को कैच दे बैठे. ये विकेट बहुत चर्चा का विषय बना. पाकिस्तानी फैंस को लग रहा है कि गेंद कैरी नहीं हुई और फखर नॉटआउट थे. कुछ ऐसा ही पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी शोएब अख्तार का भी मानना है. उन्होंने अंपायर पर चीटिंग के आरोप लगा दिए और बोला कि जमान आउट नहीं थे.

शोएब अख्तर ने फखर जमान के विकेट पर क्या कहा ?

अख्तर साफ तौर पर पाकिस्तान की टीम की हार से बौखलाए हुए हैं. उन्होंने पाकिस्तान के एक चैनल पर अंपायरिंग की आलोचना की और गलत फैसला लेने का आरोप जड़ा. उन्होंने बताया कि फखर अगर क्रीज पर होते, तो शायद चीजें अलग होती. अख्तर ने कहा, 'फखर जमान आउट नहीं थे. अगर रिव्यू के दौरान फैसला बीच में अटका था, तो बेनिफिट ऑफ डाउट उन्हें मिलना चाहिए था. क्या उन्होंने मिड-विकेट कैमरे से चेक किया? मैदान पर 26 कैमरे थे लेकिन फिर भी सही एंगल उपलब्ध नहीं था. वाओ! उन्होंने दो एंगल देखे और आउट दे दिया. किसे पता, अगर फखर क्रीज पर ठीके रहते, तो मैच किसी दूसरी दिशा में जा सकता था. अंपायरिंग स्टैंडर्ड मजाक है. गेंद साफ तौर पर पहले ग्राउंड पर लगी थी. ग्लव्ज नीचे नहीं थे.'

पाकिस्तान के एक और दिग्गज खिलाड़ी वसीम अकरम का भी अपने देश की हार पर दर्द छलका है. वो पाकिस्तान टीम के प्रदर्शन से खुश नजर नहीं आए और उन्होंने बताया कि भारतीय टीम हर मामले में उनसे बेहतर थी. उन्होंने ये भी कहा कि पिछले 3-4 साल से लगातार भारत का पलड़ा भारी रहा है. उन्होंने पाकिस्तान के प्रदर्शन पर हताशा जताई. भारतीय बल्लेबाजों ने 172 रन के लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया. अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और तिलक वर्मा ने बल्ले से कमाल किया और 6 विकेट से भारत ने जीत अपने नाम की.

सिंगरेणी ने कर्मचारियों को 34 प्रतिशत बोनस से पुरस्कृत किया

71 हजार से अधिक श्रमिकों को मिलेगा लाभ, यूनियनों ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने लाभ का 34 प्रतिशत बोनस देने की घोषणा की है, जिससे 71,000 से अधिक नियमित और संविदा कर्मचारियों को लाभ होगा। लगभग 41,000 नियमित कर्मचारियों को 1.95 लाख रुपये प्रति कर्मचारी का बोनस मिलेगा, जबकि लगभग 30,000 संविदा कर्मचारियों को 5,500 रुपये प्रति कर्मचारी का बोनस मिलेगा। कंपनी ने वर्ष 2024-25 के लिए 6,394 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जिसमें से 4,034 करोड़ रुपये विस्तार पहलों में पुनर्निवेश के लिए निर्धारित किए गए हैं। शेष 2,360 करोड़ रुपये में से 819 करोड़ रुपये बोनस के लिए आवंटित किए जाएंगे। सोमवार को सचिवालय में बोनस की घोषणा के दौरान, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राज्य सरकार सिंगरेणी के श्रमिकों के योगदान को हमेशा स्वीकार करती रहेगी, जिन्होंने राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिंगरेणी को लाभदायक बनाए रखने में श्रमिक महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, जिससे राज्य सरकार ने उनके बीच लाभ वितरित करने का निर्णय लिया। उन्होंने कॉर्पोरेट संस्थाओं के मुकाबले सिंगरेणी की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए इसके विकास के प्रति प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। रेवंत रेड्डी ने कहा, भविष्य में, हम श्रमिकों के प्रति अपना समर्थन बनाए रखेंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि सिंगरेणी लाभदायक बनी रहे। इसके अतिरिक्त, दीपावली के अवसर पर श्रमिकों के लिए बोनस की घोषणा की जाएगी। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को सचिवालय में मीडिया को संबोधित करते हुए घोषणा की कि कुल 71,000 सिंगरेणी श्रमिकों को बोनस मिलेगा। इसमें 41,000 स्थायी कर्मचारी और 30,000 संविदा कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि खोए हुए कोयला ब्लॉकों को पुनः प्राप्त करने के प्रयास जारी हैं, और राज्य सरकार पिछले प्रशासन के दौरान खोए गए दो ब्लॉकों को पुनः प्राप्त करने पर केंद्रित है। आवश्यक खनिजों की वैश्विक आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सिंगरेणी कोयला खनन से आगे बढ़कर विविधीकरण की योजना बना रही है। सरकार ने अतिरिक्त खनन क्षेत्रों में प्रवेश करके सिंगरेणी की क्षमताओं को बढ़ाने का निर्णय लिया है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि सिंगरेणी ने कर्नाटक में तांबा और सोने के खनन के लिए निविदाएं प्राप्त की हैं और भंडारों का मूल्यांकन करने के लिए अन्वेषण और उत्खनन का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में, इन खदानों को प्राप्त करने वाली कंपनियों को खदान के संचालन काल की अवधि के लिए सिंगरेणी को 35 प्रतिशत रॉयल्टी का भुगतान करना होगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सिंगरेणी के विकास में सहायता के लिए, पीडब्ल्यूसी और केपीएमजी जैसी परामर्श फर्मों को शामिल किया गया है, जिसका लक्ष्य सिंगरेणी को एक प्रमुख सफलता की कहानी के रूप में स्थापित करना है।

तेलंगाना के विकास और जन कल्याण के लिए गुणवत्ता महत्वपूर्ण : उत्तम

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को तेलंगाना में शासन के संगठनात्मक सिद्धांत के रूप में गुणवत्ता को स्थापित किया और कहा कि सिंचाई और खाद्य वितरण में कठोर मानक यह निर्धारित करते हैं कि जन कल्याण नागरिकों तक "बिना किसी नुकसान या विचलन के" पहुंचता है या नहीं।

क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई), हैदराबाद चैप्टर के 39वें वार्षिक सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार आपूर्ति श्रृंखलाओं में डिजिटलीकरण, वास्तविक समय निगरानी और स्वचालन में निवेश कर रही है ताकि हर स्तर पर दक्षता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। सबसे पहले सिंचाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि परियोजनाओं, नहरों, पाइपलाइनों और जलाशयों की निर्माण गुणवत्ता किसानों की आजीविका को सीधे प्रभावित करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि खराब डिजाइन या कार्यान्वयन दशकों तक जल आपूर्ति को बाधित कर सकता है। नागरिक आपूर्ति की बात करते हुए, मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि करदाताओं के पैसे से खरीदा गया हर अनाज गरीबों तक पहुंच सके, यह सुनिश्चित करने के लिए खरीद, भंडारण, परिवहन और वितरण में गुणवत्ता आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार के दृष्टिकोण से, बिजली, पानी, कृषि, रोजगार, कौशल विकास और झील संरक्षण पर तेलंगाना की रणनीतियों पर विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद अच्छी तरह से विचार किया गया है।

शासन का संदर्भ निर्धारित करने के बाद, उत्तम कुमार रेड्डी ने राष्ट्रीय स्तर पर दृष्टिकोण को व्यापक बनाया। गुणवत्ता केवल एक व्यावसायिक आवश्यकता नहीं है, यह एक राष्ट्रीय अनिवार्यता है। उन्होंने चेतावनी दी कि खराब गुणवत्ता वाले उत्पाद या सेवाएं न केवल ग्राहक संतुष्टि को कमजोर करती हैं, बल्कि वैश्विक बाजारों में "ब्रांड इंडिया" को भी नुकसान पहुंचाती हैं। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि जब भारत विश्व स्तरीय गुणवत्ता प्रदान करता है, तो देश को विश्वसनीयता, बाज़ारों तक पहुंच और गौरव की भावना प्राप्त होती है। मंत्री ने गुणवत्ता को विभिन्न क्षेत्रों में परिभाषित किया, विनिर्माण में इसका अर्थ है प्रतिस्पर्धी उत्पाद, सेवाओं में, इसका अर्थ है दक्षता, पारदर्शिता और ग्राहक-केंद्रितता और सरकार एवं लोक कल्याण में, इसका अर्थ है बिना किसी लीकेज के, सही समय पर सही सेवा प्रदान करना।

भारत के दीर्घकालिक लक्ष्यों को देखते हुए, मंत्री ने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भरता की यात्रा गुणवत्ता, उत्पादकता और स्थिरता पर आधारित होनी चाहिए। भारत को वास्तव में आत्मनिर्भर बनाने के लिए, तीन स्तंभों को मजबूत करने की आवश्यकता है। स्वदेशी समाधान तैयार करने के लिए नवाचार और अनुसंधान एवं विकास, कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार रखने के लिए कौशल विकास और प्रशिक्षण और भारतीय उत्पादों और सेवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए गुणवत्ता उत्कृष्टता।

उन्होंने कहा, गुणवत्ता के बिना आत्मनिर्भरता कायम नहीं रह सकती। हमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त मजबूत होना होगा।

बेटे ने माता-पिता की हत्या की

शराब के नशे में बिगड़ा मानसिक संतुलन, लाठी से किया हमला

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मानसिक रूप से अस्थिर एक बेटे ने रविवार रात अपने बुजुर्ग माता-पिता की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी का नाम श्रीनिवास है, जो अपने माता-पिता राजैया और लक्ष्मी के साथ रह रहा था।

श्रीनिवास पिछले कुछ महीनों से एर्रागड्डा के सरकारी मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज करा रहा था। करीब एक महीने पहले ही उसके माता-पिता उसे घर लेकर आए थे। रविवार की रात वह शराब के नशे में बेकाबू हो गया और लाठी से हमला कर अपने माता-पिता की मौके पर ही हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही नेरेडमेट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि श्रीनिवास फिलहाल फरार है और उसकी तलाश जारी है।

हैदराबाद चिड़ियाघर में जल्द आएंगे मैंड्रिल, हूलॉक गिब्बन और जेबरा

पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत नया आकर्षण बनेगा नेहरू प्राणी उद्यान

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के नेहरू प्राणी उद्यान (एनजेडपी) में जल्द ही नए विदेशी और दुर्लभ जानवर दिखाई देंगे। इनमें डिज्नी फिल्म द लायन किंग के मशहूर किरदार 'रफ़ीकी' से पहचाना जाने वाला वास्तविक मैंड्रिल भी शामिल है। यह प्राइमेट टाटा जूलॉजिकल पार्क, जमशेदपुर से पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत हैदराबाद आएगा।

मैंड्रिल दुनिया के सबसे बड़े बंदर माने जाते हैं। वयस्क नर के चेहरे पर नीले और लाल रंग की चमकदार धारियां होती हैं, जो उन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। इनके साथ भारत की एकमात्र वानर प्रजाति, हूलॉक गिब्बन, भी जल्द चिड़ियाघर का हिस्सा बनेगी। नागालैंड चिड़ियाघर पार्क से बातचीत पूरी हो चुकी है और इन दुर्लभ प्राइमेट्स को एनजेडपी में लाने की तैयारी है। इतना ही नहीं, लगभग 30 साल बाद हैदराबाद चिड़ियाघर में ज़ेबरा भी लौटने वाला है। इसे गुजरात के जामनगर स्थित वंतारा से लाया जाएगा। इससे पहले अफ्रीकी देश के साथ जेबरा लाने का समझौता हुआ था, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया।

तेलंगाना चिड़ियाघर उद्यान निदेशक, डॉ. सुनील एस. हिरेमठ ने बताया कि मैंड्रिल, हूलॉक गिब्बन और जेबरा आने वाले महीनों में चिड़ियाघर के बड़े आकर्षण होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक से तीन महीनों में पशु विनिमय प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। वर्तमान में एनजेडपी में कुल 199 प्रजातियां हैं- जिनमें 51 स्तनधारी, 109 पक्षी, 37 सरीसृप और दो उभयचर शामिल हैं। यहां कुल 518 स्तनधारी, 1,361 पक्षी, 328 सरीसृप और आठ उभयचर मौजूद हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने सरकार से पूर्व डीएसपी नलिनी के लाभ जारी करने की मांग की

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने आज पूर्व डीएसपी नलिनी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने नलिनी के स्वास्थ्य और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

एमएलसी अंजी रेड्डी, पूर्व सांसद और भाजपा तेलंगाना प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. बूरा नरसय्या गौड़, वरिष्ठ नेता गुडूर नारायण रेड्डी, यादाद्री जिला पार्टी अध्यक्ष अशोक गौड़, प्रदेश महासचिव वेमुला अशोक और अन्य वरिष्ठ नेता भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर, भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि हालांकि नलिनी तेलंगाना आंदोलन के दौरान पुलिस बल में थीं, फिर भी उन्होंने जय तेलंगाना के नारे के साथ आंदोलन का समर्थन किया और अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने याद दिलाया कि नलिनी के इस्तीफे के बाद, विभाग ने उन्हें निलंबित कर दिया, लेकिन अभी तक उन्हें मिलने वाले सेवानिवृत्ति लाभ जारी नहीं किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस और वर्तमान कांग्रेस सरकार ने नलिनी को मुश्किल में डाल दिया है और कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आश्वासन के बावजूद, उन्हें अभी तक लाभ जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि हालांकि नलिनी ने 16 पृष्ठों की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है और स्थिति स्पष्ट की है, फिर भी राज्य सरकार अन्य कारणों का हवाला देकर लाभ जारी नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, परिणामस्वरूप, नलिनी को मानसिक पीड़ा हुई है। उनकी तबीयत बिगड़ गई है। ऐसे में, नलिनी के समर्थन में, भाजपा की टीम उनसे मिलने गई। नलिनी ने कहा कि वह अपनी सेवानिवृत्ति और अन्य आधिकारिक लाभों का उपयोग सामुदायिक सेवा के लिए करेंगी।

साइबर अपराध पुलिस का नोटिस बना चर्चा का विषय

रेडिट पर वायरल हुआ नोटिस, पुलिस ने बताया असली

पेद्दापल्ली, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम साइबर अपराध पुलिस द्वारा जारी एक नोटिस सोशर्ल मीडिया पर बहस का कारण बन गया है। दरअसल, नोटिस प्राप्त करने वाले व्यक्ति ने इसकी प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हुए इसे रेडिट पर अपलोड कर दिया। यह नोटिस 1 सितंबर 2025 को जारी हुआ था और इसमें व्यक्ति को सात दिनों के भीतर पुलिस के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया था। नोटिस में उससे छह महीने का बैंक स्टेटमेंट, खाता विवरण (जो कथित तौर पर फ्रीज कर दिया गया), पहचान प्रमाण, पूरा नाम-पता, मोबाइल नंबर और पेशे से जुड़े दस्तावेज जमा करने को कहा गया था।

साथ ही, नोटिस में व्यक्ति को कथित धोखाधड़ी वाली जमा राशि के स्रोत की जानकारी देने, धन किससे और क्यों मिला, तथा इसमें शामिल व्यक्तियों या संस्थाओं का विवरण देने का निर्देश दिया गया था। यदि खाता कॉर्पोरेट या नोडल था, तो कंपनी से जुड़े दस्तावेज, एसोसिएशन का ज्ञापन, जीएसटी पंजीकरण और निदेशकों व लाभार्थियों की जानकारी भी मांगी गई थी। व्यक्ति का दावा है कि उसे यह नोटिस व्हाट्सएप पर मिला, जिससे वह घबरा गया और हाल के दिनों में किसी भी ऑनलाइन काम से परहेज़ करने लगा। उसने कहा कि उसके खाते में केवल फ्रीलांस काम की पेमेंट आती रही है।

रेडिट पर इस पोस्ट पर यूजर्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ लोगों ने इसे फ़र्जी और धोखाधड़ी का नया तरीका बताया, तो कुछ ने सवाल उठाया कि पुलिस बिना जांच पूरी किए कैसे तय कर सकती है कि पैसा धोखाधड़ी का है। हालांकि, रामागुंडम पुलिस ने स्पष्ट किया कि नोटिस असली है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध मामलों में संदिग्ध खाताधारकों को नोटिस भेजना सामान्य प्रक्रिया है। यदि जांच में व्यक्ति दोषी नहीं पाया जाता, तो उसे छोड़ दिया जाता है।

इंजीनियरिंग छात्र ने सीनियरों की प्रताड़ना से तंग आकर की आत्महत्या

शराब पिलाने और 10 हजार रुपये का बिल चुकाने का बनाया दबाव

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में रविवार रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र ने कथित तौर पर सीनियरों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान जाधव साईं तेजा के रूप में हुई है, जो नारापल्ली स्थित सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में बीटेक द्वितीय वर्ष का छात्र था।

तेजा को मेडिपल्ली के मधु बॉयज हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका पाया गया। वह आदिलाबाद जिले के उत्नूर का रहने वाला था। शुरूआती जांच में सामने आया है कि सीनियर छात्रों ने उसे शराब पीने के लिए मजबूर किया और बार में ले जाकर करीब 10,000 रुपये का बिल बनवाया, जिसका भुगतान करने पर जोर डाला। पुलिस के अनुसार, इस दौरान स्थानीय युवकों और सीनियरों ने तेजा के साथ मारपीट भी की। अपमान और दबाव को सहन न कर पाने के कारण उसने आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उसने अपने पिता के नाम एक वीडियो संदेश भी रिकॉर्ड किया। इस घटना से साथी छात्रों और परिवार में गहरा आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उत्पीड़न में शामिल लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

कांग्रेस और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू : केटीआर

गरीबों के घर तोड़ने पर कांग्रेस सरकार पर बरसे

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को कांग्रेस और भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दोनों दलों को एक ही सिक्के के दो पहलू करार दिया और आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार भाजपा के एजेंडे पर चल रही है। तेलंगाना भवन में जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के बोराबंडा मंडल के बीआरएस कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के बुलडोजर न्याय का विरोध करती है, लेकिन राज्य में गरीबों के घरों को गिराने के लिए उसी बुलडोजर का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों के घर तोड़े जा रहे हैं, जबकि कांग्रेस नेताओं की आलीशान इमारतों को छुआ भी नहीं जा रहा है।

उन्होंने आत्महत्या करने वाले पार्टी कार्यकर्ता सरदार का ज़िक्र करते हुए कहा कि बीआरएस उसके घर का पुनर्निर्माण करेगी। साथ ही मतदाताओं से अपील की कि वे धार्मिक या मीडिया के बहकावे में न आएं। केटीआर ने कहा कि बीआरएस शासनकाल में 42 फ्लाईओवर और बड़े पैमाने पर शहरी विकास कार्य हुए, लेकिन कांग्रेस के आने के बाद विकास रुक गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस सरकार नगर निगम चुनावों के बाद मुफ़्त पानी जैसी योजनाओं को भी बंद कर सकती है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे केवल बीआरएस शासनकाल में पूरी हुई परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं और राज्य की वित्तीय स्थिति पर गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। केटीआर ने जुबली हिल्स उपचुनाव को कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनमत संग्रह बताया और बीआरएस को अधिक बहुमत दिलाने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्र के नाम संबोधन में एच1बी वीज़ा जैसे असल मुद्दों पर बात नहीं की। जीएसटी दरों में कटौती की बात करने के बजाय वे सांप्रदायिक राजनीति करते हैं और जनता को असली मुद्दों (जैसे ईंधन की कीमतें और रोजगार) से भटकाते हैं।

दुबई में तेलंगाना एनआरआई समुदाय बतुकम्मा उत्सव की तैयारियों में व्यस्त

खाड़ी देशों में भी गूंजेगा फूलों का त्योहार

सांसद और लोक गायक होंगे आकर्षण

दुबई, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खाड़ी देशों में तेलंगाना के प्रवासी समुदाय द्वारा बतुकम्मा उत्सव बड़े धूमधाम से मनाने की तैयारियां चल रही हैं। अलग राज्य आंदोलन के बाद से यह पुष्प महोत्सव विदेशों में बसे तेलंगाना वासियों की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है।

दुबई, जिसे यहां के प्रवासी 'मिनी तेलंगाना' कहते हैं, इस बार भी प्रमुख आयोजनों का केंद्र रहेगा।

इस वर्ष दुबई में होने वाले महोत्सव में महिला सांसद डी.के. अरुणा मुख्य अतिथि होंगी। उनके साथ निजामाबाद के सांसद डी. अरविंद और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव भी 27 सितंबर को कार्यक्रम में शामिल होंगे। तेलंगाना के प्रसिद्ध लोक गायक भी अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को और रंगीन बनाएंगे।

दुबई में सबसे पुराना एनआरआई संगठन जीटीसीडब्ल्यूए रविवार को बतुकम्मा मनाने जा रहा है। संगठन के अध्यक्ष जुव्वाडी श्रीनिवास राव और सचिव सलाहुद्दीन ने कहा कि उन्होंने दुबई में इस परंपरा की शुरूआत की थी और तब से इसे परिवार की तरह मनाया जा रहा है। इसी दिन तेलंगाना सामुदायिक संगठन ईटीसीए भी उत्सव आयोजित करेगा।

तेलुगु एसोसिएशन ऑफ दुबई (टीएडी) 26 सितंबर को एक साल बाद महोत्सव आयोजित करने जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद है। अबू धाबी में तेलंगाना फ्रेंड्स एसोसिएशन 27 सितंबर को कार्यक्रम करेगा। सऊदी अरब में पहली बार जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में तेलुगु संगठन जेटीएम बतुकम्मा मनाने जा रहा है।

स्वर्ण श्रीनिवास ने कहा कि यह सार्वजनिक आयोजन समुदाय के लिए गर्व की बात है। बहरीन में शुक्रवार को स्थानीय पार्क में आंध्र और तेलंगाना समुदाय मिलकर उत्सव मनाएंगे। सऊदी अरब के दम्मम में भी दोनों समुदाय दशहरा के साथ मिलकर कार्यक्रम करेंगे। ओमान में आईएससी की तेलंगाना शाखा और कतर में कई संगठन अपने-अपने तरीके से बतुकम्मा मनाने की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स 2025 का आगाज, पुरस्कार राशि 1 करोड़ रुपये

123 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, भारत और विदेशों के गोल्फरों की होगी प्रतिस्पर्धा

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) ने एनएसएल लक्स प्रेजेंट्स तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स 2025 की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 23 से 26 सितंबर तक हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन (एचजीए) में आयोजित होगा, जिसमें 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि होगी। इस प्रतियोगिता में 123 गोल्फ खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमें भारत के शीर्ष पेशेवर खिलाड़ी जैसे अर्जुन प्रसाद, उदयन माने, शौर्य भट्टाचार्य और अंगद चेमा शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में चेक गणराज्य के स्टीफन दानेक, श्रीलंका के एन थंगाराजा और के प्रबागरन, बांग्लादेश के जमाल हुसैन और बादल हुसैन, इटली के फेडेरिको जुचेट्टी, नेपाल के सुभाष तमांग और युगांडा के जोशुआ सील शामिल होंगे।

स्थानीय चुनौती का नेतृत्व हैदराबाद के पेशेवर और शौकिया खिलाड़ी करेंगे, जिनमें मोहम्मद अजहर, विशेष शर्मा, रूपिंदर सिंह गिल, राहुल मलिक, तरुण अजय, टी ऋषभ सिंह और सात्विक कुमार सिंह शामिल हैं। तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव (युवा उन्नति, पर्यटन और संस्कृति) श्री जयेश रंजन ने कहा कि यह टूर्नामेंट आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) अंक प्राप्त करता है और अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर में शामिल होने के कारण राज्य में पर्यटन संभावनाओं को उजागर करने में मदद करेगा। हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन के अध्यक्ष बी.वी.के. राजू ने बताया कि यह प्रतियोगिता सदस्यों और दर्शकों के लिए विश्व स्तरीय गोल्फ का अनुभव देखने का अवसर है। पीजीटीआई के सीईओ अमनदीप जोहल ने कहा कि गोलकोंडा मास्टर्स हर सीजन में सबसे प्रतीक्षित टूर्नामेंटों में से एक है और उन्होंने आयोजकों और भागीदारों का आभार व्यक्त किया।

सड़क हादसे में दो की मौत, दो घायल

तेज रफ्तार कार ने खोया नियंत्रण, आमने-सामने हुई टक्कर

महबूबनगर, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के राजापुर मंडल मुख्यालय में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा तब हुआ जब हैदराबाद से नांदयाल जा रही कार तेज़ रफ़्तार के कारण अनियंत्रित होकर विपरीत लेन में जा घुसी और सामने से हैदराबाद की ओर आ रही दूसरी कार से टकरा गई। इस टक्कर में पनागल मंडल के चिक्केपल्ली गांव निवासी बीरम रंजीत कुमार रेड्डी और उनकी रिश्तेदार हरिका की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों हैदराबाद जा रहे थे। दूसरी कार में सवार दो लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.